हरतालिका
तीज आज

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, मंगलवार 26 अगस्त 2025 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 03, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 139 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

इंटरव्यू : उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्षी उम्मीदवार पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का बड़ा आरोप, कहा

जस्टिस सुदर्शन रेड्डी ने आदिवासियों से छीना उनका आत्मरक्षा का अधिकार

एजेंसियां। नयी दिल्ली

उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने विपक्षी इंडिया गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के जिन पूर्व जज बी. सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाया है, उन्होंने सलवा जुडूम को खत्म करने वाले फैसले के जरिए नक्सलियों को दो दशक तक जिंदा रखा. एक न्यूज एजेंसी को दिए एक इंटरव्यू में शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी सवाल उठाया और कहा कि उन्हें यह जवाब देना चाहिए कि ऐसे व्यक्ति क्यों चुना गया, जो वामपंथी सोच से सहानुभूति रखता है और जिनकी वजह से एक ऐसा नागरिक सुरक्षा समूह खत्म हुआ, जो नक्सलियों का सफाया कर सकता था.

जुलाई 2011 में जस्टिस सुदर्शन रेड्डी और जस्टिस एसएस निज्जर ने मिलकर छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में चल रहे सलवा जुडूम अभियान को गैरकानूनी और असांविधानिक घोषित किया था. उस समय छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार थी और रमन सिंह मुख्यमंत्री थे. सुप्रीम कोर्ट के फैसले में कहा गया था कि सलवा जुडूम का गठन राज्य सरकार का उस सांविधानिक जिम्मेदारी से पीछे हटने जैसा है, जिसमें नागरिकों को सुरक्षा देने के लिए एक प्रशिक्षित और स्थायी पुलिस बल होना चाहिए.

शाह ने कहा, नक्सलियों ने स्कूलों को तबाह कर दिया था. वहां सीआरपीएफ और सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था. लेकिन कोर्ट के आदेश के बाद रातों-रात उन्हें हटा दिया गया. कई जगहों पर सुरक्षा बलों पर हमले हुए. सुदर्शन रेड्डी से ज्यादा राहुल गांधी को जवाब देना चाहिए कि ऐसा व्यक्ति क्यों चुना गया. इसी विचारधारा की वजह से नक्सलियों को सुरक्षा मिली. शाह ने कहा कि सलवा जुडूम उन आदिवासियों ने बनाया गया था, जो शिक्षा, सड़क और स्वास्थ्य चाहते थे. उन्होंने कहा, यह उनकी रक्षा के लिए बना था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसे खत्म कर दिया. गृहमंत्री ने कहा कि इस फैसले के बाद 'आत्मरक्षा का अधिकार' आदिवासियों से छीन लिया गया, जबकि उस समय नक्सलवाद 'अपने आखिरी दौर' में था. उन्होंने कहा, यह सब सुप्रीम कोर्ट के दस्तावेज में है. उसी फैसले ने नक्सलवाद को दो दशक और जिंदा रखा.

शाह ने राधाकृष्णन का समर्थन किया

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के नाम का समर्थन करते हुए कहा कि यह स्वाभाविक है कि यह पद दक्षिण भारत के किसी व्यक्ति को मिले, क्योंकि राष्ट्रपति पूर्व से और प्रधानमंत्री उत्तर और पश्चिम से आते हैं. शाह ने कहा, उपराष्ट्रपति का पद दक्षिण भारत के किसी व्यक्ति को मिलना स्वाभाविक था क्योंकि राष्ट्रपति पूर्वी भारत से हैं और प्रधानमंत्री पश्चिम व उत्तर भारत से. जब उनसे पूछा गया कि एनडीए ने तमिलनाडु के नेता और आरएसएस स्वयंसेवक रहे सीपी राधाकृष्णन को क्यों चुना, तो शाह ने इन अटकलों को खारिज किया कि यह फैसला 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले तमिलनाडु में राजनीतिक लाभ लेने के मकसद से किया गया. शाह ने कहा, हम पहले भी तमिलनाडु में अपने सहयोगियों के साथ चुनाव लड़ चुके हैं और सीटें भी जीती हैं. अगर हम किसी को भी कहीं से नामित करते, तब भी ऐसे सवाल उठते. राधाकृष्णन का लंबा राजनीतिक जीवन रहा है. वह दो बार सांसद रहे हैं. वह पार्टी के तमिलनाडु अध्यक्ष रहे. वह झारखंड, तेलंगाना, पुडुचेरी और महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे हैं. उन्होंने सार्वजनिक जीवन में साफ–सुथरी छवि बनाए रखी है. वह एक परिपक्व राजनेता हैं.

मेरी याचिका पर सुनवाई दो साल अटकी रही

विपक्ष द्वारा 130वें संविधान संशोधन विधेयक के विरोध के बीच शाह ने कहा कि सोहराबुद्दीन एनकाउंटर मामले में सीबीआई ने उन्हें समन जारी किया, तो उन्होंने समन मिलने के अगले ही दिन इस्तीफा दे दिया था. साथ ही जब तक इस मामले से बरी नहीं हो गए, तब तक कोई संवैधानिक पद नहीं लिया. मामला चलता रहा और फैसले में भी कहा गया कि यह प्रतिशोध का मामला था और मैं पूरी तरह से बेगुनाह था. फैसला बाद में आया, लेकिन मुझे बेल पहले मिल गई. इसके बावजूद मैंने शपथ नहीं ली. विपक्ष मुझे कौन सा नैतिकता का पाठ पढ़ाना चाहता है? यह पूछे जाने पर कि क्या जस्टिस आफताब आलम उनके घर आए थे हस्ताक्षर लेने? इस पर शाह ने इन आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि नहीं ऐसा नहीं हुआ था. जस्टिस आलम कभी मेरे घर नहीं आए. उन्होंने मेरी बेल पर रविवार के दिन सुनवाई की और कहा कि गृह मंत्री होने के नाते मैं गवाहों को प्रभावित कर सकता हूं, तब मेरे वकील ने कहा कि जब तक फैसला नहीं हो जाता, तब तक मेरे मुवक्किल गुजरात से बाहर रहेंगे. मैं दो साल बाहर रहा क्योंकि इतिहास में किसी की भी जमानत याचिका पर दो साल तक सुनवाई नहीं हुई, लेकिन जस्टिस आलम की कृपा से मेरी बेल पर दो साल सुनवाई चली. जबकि आमतौर पर जमानत याचिका पर 11 दिन में फैसला हो जाता है. विपक्ष भी 130वें संविधान संशोधन में जमानत के लिए 30 दिन के समय पर सवाल उठा रहा है.

ब्रीफ न्यूज

बिरसा-अटल की जयंती पर विशेष आयोजन

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश के तीन महान नेताओं सरदार वल्लभभाई पटेल, बिरसा मुंडा और पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती मनाने के लिए उच्च स्तरीय समितियों का गठन किया है. इन समितियों की अध्यक्षता पीएम नरेंद्र मोदी स्वयं करेंगे. यह निर्णय संस्कृति मंत्रालय की ओर से जारी तीन अलग-अलग अधिसूचनाओं के बाद सार्वजनिक हुआ है. सरदार पटेल और बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती तथा वाजपेयी की जन्म शताब्दी पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे.

झारखंड ट्रांसजेंडर बोर्ड की सदस्य बनीं श्वेता

रांची। धनबाद की श्वेता किन्नर को झारखंड ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड का सदस्य बनाया गया है. श्वेता किन्नर सोमवार को डीसी कार्यालय पहुंचीं और डीसी समेत जिले के वरीय अधिकारियों से मुलाकात कर आभार जताया. उन्होंने कहा कि वह इस जिम्मेदारी को सेवा और संघर्ष का अवसर मानती हैं. जिला प्रशासन के साथ मिलकर ट्रांसजेंडर समाज की समस्याओं के समाधान के लिए ठोस पहल की जाएगी. उन्होंने कहा कि ट्रांसजेंडर समाज को शिक्षा, रोजगार और सम्मानजनक जीवन का अधिकार दिलाना उनकी प्राथमिकता होगी.

बंगाल में छात्रा को घर में घुसकर मारी गोली

कोलकाता। बंगाल के कृष्णानगर में नीट परीक्षा की तैयारी कर रही कॉलेज छात्रा ईशिता मलिक की उसके ही घर में गोली मारकर हत्या कर दी गई. पुलिस ने 23 वर्षीय देबराज सिंह को संदिग्ध आरोपी बताया है. बताया जा रहा है कि वह ईशिता का दोस्त रह चुका है. पुलिस का कहना है कि 2023 में शुरू हुआ रिश्ता हाल के महीनों में टूट गया था, जिसके बाद ईशिता ने आरोपी से बातचीत बंद कर दी थी. ईशिता ने 2023 में विक्टोरिया कॉलेज में दाखिला लिया था, लेकिन उसने नीट की तैयारी के लिए इसे स्थगित कर दिया था. वह जल्द ही मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेने वाली थी.

मानसून सत्र : विपक्ष का बहिष्कार, प्रथम अनुपूरक पास, वित्त मंत्री ने कहा

हमारा वित्तीय प्रबंधन मजबूत पैसे की कोई कमी नहीं होगी

शुभम संदेश। रांची

सोमवार को विपक्ष के बहिष्कार के बीच 4296 करोड़ रुपए का प्रथम अनुपूरक बजट विधानसभा से पास हो गया. विपक्ष के बहिष्कार के कारण सत्ता पक्ष को पूरा गोल पोस्ट खाली मिला. केवल जदयू विधायक सरयू राय ही विपक्षी सदस्य के रूप में सदन में उपस्थित रहे. उन्होंने एक-दो सवाल खड़ा किए. वित्त मंत्री और सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया. सरयू राय का कहना था कि वित्त विभाग का मूल बजट 342 करोड़ रुपए का है. प्रथम अनुपूरक में 835 करोड़ रुपए का प्रावधान किए गए हैं. इसी तरह स्वास्थ्य विभाग का मूल बजट 1381 करोड़ रुपए का है, जबकि प्रथम अनुपूरक में उसके लिए 448 करोड़ रुपए का प्रावधान क्यों करना पड़ा. उनके कहने का मूलभाव यही था कि मूल से सूद कहीं अधिक है. इसके अलावा राज्य सरकार प्रथम अनुपूरक बजट में राशि की मांग करने के बदले आकस्मिकता निधि में जमा करोड़ों की राशि खर्च क्यों नहीं करती. सरकार वित्तीय अनुशासन की बात करती है, लेकिन विभिन्न विभागों, प्रमंडलों, जिलों से लेकर प्रखंड तक एक बड़ी राशि जमा है. उसका उपयोग नहीं हुआ है.

मंईयां सम्मान योजना फ्री बी नहीं : सरकार के जवाब में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार का वित्तीय प्रबंधन बहुत मजबूत है. इसी का परिणाम है कि वर्तमान वित्तीय वर्ष के साढ़े चार महीने में हम पिछले वर्ष की तुलना में लगभग तीन फीसदी अधिक राशि खर्च की है. इसी तरह इसी अवधि में हमने राजस्व संग्रहण में भी इजाफा किया है. उन्होंने बताया कि 2010-11 से पीएल खाते में लगभग 22 हजार करोड़ की राशि जमा थी. उसमें से सरकार ने लगभग चार हजार करोड़ राजकोष में जमा कराया. किशोर ने बार बार दुहराया कि गरीबों के चेहरे पर खुशी लाने के लिए सरकार कृत संकल्प है. मंईयां सम्मान योजना फ्री बी नहीं है. यह महिलाओं का सम्मान है. इस राशि से महिलाएं सुखी, संपन्न और मजबूत हो रही है. उन्होंने बार बार दुहराया कि मंईयां सम्मान योजना या राज्य संपोषित योजनाओं के लिए राशि की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी.वित्त मंत्री ने कहा कि आरबीआई, योजना आयोग के निदेशों व अन्य शर्तों के अनुसार 18000 करोड़ तक बाजार से उधार ले सकते हैं. लेकिन हमारी वित्तीय स्थिति इतनी मजबूत है कि हम न उधार लिए हैं और ऋण. उन्होंने केंद्र पर पैसे देने में भेदभाव का भी आरोप लगाया. कहा कि अब तक अनुदान की 70 फीसदी राशि ही मिली है. केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी समय पर नहीं मिल रही है. अगर केंद्र सरकार का सहयोग मिले तो हेमंत सरकार झारखंड को विकास के उच्च पायदान पर लाने में सक्षम हैं.

अति वृष्टि से प्रभावित किसानों के लिए सरकार कर सकती है विशेष घोषणा : राधाकृष्ण किशोर ने बताया कि मानसून सत्र किसानों को समर्पित होगा. अति वृष्टि से भदई और तेलहन फसलों को भारी नुकसान हुआ है. राज्य में अब तक जहां औसतन 700 मिलीमीटर बारिश होती थी, अब तक 950 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है. मंगलवार को सदन में अति वृष्टि पर दो घंटे की चर्चा होगी. उम्मीद की जा रही है कि चर्चा के बाद सरकार अति वृष्टि से प्रभावित किसानों के लिए सहायता की घोषणा कर सकती है.

विधानसभा में हंगामा : इससे पहले सरकार की ओर से सदन में लाए गए अनुपूरक बजट सदन में हंगामा हुआ. भाजपा के विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी और राज सिन्हा ने कटौती का प्रस्ताव रखा. राज सिन्हा ने अनुपूरक बजट में 10 रुपए के कटौती की मांग की, जिसे विधानसभा अध्यक्ष ने अमान्य कर दिया. इसके बाद विपक्ष ने सदन से वाकआउट कर दिया.

मुख्यमंत्री विधानसभा से निकल कर पहुंच गए स्मार्ट सिटी के निर्माणाधीन कन्वेंशन सेंटर को देखने

झारखंड विधानसभा में सीएजी रिपोर्ट पेश, कई बड़े खुलासे

कई विभागों ने खर्च नहीं की बजट की 23% राशि

शुभम संदेश। रांची

झारखंड विधानसभा में सोमवार को नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट पेश की गयी. रिपोर्ट में यह खुलाशा हुआ कि राज्य की हेमंत सोरेन सरकार के विभिन्न विभागों ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान बजट की 23.14 प्रतिशत खर्च ही नहीं किए. विधानसभा में पेश सीएजी की रिपोर्ट में कहा गया है कि एक लाख 41 हजार 498.79 करोड़ रुपये के कुल प्रावधानों में से एक लाख आठ हजार 754.44 करोड़ रुपये विभागों द्वारा खर्च किए गए. वहीं, वर्ष 2022-23 के दौरान 57 मामलों में 13 हजार 499.10 करोड़ रुपये के पूरक प्रावधान (प्रत्येक मामले में 0.50 करोड़ रुपये से अधिक) अनावश्यक साबित हुआ, क्योंकि व्यय मूल प्रावधानों के स्तर तक भी नहीं आया था.

रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य का समग्र ऋण-जीएसडीपी (सकल राज्य घरेलू उत्पाद) अनुपात जो 2019-20 में 30.42 प्रतिशत से बढ़ कर 2020-21 में जीएसडीपी का 36.23 प्रतिशत हो गया था. यह 2021-22 से घटता रहा और 2023-24 में पांच साल के निचले स्तर 27.68 प्रतिशत पर पहुंच गया. वर्ष 2023-24 में एक विनियोग (धन का आवंटन) के तहत 268.02 करोड़ का अतिरिक्त खर्च हुआ था. इसे नियमित करने की जरूरत थी. इसके अलावा, वित्त वर्ष 2001-02 से 2022-23 से संबंधित 3.778.41 करोड़ रुपये के अलावा अतिरिक्त संवितरण (किसी विशेष धन या निधि से पैसे का भुगतान करना) को अभी नियमित किया जाना है.

रिपोर्ट के अनुसार गैर-प्रतिबद्ध व्यय के भीतर 2023-24 में सब्सिडी 4,831 करोड़ रुपए थी. यह कुल राजस्व व्यय का 6.30 प्रतिशत थी. वहीं 2023-24 के दौरान ऊर्जा पर सब्सिडी, कुल सब्सिडी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा (48 प्रतिशत) थी. सीएजी की रिपोर्ट में कहा गया है कि निर्धारित समय अवधि के भीतर सहायता अनुदान के विरुद्ध उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा करने की आवश्यकता के बावजूद, 31 मार्च 2024 तक एक लाख 33 हजार 161.50 करोड़ रुपए के 47,367 उपयोगिता प्रमाण पत्र लंबित थे. इसी प्रकार से संक्षिप्त आकस्मिक (एसी) बिल के माध्यम से निकाले गए अग्रिम धन के विरुद्ध विस्तृत आकस्मिक (डीसी) बिल जमा करने की जरूरत के बावजूद, 31 मार्च 2024 तक चार हजार 891.72 करोड़ रुपए के 18,011 एसी बिल के विरुद्ध डीसी बिल लंबित थे. रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि झारखंड में 32 एसपीएसई (तीन गैर-कार्यशील सरकारी कंपनियां) थीं. 31 अक्टूबर 2024 तक 30 एसपीएसई, जिनके 107 खाते बकाया थे. इन कंपनियों द्वारा वित्तीय विवरण प्रस्तुत करने के संबंध में निर्धारित समय-सीमा का पालन नहीं किया गया.

हाईकोर्ट ने सीआईसी का आदेश किया खारिज, कहा

प्रधानमंत्री मोदी की डिग्री नहीं हो पाएगी सार्वजनिक

एजेंसियां। नयी दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को फैसला सुनाते हुए कहा कि दिल्ली यूनिवर्सिटी पीएम मोदी की ग्रेजुएशन की डिग्री का

विवरण पब्लिक करने को बाध्य नहीं है. इसके साथ ही कोर्ट ने केंद्रीय सूचना आयुक्त के डिग्री जारी करने के आदेश को खारिज कर दिया है.

साल 2016 में, केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने 1978 में बीए का एग्जाम पास करने वाले सभी छात्रों के रिकॉर्ड की जांच की अनुमति दी थी, और कहा जाता है कि उस वक्त पीएम मोदी ने भी यह एग्जाम पास किया था. दिल्ली विवि ने सीआईसी के इस आदेश को चुनौती दी थी, जिस पर जनवरी 2017 में पहली सुनवाई के दिन रोक लगा दी गई थी.

निजता का अधिकार ज्यादा अहम : सुनवाई के दौरान, विवि की ओर से एसजी तुषार मेहता ने तर्क दिया कि सीआईसी के आदेश को रद्द कर देना चाहिए क्योंकि निजता का अधिकार जानने के अधिकार से ज़्यादा अहम है. हालांकि, विवि ने कोर्ट को बताया कि वह मोदी की डिग्री कोर्ट के समक्ष पेश करने को तैयार है, लेकिन आरटीआई के तहत अजनबियों द्वारा जांच के लिए उन्हें पब्लिक नहीं किया जा सकता है.

यूनिवर्सिटी ने क्या तर्क दिया : डीयू ने तर्क दिया कि वह छात्रों की जानकारी को नैतिक दायित्व के मुताबिक सुरक्षित रखता है और जनहित के अभाव में केवल जिज्ञासा के आधार पर, आरटीआई कानून के तहत निजी जानकारी मांगने का औचित्य नहीं बनता. विवि ने तर्क दिया, "धारा 6 में यह अनिवार्य प्रावधान है कि जानकारी देनी होगी, यही मकसद है, लेकिन आरटीआई अधिनियम किसी की जिज्ञासा को शांत करने के लिए नहीं है." हालांकि, विश्वविद्यालय की तरफ से अदालत को बताया गया कि वह प्रधानमंत्री मोदी के डिग्री रिकॉर्ड अदालत में पेश करने को तैयार है, लेकिन आरटीआई अधिनियम के तहत 'अजनबियों द्वारा जांच' के लिए उन्हें पब्लिक नहीं कर सकता.

नवरात्रि से पहले जीएसटी में बड़ा बदलाव

अब सिर्फ 2 स्लैब, आम आदमी को मिलेगी राहत

एजेंसियां। नयी दिल्ली

केंद्र सरकार ने जीएसटी ढांचे में बड़ा सुधार करने का मन बना लिया है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद 3-4 सितंबर को दिल्ली में बैठक करेगी, जिसमें देश के कर ढांचे को पूरी तरह बदलने वाले नए प्रस्तावों पर मुहर लगाई जाएगी. सूत्रों के मुताबिक, नई दो-स्लैब प्रणाली को 22 सितंबर में लागू किया जा सकता है, जो नवरात्रि से मेल खा सकता है. इसका उद्देश्य मांग को प्रोत्साहित करना और जनता को टैक्स में राहत देना है.

क्या बोले प्रधानमंत्री : पीएम नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले से घोषणा की थी कि जीएसटी 2.0 देश की अगली पीढ़ी की कर व्यवस्था होगी, जो किसानों, मध्यम वर्ग, व्यापारियों और एमएसएमई को राहत देगी. उन्होंने इसे 2017 में लागू जीएसटी के बाद सबसे बड़ा सुधार करार दिया.

क्या होगा नया जीएसटी ढांचा

- वर्तमान में चार स्लैब प्रणाली (5%, 12%, 18%, 28%) लागू है.
- केंद्र सरकार ने प्रस्ताव दिया है कि अब सिर्फ दो मुख्य स्लैब – 5% और 18% होंगे.
- इसमें 'मेरिट' और 'स्टैंडर्ड' श्रेणियों में वस्तुओं और सेवाओं को वर्गीकृत किया जाएगा.
- 40% का विशेष टैक्स केवल अल्ट्रा–लग्जरी कारों और 'सिन गुड्स' पर लगेगा.
- रोज़गार–केंद्रित उत्पादों पर 0.1%, 0.3%, या 0.5% की रियायती दरें जारी रहेंगी.

नया खतरा : अमेरिका के मैरीलैंड से आई लोगों को बेहद डराने वाली खबर

इंसान में पाए गए खतरनाक स्क्रूवर्म वायरस

शुभम संदेश डेस्क

अमेरिका में न्यू वर्ल्ड स्क्रूवर्म (मांस खाने वाला परजीवी) का मामला सामने आया है. इस बारे में अमेरिकी स्वास्थ्य एवं ह्यूमन सर्विस डिपार्टमेंट ने जानकारी दी है. खबर के सामने आते ही किसानों, मांस उत्पादकों और व्यापारियों के बीच हड़कंप मच गया है. एचएचएस के प्रवक्ता एंड्रयू जी. निक्सन ने रॉयटर्स को भेजे एक ईमेल में बताया कि इस मामले की जांच मैरीलैंड स्वास्थ्य विभाग और अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र द्वारा की गई थी, जिसकी पुष्टि 4 अगस्त को सीडीसी द्वारा न्यू वर्ल्ड स्क्रूवॉर्म के रूप में की गई थी. उन्होंने बताया कि ये मामला ऐसे व्यक्ति से

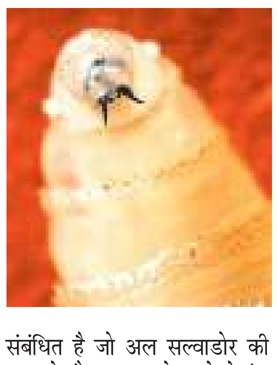

संबंधित है जो अल सल्वाडोर की यात्रा से लौटा था. इससे पहले गोमांस उद्योग के सूत्रों ने पिछले हफ्ते दावा किया था कि सीडीसी ने मैरीलैंड में एक व्यक्ति में न्यू वर्ल्ड स्क्रूवर्म के मामले की पुष्टि की थी जो ग्वाटेमाला से अमेरिका यात्रा करके लौटा था.

बीफ अलायंस ने लिखा ईमेल

बीफ एलायंस के कार्यकारी ने अपने ईमेल में कहा गया कि मरीज की गोपनीयता के कारण इस मामले के बारे में कोई अन्य जानकारी उपलब्ध नहीं है, लेकिन रोगी का इलाज किया गया है. टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय के एक पशुधन अर्थशास्त्री को मैक्सिकन मवेशियों के लिए सीमा बंद करने के उद्योग पर प्रभावों के बारे में रॉलिन्स के लिए एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया था जो नवंबर से स्क्रूवर्म के आगमन को रोकने के लिए लागू है. सीडीसी को इस सकारात्मक मामले की सूचना मैरीलैंड स्वास्थ्य अधिकारियों और मैरीलैंड राज्य पशु चिकित्सक को देनी थी और अन्य कृषि हितधारकों को भी सूचित किया गया.

मवेशी पालकों की बढ़ी चिंताएं : इस खबर ने मवेशी पालकों, मांस उत्पादकों और व्यापारियों की चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि स्क्रूवर्म सेंट्रल अमेरिका और दक्षिणी मैक्सिको से आगे बढ़ रहा. इसको लेकर प्रशासन सतर्क है. यूएसडीए का अनुमान है कि स्क्रूवर्म के प्रकोप से टेक्सास में 1.8 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है. इस नुकसान में पशुओं की मौत, श्रम लागत और दवाओं का खर्च शामिल होगा. खतरे से निपटने के लिए यूएसडीए सचिव ब्रुक रोलिंस ने टेक्सास में एक स्टराइल फ्लाई फैसिलिटी बनाने की बात कही है. इसके अलावा साउथ डकोटा की राज्य पशु डॉक्टर बेथ थॉम्पसन ने रॉयटर्स को बताया कि उन्हें एक व्यक्ति के माध्यम से इस मामले की जानकारी मिली, जिसे सीधे इसका पता था. उन्होंने कहा कि सीडीसी ने सवालों को टालते हुए जिम्मेदारी मैरीलैंड पर डाल दी. उन्होंने कहा कि हमें ये अन्य रास्तों से पता चला और फिर हमें सीडीसी से पूछना पड़ा कि वास्तव में क्या हो रहा है. उन्होंने इसे वापस राज्य पर डाल दिया कि वे ही पुष्टि करें कि यात्री में क्या मिला. वहीं, एक अन्य सूत्र ने कहा कि राज्य पशु चिकित्सकों को सीडीसी के साथ कॉल के दौरान मैरीलैंड में मानव मामले के बारे में जानकारी दी गई.

ट्रंप के टैरिफ पर पीएम मोदी का बड़ा बयान

हम देश का अहित नहीं होने देंगे

एजेंसियां। अहमदाबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद के खोडलधाम मैदान में 5,400 करोड़ की लागत की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया. इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने ट्रंप के टैरिफ पर बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि आज दुनिया में सभी आर्थिक स्वार्थ वाली राजनीति, सब कोई अपना करने में लगा है उसे हम भलिभांति देख रहे हैं.

चाहे कितना भी दवाब क्यों न आए, हम अपनी ताकत बढ़ाएंगेः पीएम मोदी ने साफ किया कि देश के किसानों और पशुपालकों का हित उनके लिए सर्वोपरि है. उन्होंने कहा, मैं अपने लघु उद्यमियों, छोटे दुकानदारों, किसानों, पशुपालकों से कहूंगा, मैं गांधी की धरती से बोल रहा हूं, मेरे

देश के छोटे उद्यमी हों, किसान हों, पशुपालक हों, मोदी के लिए आपका हित सर्वोपरि है. मेरी सरकार छोटे उद्यमियों, किसानों, पशुपालकों का कभी अहित नहीं होने देगी. दबाव कितना ही क्यों न आए, हम झेलने की अपनी ताकत बढ़ाते जाएंगे.

विदेशी सामानों को बेचने से बचने की अपील: पीएम मोदी ने देश के लोगों से भारत में बने सामानों को प्राथमिकता देने की अपील की. उन्होंने कहा कि चाहे सजावटी सामान हों या उपहार, हम अपने देश में बने सामानों को खरीदें. पीएम ने बिजनेसमैन से विदेशी सामानों को बेचने से बचने की अपील की है.

दुनिया ने देखा कि भारत ने कैसे लिया बदला: ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, "दुनिया ने देखा है कि पहलगाम का बदला भारत ने कैसे लिया है. 22 मिनट में ही सफाचट. ऑपरेशन सिंदूर हमारी सेना के शौर्य और सुदर्शन चक्रधारी मोहन के भारत की इच्छाशक्ति का प्रतीक बन गया है. ये हमारा खून बहाते थे और दिल्ली में बैठी कांग्रेस सरकार कुछ नहीं करती थी, लेकिन आज आतंकवादियों और उनके आकाओं को हम छोड़ते नहीं, चाहे वो कहीं भी छुपे हों.

सीएजी की रिपोर्ट : झारखंड में फॉरेस्ट लैंड और वन्य जीव दोनों घटे

शुभम संदेश। रांची

महालेखाकार ने झारखंड विधानसभा में जो रिपोर्ट पेश की है, उसमें कहा गया है कि राज्य में वृक्षों वाले वन क्षेत्र (फॉरेस्ट लैंड) और वन्य जीव (वाइल्ड एनिमल) की संख्या में कमी दर्ज की गई है. इसके लिए विभाग में कर्मचारियों की कमी, फंड का उचित खर्च नहीं होना, समय पर काम पूरा नहीं किये जाने समेत अन्य वजहों को जिम्मेदार ठहराया गया है.

2017 के मुकाबले 2021 में वन क्षेत्र 2.60% घटे

महालेखाकार ने वर्ष 2017 से 2021 के बीच वृक्षों वाले फॉरेस्ट लैंड में कमी होने के तथ्यों को उजागर किया है. वर्ष 2017 के मुकाबले वर्ष 2021 में वन क्षेत्र में 2.60 प्रतिशत की कमी पायी गयी है. जबकि खाली पड़े फॉरेस्ट लैंड में 13.51 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है. इसी तरह निर्माण क्षेत्र में 22.35 प्रतिशत का इजाफा हुआ है. वन क्षेत्र में कमी की वजह फॉरेस्ट लैंड जैसे पारिस्थितिकी व संवेदनशील क्षेत्रों में क्षेत्रीय मास्टर प्लान के तहत काम ना होना, सुरक्षा की अपर्याप्त व्यवस्था और संरक्षण के उपायों पर काम नहीं करना है.

वन्य जीवों की आबादी में भी सुधार नहीं ऑडिट के दौरान महालेखाकार ने पाया है कि संक्षित वन क्षेत्रों में वन्य जीवों की आबादी में कोई सुधार नहीं हुआ है. क्योंकि इस दौरान जंगली जानवरों के लिए सुरक्षित व अछूते स्थान का निर्माण नहीं किया गया. साथ ही मांसाहारी जानवरों के शिकार में कमी और शाकाहारी जानवरों के लिए पर्याप्त चारागाह की व्यवस्था ना करना भी है.

पीटीआर में बाघ विलुप्त होने के कगार पर रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2000 से 2005 के बीच पलामू टाइगर प्रक्षेत्र (पीटीआर) में 34 से 46 बाघ थे, जो लगातार कम होते चले गए. वर्ष 2022 में केवल एक बाघ पाया गया. इसी प्रकार पीटीआर में अनुमानित शिकार आधार वर्ष 2012-13 में 85,666 था, जो वर्ष 2022-23 में कम होकर 4,411 हो गया. बाघों की कमी की वजह यही है. इस तरह पीटीआर में बाघों की आबादी विलुप्त होने के कगार पर है.

2018-19 में जंगली जानवरों की संख्या 38% घटी

आंकड़े के मुताबिक, वर्ष 2017-18 में वन्य जीवों की कुल संख्या 20,028 थी, जो वर्ष 2020-21 में घटकर 19,882 हो गई. ऑडिट के दौरान यह भी पाया गया कि वर्ष 2018-19 में जंगली जानवरों की संख्या में 7660 की कमी पायी गयी थी. यह कमी कुल जंगली जानवरों में 38 प्रतिशत की थी. लेकिन वर्ष 2020-21 में जंगली जावरों की संख्या में 64 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई. यानी 7778 जंगली जानवर बढ़े. आंकड़ों में बड़े पैमाने का यह अंतर बताता है कि जानवरों की गिनती करने में विभाग लापरवाह है.

पथ निर्माण व ग्रामीण विकास में खर्च हुए 41.10 करोड़ का लाभ आम लोगों को नहीं

रांची। महालेखाकार ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि पथ निर्माण विभाग और ग्रामीण विकास विभाग ने दो-दो योजनाओं पर करीब 41.10 करोड रुपये खर्च तो किया, लेकिन आम लोगों को इस खर्च का कोई लाभ नहीं मिला. पेश रिपोर्ट के मुताबिक पथ निर्माण की ऑडिट में यह पाया गया है कि सड़क चौड़ीकरण के लिए भूमि अधिग्रहण में विभाग के कार्यपालक अभियंता और भू-अर्जन पदाधिकारी के बीच समन्वय की कमी की वजह से 19.15 करोड़ रुपया का खर्च का कोई फायदा आम लोगों को नहीं मिला. इसी तरह पथ निर्माण विभाग ने दामोदार और गवई नदी पर दो पुल बनाने के लिए 15.09 करोड़ रुपये खर्च तो किया. पुल का निर्माण तो हो गया, पुल तक पहुंच पथ का निर्माण किया ही नहीं गया. क्योंकि इसके लिए भूमि का अधिग्रहण ही नहीं किया गया. इस तरह इन दोनों पुल के निर्माण पर हुए खर्च का कोई फायदा आम लोगों को नहीं मिला. ग्रामीण विकास विभाग की ऑडिट में महालेखाकार ने पाया है कि बोकारो जिला के चंदनकियारी प्रखंड में एक मॉल के लिए निर्मित भवन का कोई इस्तेमाल नहीं किया गया. इस तरह इसके निर्माण पर हुए 5.09 करोड़ रुपये के भुगतान का कोई लाभ आम लोगों को नहीं मिला.

इसी तरह ग्रामीण विकास विभाग में वेब आधारित एकाउंट प्रबंधन प्रणाली के लिए काम किया गया. इस पर 1.77 करोड़ रुपये का खर्च आया. लेकिन इसका इस्तेमाल नहीं हो पा रहा है.कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की ऑडिट में पाया गया है कि जनवरी से जून 2014 के बीच 16 शीतागार व छंटाई पर 3.67 करोड़ रुपया खर्च तो किया गया. लेकिन इसमें काम अब तक शुरु नहीं हुआ. इस खर्च का कोई लाभ आम लोगों को नहीं मिला. अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग ने जमशेदपुर जिला के धालभूमगढ़ प्रखंड में 50 बिस्तर वाला ग्रामीण अस्पताल का निर्माण कराया. इस पर कुल 1.55 करोड़ रुपया खर्च किया गया. तीन साल बीतने के बाद भी अस्पताल चालू नहीं किया गया है.

झारखंड विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने फाड़े पोस्टर

फर्जी एनकाउंटर बंद करो के लगे नारे सत्ता पक्ष के विधायक भी वेल में कूदे

शुभम संदेश। रांची

झारखंड विधानसभा के पूरक मानसून सत्र में सोमवार को दूसरे दिन सदन के अंदर विपक्ष ने जमकर हंगामा किया. 11:06 में सदन की कार्यवाही, लेकिन सिर्फ पांच मिनट के भीतर ही विपक्ष और सत्ता पक्ष दोनों वेल में आ गए. विधायकों ने नारेबाजी और पोस्टरबाजी शुरू कर दी. विपक्ष के विधायक कौन है जहां सूर्य हादसा एनकाउंटर कैसे को लेकर हंगामा किया वहीं सत्ता पक्ष के विधायकों ने 130 वें संविधान संशोधन का विरोध किया. स्पीकर रविंद्र नाथ महतो ने विधायकों से कई बार अपनी सीट पर जाने का आग्रह किया, लेकिन हंगामा जारी रहा. स्पीकर में हंगामा बढ़ता देख दोपहर 12:30 बजे तक के लिए सदन की कार्यवाही को स्थगित कर दी. 12:30 बजे दोबारा सदन की कार्यवाही शुरू हुई. विधायकों ने फिर हंगामा शुरू कर दिया और स्पीकर में सदन के कार्यवाही दोपहर 2:00 बजे तक के लिए स्थगित कर दी.

विपक्षी विधायक सूर्या हांसदा एनकाउंटर की सीबीआई जांच और नगड़ी रिम्स टू मामले में पुलिसिया कार्रवाई को लेकर सदन में सरकार से जवाब मांगते हुए आसन के सामने नारेबाजी करते रहे. इस दौरान बीजेपी विधायकों ने सदन में पोस्टर फाड़े और 'फर्जी एनकाउंटर बंद करो', 'लोकतंत्र की हत्या बंद करो' जैसे नारे लगाए. सत्ता पक्ष के विधायक भी पीछे नहीं रहे. वे 130 वें संविधान संशोधन का विरोध करते हुए वेल में उतरे और 'संविधान की हत्या बंद करो' के नारे लगाए.

विधानसभा में स्वास्थ्य विभाग की खुली पोल

बन्ना ने जान-बूझकर गैर सरकारी अयोग्य व्यक्ति की नियुक्ति करवाई

शुभम संदेश। रांची

झारखंड विधानसभा में सोमवार को राज्य के स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग ने यह स्वीकार किया कि तत्कालीन विभागीय मंत्री बन्ना गुप्ता ने जान-बूझ कर राहुल कुमार नामक गैर सरकारी व्यक्ति को झारखंड स्टेट फार्मेसी काउंसिल का प्रभारी निबंधक सह सचिव नियुक्त किया, जबकि वह इस पद के लिए अयोग्य थे.

यह जानकारी स्वास्थ्य विभाग ने जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय के अल्पसूचित प्रश्न के उत्तर में दी. विभाग ने बताया कि राहुल कुमार का फार्मासिस्ट निबंधन और ट्रिब्यूनल निबंधन झारखंड स्टेट फार्मेसी काउंसिल द्वारा अयोग्यता के कारण रद्द कर दिया गया है. इसके बावजूद, तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश पर योग्य सरकारी फार्मासिस्ट की सूची उपलब्ध होने के बावजूद, गैर सरकारी और अयोग्य राहुल कुमार को नियुक्त किया गया.

यह मामला विभागीय जांच में भी साबित हो गया है. जब विधायक सरयू राय ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की, तब स्वास्थ्य विभाग ने इस पर चुप्पी साध ली. विधायक सरयू राय ने सवाल किया कि अयोग्य गैर सरकारी फार्मासिस्ट को निबंधक सह सचिव नियुक्त करने के षड्यंत्र में शामिल दोषियों के विरुद्ध सरकार कब तक दंडात्मक कार्रवाई करेगी. इस प्रश्न के जवाब में सरकार ने केवल यह माना कि तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री द्वारा अयोग्य व्यक्ति की नियुक्ति की गई थी, लेकिन दोषियों पर कोई कार्रवाई करने की बात से सरकार ने पूरी तरह चुप्पी साध ली.

तीन बार सदन की कार्यवाही हुई स्थगित

भाजपा का वॉक आउट, धरे रह गए जनता के सवाल

शुभम संदेश रांची।

झारखंड विधानसभा के मॉनसून सत्र के दूसरे दिन हंगामा जारी रहा. हंगामे के कारण जनता के मुद्दों से जुड़ा प्रश्नकाल नहीं हो पाया. स्पीकर से सदन को चलाने की पूरी कोशिश की, लेकिन सूर्या एनकाउंटर और रिम्स टू प्रकरण पर विपक्ष का हंगामा जारी रहा. सोमवार को सदन कार्यवाही सुबह 11:06 में जैसे ही शुरू हुई. सूर्या एनकाउंटर और रिम्स टू को लेकर विपक्ष का हंगामा शुरू हो गया. हंगामे को देख स्पीकर ने सदन की कार्यवाही दोपहर 12:30 बजे तक के लिए स्थगित कर दी. फिर दोपहर 12:34 बजे सदन की कार्यवाही शुरू हुई, इस बार भी भाजपा विधायक वेल में घुस कर नारेबाजी करने लगे. इसे देख सत्ता पक्ष के विधायक भी वेल में आ गए. इसके बाद स्पीकर ने दोपहर दो बजे तक सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी. दोपहर दो बजे के बाद सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष का हंगामा जारी रहा. इसे देख स्पीकर ने सदन की कार्यवाही अपराह्न 3:30 बजे तक के लिए स्थगित कर दी. 3:30 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने के बाद भाजपा ने वॉकआउट किया.

सत्येंद्र नाथ तिवारी ने की गुरुजी से सूर्या हांसदा की तुलना

सदन में सत्ता पक्ष उबला, सदन बाधित

शुभम संदेश। रांची

सोमवार को झारखंड विधानसभा के पूरक मानसून सत्र सूर्या हांसदा और रिम्स टू की जमीन विवाद का भेंट चढ़ा. हालांकि विवाद, हंगामा और नारेबाजी के बीच राज्य सरकार ने अपना विधायी कार्य संपन्न कराया. पहले तो विपक्ष ने सदन की कार्यवाही प्रारंभ होने से पूर्व प्रवेश द्वार पर प्रदर्शन किया. सूर्या हांसदा एनकाउंटर की सीबीआई जांच कराने और रिम्स टू के लिए अधिग्रहित जमीन आदिवासियों को वापस करने की मांग की. फिर सदन की कार्यवाही जैसे ही प्रारंभ हुई विपक्ष इन मांगों को लेकर बेल में प्रवेश कर गया. सत्ता पक्ष के विधायक बेल में घुस आए. रिपोर्टिंग टेबल के दोनों ओर पक्ष और विपक्ष के विधायकों ने जमकर नारेबाजी की. स्पीकर रबींद्र नाथ महतो को सदन की कार्यवाही इस कारण दो-दो बार स्थगित की गयी.

विवाद फिर तब बढ़ा जब भाजपा विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने प्रथम अनुपूरक बजट पर पेश कटौती प्रस्ताव चर्चा के दौरान सूर्या हांसदा की तुलना गुरुजी से कर दी. उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु आदिवासियों को महाजनी प्रथा, हड़िया-दारू व अन्य कुरीतियों से मुक्ति दिलाने का प्रयास किया. राज्य सरकार भी गुरुजी के नक्शे कदम पर चलने की बात कहती है. लेकिन शराब बेच कर राजस्व प्राप्त करने के लिए बड़े बड़े होर्डिंग्स लगाए जा रहे हैं। उन्होंने इसी क्रम में आगे कहा कि सूर्या हांसदा भी गुरुजी के नक्शे कदम पर चल रहा था. आदिवासियों की लड़ाई लड़ रहा था. इसके बाद सत्ता पक्ष के विधायक उताबले हो गए. बेल में घुस आए. कुछ देर तक बेल में पक्ष-विपक्ष के सदस्य नारेबाजी करते रहे.

अपराधी से गुरुजी की तुलना दुर्भाग्यपूर्णः राधाकृष्ण किशोर

रांची। संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि एक अपराधी प्रवृत्ति के व्यक्ति की तुलना गुरुजी से करना दुर्भाग्यपूर्ण है. उन्होंने सत्येंद्र नाथ तिवारी के बयान को कार्यवाही से बाहर करने की भी मांग की.

हेमलाल मुर्मू ने सूर्या हांसदा को अपराधी बताया: हेमलाल मुर्मू का कहना था कि सूर्या हांसदा प्रकरण को भाजपा हॉट केक के रूप में प्रस्तुत कर रही है. लेकिन वह अपराधी था. उस पर 25 से अधिक मुकदमे थे. हांसदा के मुद्दे को लेकर भाजपा आदिवासी कार्ड खेल रही है. अपराधी न हिंदू होता है न मुसलिम. न आदिवासी. अपराधी, अपराधी होता है.

सीबीआई केंद्रीय एजेंसी जांच करा ले भाजपाः राधाकृष्ण किशोर द्वितीय पाली में जब अनुपूरक बजट पर चर्चा प्रारंभ होनेवाली थी, भाजपा विधायक नवीन जायसवाल ने सूर्या हांसदा एनकाउंटर की सीबीआई जांच और रिम्स टू की जमीन आदिवासियों को वापस करने की मांग करने लगे. इस पर वित्त सह संसदीय कार्यमंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि राज्य सरकार सीबीआई जांच करा सकती है. हाईकोर्ट भी आदेश दे सकता है. लेकिन सीबीआई भी स्वतः संज्ञान लेकर जांच कर सकती है. सीबीआई केंद्रीय एजेंसी है, भाजपा क्यों नहीं खुद सीबीआई जांच करा लेती है.

कोर्ट का फैसला आने तक कोई अपराधी नहीं होता, गुरुजी भी तिहाड़ गए थेः बाबूलाल मरांडी

प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी का कहना था कि राजनीतिक क्षेत्र में काम करनेवाले लोगों पर कई केस होते हैं. सूर्या हांसदा चार चार बार चुनाव लड़े. दिशोम गुरु शिबू सोरेन पर भी कई तरह के मुकदमे हुए. उन्हें तिहाड़ जेल भी जाना पड़ा. सीबीआई जांच करा लीजिए, दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा. किसी पर मुकदमा हो गया है तो उसे हम दोषी नहीं करार सकते. हम न्यायाधीश नहीं हैं.

झारखंड प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन

स्वयंसेवकों ने लिया आजीवन सेवा का संकल्प

शुभम संदेश। रांची

झारखंड प्रदेश कांग्रेस सेवा दल का तीन दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शिविर राजधानी रांची के नामकुम बगीचा में संपन्न हुआ. समापन समारोह के मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के अध्यक्ष सतीश पॉल मुंजनी एवं अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष केदार पासवान रहे. दोनों ने संयुक्त रूप से शिविर का समापन किया और प्रतिभागी स्वयंसेवकों को प्रमाणपत्र प्रदान किए.कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवा दल की कार्यकारी अध्यक्ष ज्योति कुजूर ने की, जबकि संचालन संजय रावत ने किया.

तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में राज्य भर से आए स्वयंसेवकों ने भाग लिया.

सेवा दल एक सामाजिक विद्यालय है

अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष केदार पासवान ने कहा कि सेवा दल केवल राजनीतिक प्रशिक्षण का केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकारों का एक विद्यालय है. इसका हर स्वयंसेवक समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए तैयार होता है. उन्होंने महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली से आए अनुभवी प्रशिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर राज्य के सभी प्रमंडलों में भी आयोजित किए जाने चाहिए. शिर में में तारामणि साहू सहित सभी जिलों से आए स्वयंसेवकों ने जोश और उत्साह के साथ भाग लिया और समाज एवं राष्ट्र की सेवा के लिए जीवन भर समर्पित रहने का संकल्प लिया.

- **कांग्रेस सेवा दलः संघर्ष, सेवा और बलिदान का प्रतीक**

मुख्य अतिथि सतीश पॉल मुंजनी ने कहा कि कांग्रेस सेवा दल देश की आज़ादी के आंदोलन से लेकर आज तक सेवा, संघर्ष और बलिदान की परंपरा का वाहक रहा है. उन्होंने कहा कि आज जब देश में लोकतंत्र और संविधान पर हमले हो रहे हैं, सेवा दल का हर कार्यकर्ता इन्हें बचाने के लिए मजबूत दीवार बनकर खड़ा रहेगा. कांग्रेस की राजनीति जोड़ने की है, तोड़ने की नहीं. सेवा दल समाज के गरीब, मजदूर, किसान, दलित और आदिवासी की सशक्त आवाज बनने का कार्य करता है.

ट्रेनिंग में आठ में सात डीएसपी और कारा अधीक्षक पास

रांची। झारखंड पुलिस अकादमी, हजारीबाग में हुई परीक्षा में आठ अधिकारियों में से सात ने सफलता हासिल की है. परीक्षा के माध्यम से सीधे नियुक्त हुए थे और झारखंड प्रशिक्षण निदेशालय द्वारा संचालित बुनियादी प्रशिक्षण के पहले सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा में शामिल हुए थे. यह परीक्षा 13 मई 2025 को आयोजित की गई थी. इस परीक्षा में सात अधिकारियों ने सफलता प्राप्त की है, जिनमें चार डीएसपी और तीन कारा अधीक्षक शामिल हैं. **पास होने वाले डीएसपी हैं :** अमित कुमार, मृत्युंजय राम, लखन बरनवाल, बिरजू कुमार मेहता, **कारा अधीक्षक पद पर पास होने वाले अधिकारी हैं :** गोपाल चंद्र महतो, कौशिक कुमार, नील प्रवीण कुल्लू, परमेश्वर भगत, **फेल हुए डीएसपीः** डीएसपी बिरजू कुमार मेहता सुपरविजन विषय में फेल हो गए.

आज झारखंड विधानसभा का घेराव युवा करेंगे अब आर-पार की लड़ाई

शुभम संदेश। रांची

झारखंड जनाधिकार महासभा मंगलवार को झारखंड विधानसभा का घेराव करेगी. महासभा द्वारा जारी प्रेस बयान के मुताबिक, विधानसभा घेराव में सभी जिलों के छात्र व युवा भाग लेंगे. नई स्थानीय नीति, शिक्षा और रोजगार महासभा की मांग है. महासभा ने कहा है कि अब आर-पार की लड़ाई लड़नी होगी. इसके अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है. जारी बयान में कहा गया है कि राज्य गठन के 25 साल बीतने के बाद भी राज्य के युवा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सम्मानजनक रोजगार से वंचित हैं. यही कारण है कि राज्य के युवा पलायन कर रहे हैं. सरकार के रवैया से झारखंड के युवा अन्याय के शिकार बन रहे हैं.

महासभा की 7 मांगें

- रघुवर सरकार की स्थानीय नीति को रद्द कर मूल गांव आधारित नीति बनाई जाये.
- स्थायी व विवादमुक्त नियोजन नीति बने.
- सभी रिक्त पदों पर नियुक्ति में स्थानीय को प्राथमिकता मिले.
- अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग व महिलाओं को बढ़ा हुआ आरक्षण मिले.
- भूमिहीन दलितों को जाति प्रमाण पत्र और जमीन देने के लिए शिविर लगायी जाये.
- पलायन रोकने के लिए सामाजिक सुरक्षा, कौशल विकास व मजदूरों के अधिकार के लिए नीति बने.
- शोध और उच्च शिक्षा संस्थानों में स्थानीय युवाओं की भागीदारी के लिए विशेष नीति बनायी जाये.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, मंगलवार 26 अगस्त 2025 | भाद्रपद शुक्ल पक्ष 03, संवत 2082 | रांची एवं पटना से प्रकाशित | वर्ष : 3, अंक : 139 | मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

स्वर्णरेखा और खरकई नदी का जलस्तर खतरे के निशान के ऊपर, प्रशासन अलर्ट

शुभम संदेश। जमशेदपुर

शहर से होकर गुजरने वाली स्वर्णरेखा और खरकई नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है. यह अब भी खतरे के निशान से ऊपर बना हुआ है. इससे निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है और प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है. सोमवार को स्वर्णरेखा नदी का जलस्तर मानगो पुल स्थल पर 122.46 मीटर दर्ज किया गया है, जबकि इसका खतरे का निशान 121.50 मीटर है. इसी प्रकार, खरकई नदी का जलस्तर आदित्यपुर पुल स्थल पर 131.00 मीटर पर पहुंच गया है, जबकि इसका खतरे का निशान 129.00 मीटर है. दोनों नदियों में जलस्तर बढ़ने का सिलसिला अभी थमा नहीं है, जिससे प्रशासन की चिंता बढ़ गई है. स्थिति

की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीम पूरी तरह से अलर्ट मोड में हैं. संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ा दी गई है और स्थानीय लोगों से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करें.

प्रशासन द्वारा निचले इलाकों में मुनादी : डुगडुगी बजाकर कर लोगों को सतर्क किया जा रहा है और आपातकालीन स्थिति के लिए राहत एवं बचाव दलों को तैयार रखा गया है. यदि जलस्तर इसी तरह बढ़ता रहा, तो निचले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया जा सकता है. स्थानीय प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे नदी के किनारे जाने से बचें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत टोल फ्री नंबर या स्थानीय प्रशासन से संपर्क करें। साथ ही, बच्चों और बुजुर्गों की विशेष देखभाल करने की सलाह दी गई है. बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सभी नागरिकों को सतर्क और सुरक्षित रहने की आवश्यकता है. स्थिति पर प्रशासन की पैनी नजर बनी हुई है और हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं कि किसी भी तरह की जनहानि न हो.

मकान ढहा, मलबे में दबने से वृद्धा की मौत

संवाददाता । चाईबासा

पश्चिम सिंहभूम जिले के सारंडा क्षेत्र के छोटानागरा पंचायत स्थित छोटाजामकुंडिया गांव में भारी बारिश के बीच दीवार गिरने से उसके मलबे दबकर गंभीर रूप से घायल हुई महिला की सोमवार को मौत हो गयी. मृतका के परिजनों ने घटना को प्राकृतिक आपदा बताते हुए प्रशासन से मुआवजे की मांग की है. दरअसल, रविवार को भारी बारिश के कारण यह दर्दनाक हादसा हो गया. यहां एक कच्चे मकान की मिट्टी की दीवार अचानक ढह गई, जिसमें 60 वर्षीय सन्मइत कुम्हार मलबे में दबकर गंभीर रूप से घायल हो गईं और इलाज के दौरान सोमवार को राउरकेला के एक अस्पताल में उनकी मौत हो गई.

मृतका गंगदा पंचायत के मुखिया सुखराम उर्फ राजू शांडिल की सास थीं. मुखिया ने बताया कि घटना के वक्त इनकी सास घर में बैठी थीं, तभी मिट्टी की दीवार भरभराकर गिर गई. परिवार के लोगों ने तुरंत मलबा हटाकर उन्हें बाहर निकाला और गंभीर अवस्था में इलाज के लिए मनोहरपुर अस्पताल पहुंचाया. वहां से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें राउरकेला रेफर कर दिया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया. मुखिया राजू शांडिल ने इस घटना को प्राकृतिक आपदा बताते हुए प्रशासन से सरकारी प्रावधानों के तहत मृतका के आश्रितों को मुआवजा देने की मांग की है.

हजारीबाग : जुलजुल पहाड़ी की खूबसूरती पर गंदगी का साया

अब ग्रामीण खुद संभालेंगे सफाई की कमान

शुभम संदेश। हजारीबाग

बरसात के दिनों में कश्मीर के पहलगाम जैसी खूबसूरती का अहसास कराने वाली हजारीबाग की जुलजुल यानी सीतागढ़ पहाड़ी अब गंदगी और असामाजिक गतिविधियों से बदहाल हो चुकी है. शराब की बोतलें, प्लास्टिक और कचरे के ढेर ने इस पर्यटन स्थल की खूबसूरती बिगाड़ दी थी. लेकिन अब ग्रामीणों ने कमान संभाल ली है. हजारीबाग जिले की जुलजुल पहाड़ी, जिसे स्थानीय लोग सीतागढ़ भी कहते हैं, पर्यटकों का प्रमुख आकर्षण है. कन्हरी हिल के बाद दूसरा बड़ा पर्यटन स्थल मानी जाने वाली यह पहाड़ी बारिश के मौसम में हरियाली और प्राकृतिक नजारों से सजी रहती है. लेकिन हाल के दिनों में यहां गंदगी का अंबार लग गया. शराबखोरी, प्लास्टिक और तोड़फोड़ ने इस स्थल की छवि धूमिल कर दी. टूटी बोतलों से चरवाहों और मवेशियों को चोट लगना आम हो गया था.

ग्रामीणों ने कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से शिकायत की, मगर जब सुनवाई नहीं हुई तो ग्रामीण खुद मैदान में उतर आए. रविवार को ग्रामीणों ने पहाड़ी पर सफाई अभियान चलाया. बड़ी मात्रा में प्लास्टिक और शराब की टूटी बोतलें इकट्ठी कर पहाड़ी को चमका दिया. ग्रामीणों ने कहा कि हमने समिति बना ली है. अब पहाड़ी की देखरेख हम करेंगे. प्लास्टिक और गंदगी पर रोक लगेगी. नशाखोरी करने वालों पर सख्त जुर्माना होगा. बैठक में यह भी तय हुआ कि पर्यटकों के प्रवेश से पहले चेकिंग होगी. पार्किंग के लिए एक तय स्थान बनाया जाएगा और सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखी जाएगी. ग्रामीणों ने प्रशासन से यहां नियमित पेट्रोलिंग की भी मांग की है. जुलजुल पहाड़ी की खूबसूरती बचाने की जिम्मेदारी अब ग्रामीणों ने खुद उठा ली है. सवाल यह है कि जब ग्रामीण अपने स्तर से पर्यटन स्थल की रक्षा कर सकते हैं तो क्या प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधि इस दिशा में गंभीर पहल करेंगे?

बिजली तार की चपेट में आने से किसान की मौत

लोहरदगा। विद्युत प्रवाहित तार की चपेट मे आने से खेत में काम कर रहे किसान की सोमवार को मौत हो गयी. जानकारी के अनुसार किसान जिस खेत में काम कर रहा था, उसी के समीप विद्युत प्रवाहित 11 हजार वोल्ट का तार टूट कर गिरा हुआ था. आसपास करंट प्रवाहित हो रहा था. बताया जाता है कुडू प्रखंड के चंदलासो गांव निवासी किसान भोला उरांव खक्सी गाढ़ा खेत में काम करने गया था. खक्सी गाढ़ा के समीप 11 हजार वोल्ट का विधुत तार टूट कर पहले से गिरा हुआ था तथा करंट प्रवाहित हो रहा था. नदी के दूसरे छोर पर जैसे ही भोला उरांव पार किया. करंट की चपेट में आ गया तथा मौके पर ही उसकी मौत हो गई. इसके बाद शव नदी में गिर गया. इसकी सूचना समीप में काम कर रहे किसानों को मिली. इसके बाद लाइन को बंद कराया गया. स्थानीय लोगों ने नदी में गिरे शव को निकाला. इसकी सूचना कुडू पुलिस को दी. मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल भेज दिया.

मालगाड़ी की चपेट में आने से युवक की मौत

चाईबासा। पश्चिम सिंहभूम जिला स्थित चाईबासा शहर में रेल दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है. सोमवार सुबह चाईबासा रेलवे स्टेशन से करीब 600 मीटर दूर ओवरब्रिज के नीचे, जेएमपी चौक के पास एक 25 वर्षीय युवक की मालगाड़ी से कटकर मौत हो गई. मृतक की पहचान बस स्टैंड रोड निवासी सूरज लोहार के रूप में की गई है. स्थानीय लोगों के अनुसार घटना सुबह करीब 6:00 से 6:30 बजे के बीच की है. आशंका जताई जा रही है कि सूरज शौच के लिए निकला था और तभी गुजर रही मालगाड़ी की चपेट में आ गया. प्रत्यक्षदर्शियों में एक महिला ने बताया कि मृतक की सुनने की क्षमता कमजोर थी, संभवतः इसी कारण वह ट्रेन की आवाज नहीं सुन सका और हादसे का शिकार हो गया. घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए चाईबासा सदर अस्पताल भेज दिया. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. गौरतलब है कि यह स्थान अब दुर्घटना-प्रवण क्षेत्र बन गया है. विगत 11 अगस्त को बरकंदज टोली निवासी अजीत टोप्पो की मौत इसी जगह मालगाड़ी से कटकर हुई थी. इसके बाद 22 अगस्त को एक अज्ञात व्यक्ति की भी मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत हो गई थी. और अब सूरज लोहार की यह तीसरी मौत है.

अटकलबाजी: हेमंत की अमित शाह ने की जम कर तारीफ

राज्य में विपक्षी भाजपा के लिए नई चुनौती या रणनीति?

शुभम संदेश। रांची

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान ने झारखंड की सियासत में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है. एक न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में शाह ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सराहना करते हुए उन्हें लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक प्रक्रिया का प्रतीक बताया. शाह ने कहा कि सोरेन ने भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दिया, कोर्ट से बरी हुए और फिर 2024 के उपचुनाव में जनता का समर्थन हासिल कर दोबारा मुख्यमंत्री बने, यह लोकतंत्र की शक्ति को दर्शाता है.

गौरतलब है कि हाल ही में अमित शाह और हेमंत सोरेन रांची में आयोजित पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में एक मंच पर नजर आए थे. उस मुलाकात के कुछ ही समय बाद शाह का यह बयान सामने आना कई मायनों में अहम माना जा रहा है. यह बयान इसलिए भी खास माना जा रहा है, क्योंकि यही अमित शाह 2024 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान साहिबगंज और दुमका की रैलियों में सोरेन सरकार को सबसे भ्रष्ट करार दे चुके थे. उस समय शाह ने

झारखंड में घुसपैठ, भ्रष्टाचार और अव्यवस्था को लेकर जोरदार हमले बोले थे. ऐसे में अब सोरेन की तारीफ करना बीजेपी की रणनीति में बड़ा बदलाव माना जा रहा है.

राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो यह बयान भाजपा की एक व्यापक रणनीति का हिस्सा हो सकता . जानकारों का कहना है कि अमित शाह का यह कदम विपक्ष के साथ तल्खियों को कम करने संवाद की गुंजाइश बढ़ाने और आगामी चुनावों के मद्देनज़र सियासी समीकरणों को साधने की कोशिश हो सकती है. खासकर बिहार में 2025 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए यह बयान महत्वपूर्ण हो जाता है, जहां बीजेपी और जेडीयू गठबंधन का सीधा मुकाबला महागठबंधन से है. विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि जब कांग्रेस की अगुवाई में विपक्ष संसद में लगातार भ्रष्टाचार, महंगाई और घुसपैठ जैसे मुद्दों पर सरकार को घेर रहा है ऐसे समय में अमित शाह का यह नरम रुख विपक्ष की आक्रामकता को कमजोर करने की रणनीति का हिस्सा हो सकता है. इससे बीजेपी की छवि एक समावेशी और संवैधानिक मूल्यों का सम्मान करने वाली पार्टी के रूप में पेश हो सकती है.

फिलहाल हेमंत सोरेन या उनकी पार्टी जेएमएम की ओर से अमित शाह के इस बयान पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है. हालांकि, बीते समय में सोरेन सरकार ने बीजेपी पर राज्य में घुसपैठ जैसे मुद्दों को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया था. उन्होंने यह भी कहा था कि घुसपैठ की जड़ें बीजेपी शासित राज्यों से हैं.

झारखंड की राजनीति में इस बयान को संभावित बदलाव की आहट के रूप में देखा जा रहा है, क्या बीजेपी और क्षेत्रीय दलों के बीच नई समीकरण बन सकते हैं? क्या बिहार और झारखंड में विपक्ष के अंदर सेंध लगाने की तैयारी है? या यह सिर्फ एक कूटनीतिक प्रशंसा है? इन सभी सवालों के जवाब आने वाले समय में साफ होंगे.

लोहरदगा : छात्र की पिटाई मामले की जांच स्कूल को सील किया

शुभम संदेश। लोहरदगा

जिले के भंडरा प्रखंड स्थित एक निजी स्कूल की शिक्षिका द्वारा मासूम छात्र की बेरहमी से पिटाई किए जाने का मामला सामने आया है. घटना को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने लोहरदगा उपायुक्त को तत्काल जांच कर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है. साथ ही पीड़ित छात्र की काउंसलिंग कराने के भी आदेश दिए गए हैं. मुख्यमंत्री के निर्देश पर डीसी ने एक जांच टीम गठित की, जिसमें बाल संरक्षण पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक अभिजीत कुमार, भंडरा अंचल अधिकारी दुर्गा कुमार और भंडरा थाना प्रभारी अरविंद कुमार शामिल थे. टीम ने स्कूल का दौरा कर गहन जांच की. जांच में सामने आया कि स्कूल संचालन से संबंधित किसी भी प्रकार के वैध दस्तावेज मौजूद नहीं हैं, फिर भी वहां एक छात्रावास भी चलाया जा रहा था, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चे रह रहे थे. मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच टीम ने स्कूल कार्यालय को तत्काल सील कर दिया और छात्रावास में रह रहे सभी बच्चों को घर भेज दिया गया. जांच के दौरान पीड़ित छात्र समेत अन्य बच्चों से पूछताछ की गई. पूरी रिपोर्ट लोहरदगा डीसी को सौंपी जाएगी.

बोलेरो से की जा रही थी मवेशी की तस्करी, प्राथमिकी दर्ज

शुभम संदेश। जमशेदपुर

पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका थाना पुलिस ने मवेशी तस्करी का खुलासा किया है. सोमवार तड़के गीतिलता गांव के पास एक बोलेरो वाहन से तीन मृत बैल और एक मरणासन्न अवस्था में मिला, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया. पोटका में सोमवार सुबह गीतिलता गांव के समीप स्थानीय लोगों ने एक लावारिस बोलेरो (क्यूआर 11 ई-8745) से पशुओं के कराहने की आवाजें सुनीं. जब उन्होंने पास जाकर देखा तो वाहन के भीतर चार मवेशी ठूंसे हुए मिले, जिनमें से तीन पहले ही दम तोड़ चुके थे और एक बैल गंभीर हालत में जीवित था.

सूचना मिलते ही पोटका थाना पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन की तलाशी ली. पुलिस के अनुसार, ये मवेशी ओडिशा के दुंदु क्षेत्र से जमशेदपुर लाए जा रहे थे. तस्करी के दौरान बोलेरो में खराबी आने पर तस्कर वाहन को बीच रास्ते में छोड़कर फरार हो गए. ग्रामीणों ने बताया कि छोटे वाहन में चार बड़े बैलों को जबरदस्ती ठूंसकर उनकी जीभ और टांगों को मोटी रस्सियों से

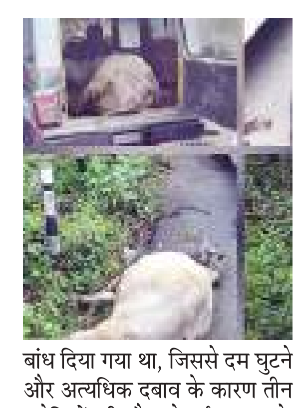

बांध दिया गया था, जिससे दम घुटने और अत्यधिक दबाव के कारण तीन मवेशियों की मौत हो गई. घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला. स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में मवेशी तस्करी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है.

फिलहाल पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है और अज्ञात तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है. घायल बैल को इलाज के लिए नजदीकी पशु चिकित्सालय भेजा गया है. पुलिस ने आश्वासन दिया है कि इस मामले में जल्द ही वाहन के आधार पर आरोपितों को गिरफ्तार किया जाएगा.

सांसद मनीष जायसवाल बोले-विपक्ष ने बर्बाद किया मानसून सत्र

ऑनलाइन गेमिंग बिल पैसेवाले गेम्स पर पूर्ण प्रतिबंध लगाएगा

शुभम संदेश। रांची/हजारीबाग

हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल मानसून सत्र समाप्त होने के बाद अपने क्षेत्र पहुंचे और विपक्ष पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि 21 दिवसीय मानसून सत्र में 120 घंटे की कार्यवाहियां प्रस्तावित थीं, लेकिन विपक्ष के हंगामे के कारण सिर्फ 30 घंटे ही सत्र चल पाया, जो लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है. सांसद ने कहा कि जनता के पैसों से चलने वाले इस सत्र में विपक्ष ने सार्थक चर्चा को बाधित किया. उन्होंने बताया कि सत्र के दौरान उनकी शत-प्रतिशत उपस्थिति रही और उन्होंने कुल 40 प्रश्न उठाए, जिनमें 32 हजारीबाग क्षेत्र से संबंधित थे. क्षेत्रीय विकास को लेकर उन्होंने कई केंद्रीय मंत्रियों और विभागीय अधिकारियों से भी मुलाकात की. जायसवाल ने 'ऑनलाइन गेमिंग (प्रमोशन और रेग्युलेशन) बिल 2025' को लेकर कहा कि यह बिल दोनों सदनों से पास हो चुका है और जल्द ही कानून का रूप ले लेगा. उन्होंने इसे युवाओं के लिए मील का पत्थर बताया और कहा कि यह कानून ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेम्स को प्रोत्साहन देगा, जबकि ऑनलाइन पैसों वाले गेम्स पर पूर्ण प्रतिबंध लगाएगा, जिससे नशे की लत, आर्थिक हानि और आत्महत्या जैसी समस्याओं पर अंकुश लगेगा.

पेड़ पर चढ़ कर हाथी भगाने में जुटे ग्रामीण

पश्चिम सिंहभूम जिले के झिंकपानी प्रखंड अंतर्गत नवागांव का मामला

शुभम संदेश। चाईबासा

पश्चिम सिंहभूम जिले के झींकपानी प्रखंड अंतर्गत नवागांव इन दिनों जंगली हाथियों के आतंक से दहशत में है. गांव से सटे जंगलों में बीते दो दिनों से करीब दस हाथियों का एक झुंड डेरा डाले हुए है. इन हाथियों ने रविवार से ही खेतों और बागानों में घुसकर भारी नुकसान पहुंचाना शुरू कर दिया है. इससे किसानों की मेहनत पर पानी फिरता नजर आ रहा है और अब वे खेती छोड़कर हाथियों से फसल की रक्षा करने में दिन-रात जुटे हैं. स्थिति इतनी

गंभीर हो गई है कि ग्रामीण अब पेड़ पर चढ़कर हाथियों को भगाने का प्रयास कर रहे हैं. वे ऊंचाई से तेज आवाजें निकालकर और टॉर्च जलाकर झुंड को डराते हैं. कई लोग खेतों के किनारे मचान बनाकर पूरी रात जागते हैं ताकि हाथी फसलों तक न पहुंच सकें. पटाखे फोड़कर भी हाथियों को डराने की कोशिश की जा रही है. सोमवार सुबह करीब 40 ग्रामीणों ने मिलकर ट्रैक्टरों की मदद से हाथियों को गांव की ओर आने से रोका और उन्हें पास के एक छोटे जंगल तक सीमित कर दिया गया. हालांकि, खतरा अभी भी बना हुआ है क्योंकि हाथी पूरी तरह से क्षेत्र से नहीं निकले हैं. ग्रामीणों का कहना है कि पहले हाथियों का झुंड केवल धान की बालियां खाकर लौट जाया करता था, लेकिन अब वे पूरी फसल को कुचल रहे हैं. यहां तक कि उन खेतों को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं जिनमें अभी बालियां नहीं निकली हैं. इससे किसानों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है.

ग्रामीणों ने वन विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है. उनका कहना है कि अभी तक विभाग की ओर से कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे हैं और न ही किसी तरह की मदद दी गई है. कई बार सूचना देने के बावजूद प्रशासन चुप्पी साधे हुए है, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है.

दुखद : चौपारण के बिगहा बाजार के पास एनएच-19 पर हुआ हादसा

ट्रेलर बाइक की टक्कर में पिता और पुत्र की मौत

- मृतकों के शव को सड़क पर रख कर प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ जम कर नारेबाजी की.

शुभम संदेश। हजारीबाग

जिले के चौपारण थाना क्षेत्र में रविवार देर रात सड़क हादसे में पिता पुत्र की मौत हो गई. चौपारण के बिगहा बाजार के पास एनएच-19 पर बाइक और ट्रेलर की आमने-सामने टक्कर में मो. जमाल (53) और उनके पुत्र मो. नौशाद (25) की मौके पर मौत हो गई. हादसे में एक अन्य युवक मो. जमाल गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना की

सूचना मिलते ही चौपारण थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लिया. पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा. सोमवार सुबह हादसे से आक्रोशित परिजन और ग्रामीण चौपारण चतरा मोड़ पर जीटी रोड पर उतर आए. उन्होंने मृतकों के शव को सड़क पर रख कर प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ जम कर नारेबाजी की.

ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार को मुआवजा देने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की. सड़क जाम होने से एनएच-19 पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और कई घंटे तक यातायात ठप रहा. स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया. सूचना पाकर चौपारण थाना पुलिस और पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला मौके पर पहुंचे. उन्होंने परिजनों और आक्रोशित ग्रामीणों से बातचीत की. पुलिस और जनप्रतिनिधियों के आश्वासन के बाद लोग शांत हुए और जाम हटाया गया.

इसके बाद दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए हजारीबाग भेजा गया. पुलिस ने बाइक और ट्रेलर को जब्त कर लिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है. प्रशासन का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. स्थानीय लोगों ने बताया कि चौपारण क्षेत्र में लगातार सड़क हादसे बढ़ रहे हैं. बिगहा बाजार और उसके आसपास एनएच-19 पर हादसे आम हो चुके हैं. खराब सड़क व्यवस्था, भारी वाहनों की अव्यवस्थित आवाजाही और तेज रफ्तार इन दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण बताए जाते हैं. लोगों का कहना है कि एनएच पर कई जगह स्ट्रीट लाइट नहीं जलती, साथ ही ट्रक-ट्रेलर बिना किसी नियंत्रण के गुजरते हैं. ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द प्रभावी कदम उठाए जाएं ताकि जानमाल की क्षति रोकी जा सके.

कृमि मुक्ति अभियान 15 सितंबर से होगा चालू

संवाददाता । रांची

राजधानी रांची सहित 15 जिलों में 15 सितंबर को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति

अभियान चलेगा. इस दौरान उक्त जिले के सभी प्रखंडों के साथ ही शहरी क्षेत्र में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का आयोजन होगा, जिसमें 01 से 19 वर्ष के बच्चों के साथ ही किशोर-किशोरियों को पेट के कीड़ों को मारने की गोली अल्बेंडाजोल की गोली खिलायी जायेगी। सोमवार को मिली जानकारी के अनुसार स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग ने संबंधित जिलों के सिविल सर्जन सहित अन्य पदाधिकारियों को तैयारियों को लेकर विशेष निर्देश दिये हैं. आंगनबाड़ी केंद्रों में सेविका के माध्यम से दवा खिलायी जाएगी.

वेंकटेश आयरन फैक्ट्री में मजदूर की मौत, हंगामा

- लगभग सात घंटे तक चले आंदोलन के बाद मुआवजे की रकम 11 लाख रु. तय हुई
- भाजपा, आजसू और जेएलकेएम के नेता आंदोलन करने प्लांट परिसर में पहुंचे
- गरीब परिवार के भरण पोषण के लिए आश्रितों को नौकरी देने की भी मांग की

संवाददाता । रामगढ़

जिले के भदानीनगर ओपी क्षेत्र में वेंकटेश आयरन फैक्ट्री में हुए हादसे में सोमवार को एक मजदूर की मौत हो गई. इस हादसे के बाद मुआवजे की रकम को लेकर प्लांट में आंदोलन शुरू हो गया. लगभग सात घंटे तक चले आंदोलन के बाद मुआवजे की रकम 11 लाख रुपये तय की गई. जानकारी के अनुसार भदानीनगर के रहने वाले विजय बेदिया वेंकटेश आयरन प्लांट में मजदूरी करने गया हुआ था. विजय अचानक एक हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया. उन्हें आनन फानन में रामगढ़ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया. जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. इस हादसे के बाद भाजपा, आजसू और जेएलकेएम के नेता आंदोलन करने प्लांट परिसर में पहुंच गए. प्लांट के गेट पर शव को रखकर लोगों ने मुआवजे की मांग की. साथ ही गरीब परिवार के भरण पोषण के लिए आश्रितों को नौकरी देने की भी मांग की. प्लांट प्रबंधन ने वार्ता के दौरान 11 लाख रुपये का मुआवजा देने और परिवार के दो सदस्यों को काम पर रखने का आश्वासन दिया है. इसके बाद आंदोलन खत्म हुआ.

हरतालिका तीज आजः बाजार में उमड़ी महिलाओं की भीड़, सुहाग की सामग्रियों, चूड़ियों की खूब हुई खरीदारी

शुभम संदेश। रांची

हरतालिका तीज का पर्व मंगलवार को को मनाया जाएगा. इससे पहले शहर के मेनरोड, अपर बाजार, पिस्का मोड़, मोरहाबादी में बाजारों ने त्यौहार का लिबास पहन लिया है. जगह-जगह दुकानों के आगे महिलाओं की भीड़ देखते ही बन रही है. सुहागिन महिलाएं तीज के इस पर्व पर श्रृंगार और पूजा सामग्री की खरीददारी में मशगूल दिखाई दी. चूड़ियों से लेकर मेहंदी, साड़ी से लेकर आलता और अनरसा से लेकर दान तक हर चीज की मांग बाजार में देखी जा रहा है.

चमचमाती चूड़ियों की खनक से गुलजार हुआ बाजार: बाजार में रंग बिरंगी चूड़ियां इस बार आकर्षण का केंद्र बनी है. चांदी और पिंक रंग की चूड़ियां महिलाओं की पसंदीदा बनी हुई हैं. दुकानों पर इनकी खरीददारी जोरों पर है. महज 100 रुपया में 12 पीस का सेट मिलने के कारण महिलाएं जमकर खरीददारी करते दिखाई दे रही थी. इसके अलावा 70 रूपया में अलग-अलग पूजा सेट भी बाजार में उपलब्ध हैं.

अनरसा की सुगंध से मिठास हुआ बाजार: तीज का पर्व अनरसा के बिना अधूरा माना जाता है. बाजारों में अनरसा प्लेन 2000 रुपया किलो और अनरसा खोया 3000 किलो की दर पर बिक रहा है. दुकानों पर सुबह से ही भीड़ लगी हुई है और महिलाएं पूजा-अर्चना के लिए पारंपरिक मिठाई खरीदने में व्यस्त हैं.

धार्मिक आस्था और परंपरा का त्यौहार है तीज पर्व

यह पर्व भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है. इस वर्ष यह व्रत 26 अगस्त को मनाया जाएगा. इस दिन महिलाएं पति की लंबी आयु और अच्छे स्वास्थ्य के लिए हरतालिका तीज का निर्जला व्रत रखेंगी. हरतालिका तीज का व्रत सुहागिन और कुंवारी कन्याएं भी रखेंगी. हरितालिका तीज व्रत रखने से ही मां पार्वती को भगवान शिव पति के रूप में मिले थे. भगवान शिव और माता पार्वती की विधि-विधान से पूजा करने से सुहागिनों को अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है और कन्याओं के विवाह में आ रही परेशानियां दूर होती हैं.

महिलाओं और युवतियों ने अपने हाथों में अलग-अलग डिजाइनों की मेहंदी सजवाई

तीज पर्व को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है. अपर बाजार के मेहंदी की दुकानों पर दिनभर भारी भीड़ उमड़ रही है. महिलाओं और युवतियों ने अपने हाथों में अलग-अलग डिजाइनों की मेहंदी सजवाई है. मेहंदी आर्टिस्टों की दुकानें छोटे-छोटे मेले में बदल गई हैं. किसी ने अरेबी फूल डिजाइन का चुनाव किया तो किसी ने स्टाइलिश बेल से अपने हाथों को रंगीन बनावा रहे थे. अरेबी फूल डिजाइन 300 रूपया दोनों हाथ, स्टाइलिश डिजाइन 670, फूल डिजाइन 1100 दोनों हाथ, दुल्हा-दुल्हन डिजाइन 4000 रूपया, सर्कल डिजाइन 600-800 स्टाइलिश बेल 800-900 रूपया में मेहंदी लगवाते दिखी.

मुख्यमंत्री ने स्मार्ट सिटी के निर्माणाधीन कन्वेंशन सेंटर का स्थल निरीक्षण किया

शुभम संदेश। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को रांची के धुर्वा स्थित स्मार्ट सिटी परियोजना अंतर्गत निर्माणाधीन कन्वेंशन सेंटर का स्थल निरीक्षण किया. मौके पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कन्वेंशन सेंटर से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी ली. मुख्यमंत्री के समक्ष अधिकारियों ने यह जानकारी दी कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अंतर्गत वर्ष 2018 में कन्वेंशन सेंटर का निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया था, परन्तु बीच में ही इस परियोजना को बंद कर दिया गया है. अधिकारियों ने जानकारी दी कि इस परियोजना के तहत 5 हजार लोगों के बैठने की क्षमता वाले कन्वेंशन सेंटर का निर्माण किया जाना था. मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि आने वाले समय में इस निर्माणाधीन कन्वेंशन सेंटर की उपयोगिता राज्य हित में बेहतर तरीके से हो सके इस निमित्त एक बेहतर कार्य योजना बनाएं. मौके पर मंत्री, नगर विकास एवं आवास सुदिव्य कुमार, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव नगर विकास विभाग सुनील कुमार, सीईओ स्मार्ट सिटी सूरज कुमार, जीएम स्मार्ट सिटी राकेश नंदकुलियार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे.

विरोध प्रायोजित, रिम्स-2 बनकर रहेगा : डॉ इरफान

- सरकार बीमारी मुक्त झारखंड बनाना चाहती है,
- लेकिन भाजपा के लोग बीमार झारखंड बनाना चाहते हैं

शुभम संदेश। रांची

स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने रिम्स-2 को लेकर रविवार को हुए विरोध को प्रायोजित करार दिया है. उन्होंने कहा कि रिम्स-2 बनकर रहेगा. सरकार बीमारी मुक्त झारखंड बनाना चाहती है, लेकिन भाजपा के लोग बीमार झारखंड बनाना चाहते हैं. स्वास्थ्य एक संवेदनशील मामला है और इस मुद्दे पर विरोध करना ठीक नहीं है. विरोध को लेकर जो जानकारी उनके पास है, उसके अनुसार प्रदर्शन में कोई भी स्थानीय लोग शामिल नहीं थे, बल्कि बाहर से लाए गए लोगों ने मामले को बिगाड़ने की कोशिश की. हमारे पुलिसवालों को मारा गया. कई पुलिसवालों के पैर तोड़ दिए गए हैं. मैं पूरे मामले की जांच कर रहा हूं. हमारी सरकार जब जनता के हित में कदम उठा रही है, पांच महीने में स्वास्थ्य विभाग ट्रैक पर आया है, तो विपक्ष उसमें खलल डालने में लगा है.

मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य के मुद्दे पर राजनीति नहीं करनी चाहिए. राज्य ने स्वास्थ्य व्यवस्था में सही रास्ता पकड़ा है. जल-जंगल-जमीन और स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता है. मैं सबसे बड़ा आदिवासी का हितैषी हूं. भाजपा वाले नकली लोग है. इन्होंने आदिवासियों पर गोली चलाई थी. हजारों-हजार केस किए थे. जिस जमीन को लेकर भाजपा रिम्स-2 का विरोध कर रही है ,उस पर दलालों की नजर है. भाजपा चाहती है कि वहां पर रिम्स-2 नहीं बने, ताकि जमीन दलालों को फायदा मिले.

मंत्री ने 130वें संविधान संशोधन बिल पर कहा कि लोकसभा में जो बिल लाया जा रहा है, वह जनता और जनप्रतिनिधियों को अपमानित और डिमॉरलाइज करने के लिए है. कभी कोई काला कानून, कभी किसान विरोधी विधेयक और अब विधायक, सांसद, मंत्री, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री की गिरफ्तारी वाला बिल लाकर विधायिका का मजाक बना कर रख दिया है. अगर हिम्मत है, तो न्यायपालिका और कार्यपालिका पर कोई बिल लाकर केंद्र की मोदी सरकार दिखाए. अगर मोदी सरकार ऐसा करने की कोशिश भी करेगी तो वो लोग बुखार छुड़ा देंगे.यह विधायिका है, जिसने लोकतंत्र को बचा कर रखा है.

इरफान अंसारी के बयान पर आजसू का पलटवार

भाड़े की भीड़ जुटाने खुद जाते हैं बिहार : प्रवीण प्रभाकर

शुभम संदेश। रांची

आजसू पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष और झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर ने स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के 'भाड़े का आंदोलन' वाले बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा कि नगड़ी में आंदोलन कर रहे आदिवासी-मूलवासी ग्रामीणों को भाड़े का बताना शर्मनाक है.उन्होंने आरोप लगाया कि खुद इरफान अंसारी बिहार जाकर कांग्रेस की वोटर अधिकार यात्रा के लिए भीड़ जुटाने का काम करते हैं, इसलिए उन्हें नगड़ी के असली आंदोलनकारी भी भाड़े के लगते हैं.

प्रवीण प्रभाकर ने कहा कि रिम्स-2 के लिए नगड़ी में जमीन अधिग्रहण की घोषणा कर मंत्री ने न सिर्फ आंदोलनकारियों का बल्कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का भी अपमान किया है. उन्होंने याद दिलाया कि गुरुजी ने खुद ग्रामीणों से खेत जोतने को कहा था और इस जमीन को बचाने के लिए आंदोलन किया था. ऐसे में कांग्रेस और झामुमो का रवैया गुरुजी की भावना के खिलाफ है.उन्होंने कहा कि आजसू विकास का विरोध नहीं करती, लेकिन खेती की जमीन पर प्रोजेक्ट लाकर आदिवासियों को उजाड़ने का विरोध करती है. झारखंड में पर्याप्त बंजर भूमि है, जहां रिम्स-2 बनाया जा सकता है.प्रभाकर ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास झारखंड आंदोलन को कुचलने का रहा है और आज भी इरफान अंसारी उसी विचारधारा की भाषा बोल रहे हैं.

हिंदपीढ़ी में युवक की गोली मारकर हत्या में शामिल आरोपी ने किया सरेंडर

रांची। हिंदपीढ़ी में साहिल नाम के युवक की गोली मारकर हत्या करने के आरोपी अमन राजा ने सोमवार को सरेंडर कर दिया. कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पुलिस की टीम लगातार अमन राजा की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही थी. इसी दबिश से परेशान होकर अरमान ने सोमवार को रांची सिविल कोर्ट में सरेंडर कर दिया. उल्लेखनीय है कि इस मामले में रांची पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पूर्व पार्षद असलम को जेल से निकलते ही गिरफ्तार कर फिर से जेल भेज दिया था. उल्लेखनीय है कि बीते दस अगस्त को हिंदपीढ़ी में साहिल की गोली मारकर हत्या करने के बाद इलाके में तनाव व्याप्त हो गया था. हिंदीपीढ़ी ग्वाला टोली में उपद्रव की स्थिति बन गयी थी.

कैमरून में फंसे झारखंड के 17 मजदूरों की हुई वतन वापसी

शुभम संदेश। रांची

कैमरून में फंसे झारखंड के 19 प्रवासी मजदूरों में से 17 मजदूरों की सोमवार को वतन वापसी हो गई. हजारीबाग और बोकारो जिले के ये मजदूर काम करने के लिए कैमरून गए थे. मजदूरों और उनके परिजनों ने इस सफल वापसी के लिए सरकार के साथ-साथ सभी मीडिया संस्थानों और प्रवासी मजदूरों के हित में काम करने वाले समाजसेवी सिकन्दर अली का विशेष आभार व्यक्त किया है. बता दें कि ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड कंपनी में काम कर रहे इन मजदूरों को लंबे समय से वेतन नहीं मिला था. 11 मजदूर चार महीने और 8 मजदूर दो महीने से वेतन वसूली का इंतजार कर रहे थे, जिसके कारण उन्हें खाने-पीने सहित जीवनयापन में भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था. इस स्थिति के बाद मजदूरों ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर वतन वापसी की गुहार लगाई थी.

झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स की उद्योग उप समिति की बैठक

ईस्ट टेक 2025 आज : भारतीय सेना और उद्योगों के बीच साझेदारी की नई शुरुआत

शुभम संदेश। रांची

झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स की उद्योग उप समिति की बैठक चैंबर भवन में हुई, जिसमें मंगलवार को केरकेट्टा ऑडिटोरियम, दीपाटोली कैंट में आयोजित ईस्ट टेक संगोष्ठी 2025 को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई. यह संगोष्ठी भारतीय सेना की पूर्वी कमान, एसआईडीएम और सीआईआई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हो रही है.बैठक में सदस्यों ने ईस्ट टेक 2025 को राज्य के स्थानीय उद्योगों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर बताया और कहा कि यह आयोजन भारतीय सेना और उद्योग जगत के बीच साझेदारी के एक नए अध्याय की शुरुआत है.

एसआईडीएम के अधिकारियों ने बताया कि किस प्रकार राज्य की स्थानीय औद्योगिक इकाइयों, विशेष रूप से एमएसएमई , को रक्षा क्षेत्र से जोड़ा जा सकता है. साथ ही, भारत सरकार के रक्षा से जुड़े उपक्रमों के साथ झारखंड की इकाइयों की भागीदारी को लेकर भी जानकारी साझा की गई.बैठक में यह भी चर्चा हुई कि सितंबर में रांची में होने वाले ईस्ट टेक 2025 में झारखंड की सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम इकाइयों (एमएसएमई) की सक्रिय सहभागिता कैसे सुनिश्चित की जा सकती है और राज्य की इकाइयां इस आयोजन से किस प्रकार लाभान्वित हो सकती हैं.

एक नजर

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 'बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग देवघर' पुस्तक का किया लोकार्पण

रांची। झारखंड विधानसभा परिसर में आज मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन ने राज्य के महाधिवक्ता राजीव रंजन द्वारा रचित पुस्तक 'बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग देवघर – ए टच ऑफ डिवाइन (दिव्यता का स्पर्श)' का विधिवत लोकार्पण किया.इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लेखक राजीव रंजन को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी. उन्होंने पुस्तक को एक महत्वपूर्ण कृति बताया, जिसमें बाबा बैद्यनाथ धाम की ऐतिहासिक, पौराणिक, धार्मिक, सांस्कृतिक तथा वैधानिक महत्व की गहन चर्चा की गई है.लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, सचिव अरवा राजकमल, वरीय आप्त सचिव सुनील श्रीवास्तव, अपर महाधिवक्ता अच्युत केशव, राजकीय अधिवक्ता मनोज कुमार सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे.

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में मना दादी प्रकाशमणी का 18वां स्मृति दिवस

रांची। राजधानी रांची के हरमू रोड स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय में सोमवार को संस्था की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणी जी के 18वें स्मृति दिवस पर दिव्य योग कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम के दौरान दादी की जीवनी और उनके कार्यों पर प्रकाश डाला गया. कार्यक्रम की मुख्य अतिथि केन्द्र प्रशासिका ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन ने कहा कि मातेश्वरी जगदम्बा के पश्चात् यज्ञ की प्रमुख के रूप में दादी प्रकाशमणी जी ने 1969 से 2007 तक संस्था का नेतृत्व किया. उनके सशक्त एवं सहज नेतृत्व में संस्था का विस्तार देश-विदेश तक हुआ और अनेकों राजयोग केन्द्र स्थापित हुए. दादी जी का स्वभाव अत्यंत मधुर, सहनशील और मातृत्वपूर्ण था. सभी उन्हें एक माँ, मार्गदर्शक और प्रिय मित्र के रूप में अनुभव करते थे. निर्मला बहन ने बताया कि दादी जी का यह विशेष गुण था कि वे पूरे ब्राह्मण परिवार को अपना परिवार मानकर सभी की देखभाल करती थीं. वे सदैव यह कहती थीं कि हम सब एक पिता के बच्चे हैं, कोई भी अजनबी नहीं है. दादी जी स्वयं को सदैव ट्रस्टी और निमित्त मानकर सेवाओं में लगी रहती थीं. उन्हें शांतिदूत पुरस्कार और मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया.

पौधरोपण अभियान : श्री सर्वेश्वरी समूह ने पांचवे चरण में दुबलिया गांव में 350 पौधे बांटे

रांची। श्री सर्वेश्वरी समूह की राँची शाखा ने कांके के दुबलिया गांव में वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया. कार्यक्रम के पांचवे चरण में ग्रामीणों के बीच आम, अमरूद, आँवला, जामुन और मोहगनी के कुल 350 पौधे बांटे गए. कार्यक्रम की शुरुआत स्थानीय शिव मंदिर में आरती-पूजन और दीपदान से हुई. इसके बाद एक छोटी बैठक (गोष्ठी) का आयोजन किया गया, जिसमें श्री सर्वेश्वरी समूह के सामाजिक और जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी दी गई. साथ ही पेड़ों की कमी से हो रहे नुकसान और पर्यावरण संरक्षण की जरूरत पर भी चर्चा की गई. ग्रामीणों को पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया. इससे पहले पौधरोपण अभियान के तहत जुरकेला (सिमडेगा), दौलेचा (राँची), कोइन्जारा (गुमला) और तारूप (राँची) गांवों में 1510 पौधे वितरित किए जा चुके हैं. कार्यक्रम के आयोजन में आशुतोष नाथ शाहदेव का विशेष सहयोग रहा.

गिनीज़ व लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में संस्था का नाम दर्ज : बता दें कि श्री सर्वेश्वरी समूह एक अंतरराष्ट्रीय सामाजिक व धार्मिक संस्था है, जिसका नाम गिनीज़ बुक और लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है. संस्था लगातार पर्यावरण संरक्षण और जनकल्याण से जुड़े कार्य करती रहती है.

नगर निगम की सख्ती: अवैध होर्डिंग्स पर चला बुलडोजर, सदर अस्पताल के पास 5 हटाए गए

रांची। शहर में अवैध तरीके से लगाए जा रहे होर्डिंग्स के खिलाफ रांची नगर निगम ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई की. निगम की बाजार शाखा की टीम सुबह से ही पुरुलिया रोड इलाके में निकली और वहां अवैध होर्डिंग्स की जांच शुरू की. जांच के दौरान टीम को सदर अस्पताल के पास कई अवैध होर्डिंग्स लगे मिले. निगम कर्मचारियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए 5 बड़े होर्डिंग्स को काटकर पूरी तरह हटा दिया. कार्रवाई के वक्त मौके पर नगर प्रबंधक और बाजार शाखा की टीम मौजूद रही. निगम अधिकारियों का कहना है कि ये होर्डिंग्स बिना अनुमति के लगाए गए थे. ऐसे होर्डिंग्स न सिर्फ शहर की सुंदरता बिगाड़ते हैं, बल्कि कई बार ट्रैफिक बाधित करने और हादसों का कारण भी बन जाते हैं. रांची नगर निगम ने साफ कहा है कि आने वाले दिनों में यह अभियान और तेज होगा. जिन भी जगहों पर बिना अनुमति के होर्डिंग्स लगे पाए जाएंगे, उन्हें तुरंत हटा दिया जाएगा.

पासवा ने झारखंड सरकार से की कठोर कानून की मांग; कोचिंग संस्थानों पर लागू हो सख्त नियम

मनमानी फीस वसूली पर लगे रोक, हर भुगतान की रसीद मिले : अलोक

शुभम संदेश। रांची

पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने झारखंड सरकार से राज्य में कोचिंग संस्थानों के संचालन को लेकर एक पारदर्शी और सख्त कानून लागू करने की मांग की है. उन्होंने कहा कि स्कूलिंग के साथ कोचिंग को किसी भी हाल में अनुमति नहीं दी जानी चाहिए. साथ ही कोचिंग संचालन का समय केवल द्वितीय पाली से रात 8 बजे तक सीमित हो.उन्होंने कहा कि छात्रों और अभिभावकों के हित में सरकार को 'कोचिंग सेंटर नियंत्रण एवं विनियमन विधेयक' के तहत ठोस और कठोर प्रावधानों को जल्द से जल्द लागू करना चाहिए. पासवा अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने कहा कि यदि उनके सुझाए गए बिंदुओं को लेकर सरकार एक ठोस कोचिंग रेगुलेशन कानून बनाती है, तो इससे छात्रों का भविष्य सुरक्षित होगा और अभिभावक आर्थिक एवं मानसिक शोषण से मुक्त होंगे.

पंजीकरण और सरकारी मान्यता: हर कोचिंग संस्थान का शासन द्वारा पंजीकरण अनिवार्य हो और वह स्थानीय और राज्य शिक्षा विभाग की गाइडलाइनों का पूर्णतः पालन करे. कोचिंग संस्तानों का हर साल निरीक्षण और ऑडिट कराया जाए.

फीस और वित्तीय पारदर्शिता: कोचिंग फीस पारदर्शी और सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित हो, हर भुगतान पर रसीद देना अनिवार्य हो, बीच सत्र में फीस वृद्धि पर प्रतिबंध लगे और एक महीने के अंदर संस्थान छोड़ने पर पूरा फीस वापस करने का प्रावधान सुनिश्चित किया जाए.

शिक्षा की गुणवत्ता और शिक्षक नियुक्ति: योग्य और अनुभवी शिक्षकों की नियुक्ति की जाए. बैकग्राउंड वेरिफिकेशन अनिवार्य हो. बैच में छात्रों की संख्या सीमित हो. आधी रात की क्लास या सरप्राइज टेस्ट पर पूर्ण प्रतिबंध लगे.

छात्रों की सुरक्षा और आधारभूत सुविधाएं: सभी संस्थानों में सीसीटीवी, उपस्थिति मॉनिटरिंग सिस्टम, स्वच्छ कक्षाएं, सुरक्षित पेयजल, शौचालय, अग्नि सुरक्षा और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था अनिवार्य हो. छात्राओं की सुरक्षा के लिए महिला सुरक्षा तंत्र और शिकायत निवारण प्रणाली प्रभावी हो.

पारदर्शिता और जवाबदेही: संस्थान छात्रों की प्रगति की जानकारी अभिभावकों को नियमित दें.भ्रामक विज्ञापन, झूठे वादों और छात्रों की निजी जानकारी के दुरुपयोग पर रोक लगे. नियम तोड़ने वालों पर भारी जुर्माना और लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई सुनिश्चित हो. मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न पर सख़्त रोकःएंटी-रैगिंग और एंटी-बुलिंग नीति को सख़्ती से लागू किया जाए और छात्र उत्पीड़न की किसी भी घटना पर तत्काल कार्रवाई हो.

50 हजार बच्चों ने दिखाया हुनर

रांची में सांसद कला महोत्सव में 'ऑपरेशन सिंदूर' थीम पर देशभक्ति से लबरेज़ पेंटिंग्स, पीएम मोदी को होंगी भेंट

शुभम संदेश। रांची

राजधानी रांची इन दिनों कला और रचनात्मकता के सबसे बड़े उत्सव, सांसद कला महोत्सव—का साक्षी बन रही है. इस भव्य आयोजन में अब तक 125 स्कूलों के 50 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया है. इस वर्ष महोत्सव की थीम 'ऑपरेशन सिंदूर' रखी गई है, जिस पर बच्चों ने शौर्य, बलिदान और राष्ट्रप्रेम की जीवंत झलक दिखाने वाली पेंटिंग्स बनाई हैं.

केंद्रीय मंत्री ने की थी शुरुआत : इस कला महोत्सव का उद्घाटन 20 अगस्त को केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने किया था. उन्होंने इसे सिर्फ बच्चों की रचनात्मकता का उत्सव ही नहीं बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रभक्ति और सैन्य सम्मान को धरातल पर उतारने वाला प्रयास बताया.

सेवा पखवाड़ा तक बढ़ी अवधि: शुरुआत में इसे एक सप्ताह तक सीमित रखा गया था, लेकिन बच्चों और शिक्षकों के ज़बरदस्त उत्साह को देखते हुए इसकी अवधि बढ़ाकर प्रधानमंत्री मोदी के 75वें जन्मदिवस पर होने वाले सेवा पखवाड़ा तक कर दी गई है. यह अब देश का सबसे लंबे समय तक चलने वाला पेंटिंग कार्निवल बन चुका है.

ग्रामीण-शहरी हर क्षेत्र से भागीदारी : रांची लोकसभा क्षेत्र के तहत आनेवाले रांची, हटिया, कांके, इचागढ़ और सिल्ली विधानसभा क्षेत्रों के स्कूल इस आयोजन में भाग ले रहे हैं. शहर से लेकर गांव तक के बच्चों ने अपने रंगों और कल्पनाओं के माध्यम से राष्ट्रप्रेम की भावना को अभिव्यक्त किया है.

प्रमाण पत्र और विशेष सम्मान: हर प्रतिभागी को प्रमाण पत्र दिया जा रहा है और उत्कृष्ट चित्रकारी करनेवाले बच्चों को पुरस्कार भी दिए जा रहे हैं. चुनी गई श्रेष्ठ पेंटिंग्स को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेंट किया जाएगा, जो विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा और गौरव का क्षण होगा.

बच्चों की कल्पनाशक्ति को राष्ट्रीय मंच: कला महोत्सव ने बच्चों को न केवल मंच दिया है, बल्कि उन्हें देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का अवसर भी प्रदान किया है. आयोजकों का मानना है कि यह आयोजन रांची और झारखंड की कला पहचान को नई ऊंचाई देगा और प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर एक ऐतिहासिक तोहफा साबित होगा.

इप्टा की 81वीं सांस्कृतिक पाठशाला: एसआईआर क्या, क्यों और कैसे पर संवाद का आयोजन

एसआईआर लोकतंत्र व संविधान के मूल्यों पर सीधा हमला: शैलेंद्र

शुभम संदेश । मेदिनीनगर

इंडियन पीपुल्स थिएटर एसोसिएशन (इप्टा) की 81वीं सांस्कृतिक पाठशाला में 'एस.आई.आर. क्या, क्यों और कैसे' विषय पर संवाद का आयोजन किया गया. इस मौके पर इप्टा के राष्ट्रीय सचिव शैलेंद्र कुमार ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया को लोकतंत्र और संविधान के मूल्यों पर सीधा हमला करार दिया.

उन्होंने कहा कि जिस राज्य में महज दो महीने बाद चुनाव होने हैं, वहां इस प्रक्रिया की शुरुआत करना शंका को जन्म देता है. यह प्रक्रिया किसी अन्य राज्य में भी चलाई जा सकती थी जहां चुनाव बाद में होने हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इसे एक सुनियोजित राजनीतिक षड्यंत्र के तहत चला रही है.

शैलेंद्र कुमार ने हाल की कुछ घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि जज लोया मामले के बाद कई रहस्यमयी हत्याएं हुईं और हाल ही में ईवीएम को लेकर भी गंभीर सवाल उठे हैं. उन्होंने कहा कि ईवीएम से जुड़े मामलों में यह स्पष्ट हुआ है कि कुछ जगहों पर हारने वाले उम्मीदवार को विजेता घोषित कर दिया गया. पहले ईवीएम पर सवाल उठाने वालों का उपहास किया जाता था, लेकिन अब सच्चाई सामने है. उन्होंने यह भी कहा कि एस.आई.आर. के तहत नागरिकता प्रमाण मांगा जा रहा है, जबकि योजनाओं का लाभ आधार कार्ड के माध्यम से दिया जा रहा है. ऐसे में वोटर लिस्ट के लिए अलग से नागरिकता का प्रमाण मांगना जनता को भ्रमित करने की कोशिश है. आधार को मतदाता पहचान के लिए अयोग्य बताना विरोधाभासी है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विश्वास को कमजोर करता है.

कार्यक्रम की शुरुआत प्रेम प्रकाश द्वारा विषय-प्रवेश से हुई. इस संवाद की अध्यक्षता पलामू जिला कांग्रेस के प्रवक्ता गोपाल सिंह और इप्टा के जिला कार्यकारी अध्यक्ष सुरेश सिंह ने संयुक्त रूप से की. कार्यक्रम भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के पूर्व महासचिव कामरेड एस. सुधाकर रेड्डी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आयोजित किया गया था.

वक्ताओं ने सुधाकर रेड्डी को याद करते हुए कहा कि वे वैज्ञानिक सोच वाले, शालीन व्यवहार वाले और जन आंदोलनों को मजबूती देने वाले नेता थे. सुरेश सिंह ने कहा कि आज भी रेड्डी जी के विचार और जीवनशैली वामपंथी आंदोलन को प्रेरणा दे रहे हैं.

संवाद में शिव शंकर प्रसाद ने कहा कि एस.आई.आर. की प्रक्रिया चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करती है. कुलदीप राम ने कहा कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण आवश्यक है, लेकिन वर्तमान प्रक्रिया पक्षपातपूर्ण और त्रुटिपूर्ण है.

गोपाल सिंह ने कहा कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण एक सतत प्रक्रिया है, जिसे जल्दबाज़ी में दो महीनों में पूरा करना असंभव है. उन्होंने इसे लोकतंत्र की हत्या और वोटों की चोरी की संज्ञा दी.

सुरेश सिंह ने कहा कि आज की राजनीतिक स्थिति बेहद चिंताजनक है. समाचार माध्यमों और सोशल मीडिया पर आ रही खबरें इस बात की पुष्टि करती हैं कि लोकतंत्र गंभीर संकट में है. ऐसे समय में जनता की राजनीति करने वाले संगठनों को सशक्त करना और सड़कों पर संघर्ष तेज करना आवश्यक हो गया है. कार्यक्रम के अंत में 2 मिनट का मौन रखकर सुधाकर रेड्डी को श्रद्धांजलि दी गई. इस अवसर पर शिक्षक गोविंद प्रसाद ने सांस्कृतिक पाठशाला के पुस्तकालय को समृद्ध करने के लिए झारखंड से संबंधित एक पुस्तक भेंट की. कार्यक्रम में कृष्ण देव ओझा, फिरोज अख्तर, रवि शंकर, गौतम कुमार, प्रेम कुमार, अमित कुमार, भोला, संजीव कुमार संजू, अजीत ठाकुर, शाहिद सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे.

प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने दी सौगात

चैनपुर में डेकोरेटिव लाइट्स और विकास कार्यों का वादा

शुभम संदेश । मेदिनीनगर

चाय पर चर्चा अभियान के तहत मेदिनीनगर की प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने चैनपुर वरिष्ठ नागरिक समिति के कार्यालय में पहुंचकर बुजुर्गों से संवाद किया और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया. इस दौरान समिति सदस्यों ने कार्यालय की मरम्मति की मांग की, जिस पर महापौर ने तुरंत रिपेयरिंग और रंगाई-पुताई का निर्देश अपने कर्मियों को दिया. इसके बाद उन्होंने चैनपुर श्मशान घाट का निरीक्षण किया और वहां की बदहाल स्थिति देखकर अपने निजी खर्च से शीघ्र जीर्णोद्धार कराने का आदेश दिया. उन्होंने कर्मियों को निर्देश दिया कि एक सप्ताह के भीतर कार्य पूर्ण हो जाना चाहिए.

महापौर ने यह भी घोषणा की कि बीसफूटा पुल से चैनपुर-शाहपुर बॉर्डर तक लग रही डेकोरेटिव लाइट्स की तर्ज पर चैनपुर बाजार में भी रोशनी की व्यवस्था की जाएगी, इसके लिए नगर निगम से बात की जाएगी.

इस दौरान वरिष्ठ नागरिक समिति के कृष्ण प्रसाद सोनी, धीरेंद्र कुमार चौधरी, रामचंद्र दास, अमरनाथ प्रसाद सहित कई लोग उपस्थित रहे.

बाल श्रम उन्मूलन राज्य कार्ययोजना पर प्रमंडल स्तरीय कार्यशाला

बाल श्रम उन्मूलन को लेकर सरकार प्रतिबद्ध : उपायुक्त

- सभी जिलों से प्राप्त सुझावों के आधार पर 2025-2030 कार्य योजना को और प्रभावी बनाया जाएगा

शुभम संदेश । पलामू

झारखंड सरकार बाल श्रम को जड़ से समाप्त करने के लिए लगातार ठोस प्रयास कर रही है. इस क्रम में श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग व महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के मार्गदर्शन में, अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) और बाल कल्याण संघ के संयुक्त तत्वावधान में पलामू जिला समाहरणालय भवन में प्रमंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया.

कार्यशाला का उद्देश्य "बाल श्रम उन्मूलन राज्य कार्ययोजना 2025-2030" को जिलों के अनुभवों और जमीनी सच्चाई के आधार पर अधिक व्यावहारिक और प्रभावी बनाना है. इसमें पलामू प्रमंडल के विभिन्न जिलों से आए अधिकारियों, सरकारी विभागों के प्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं और बाल अधिकार विशेषज्ञों सहित 80 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया.

पलामू की उपायुक्त समीरा एस ने कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि सरकार इस दिशा में अनेक अनोखी पहल कर रही है. प्रवासी परिवारों को स्थानीय स्तर पर ही रोजगार दिलाने और पंजीकरण के माध्यम से योजनाओं का लाभ दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि यह कार्य योजना जमीनी हकीकतों को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है और यह बाल श्रम उन्मूलन में अहम भूमिका निभाएगी.

मेदिनीनगर सदर की अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) सुलोचना मीणा ने कहा कि झारखंड सरकार की प्राथमिकता है कि प्रत्येक बच्चा सुरक्षित वातावरण में शिक्षा प्राप्त करे. उन्होंने सभी संबंधित विभागों और संस्थाओं को समन्वय के साथ काम करने की आवश्यकता पर बल दिया.

बाल कल्याण संघ के संस्थापक एवं एटसेक इंडिया के राष्ट्रीय संयोजक संजय कुमार मिश्रा ने कहा कि केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है, जब तक समुदाय को जागरूक नहीं किया जाए और परिवारों को स्थायी आजीविका से नहीं जोड़ा जाए. उन्होंने कहा कि यह योजना केवल दस्तावेज़ नहीं होगी, बल्कि हर स्तर पर जवाबदेही तय करेगी.उन्होंने यह भी बताया कि 26 जून को रांची में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में यह सुझाव सामने आया था कि योजना को बेहतर बनाने के लिए प्रमंडल स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित की जानी चाहिए. उसी निर्णय के तहत यह पहल की गई है. उन्होंने झारखंड सरकार की सक्रियता की सराहना करते हुए इसे "बाल श्रम मुक्त राज्य" बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया.

श्रम अधीक्षक पुनीत कुमार मिंज ने स्वागत भाषण में बताया कि राज्य सरकार बाल श्रम को समाप्त करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है.

उन्होंने बताया कि सरकार प्रवासी परिवारों को पंजीकरण उपरांत योजनाओं का लाभ दिला रही है ताकि वे सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी सकें.उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग की सामूहिक जिम्मेदारी है कि बच्चों को शिक्षा मिले और बाल श्रम से मुक्ति मिले.कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारियों के साथ फोकस समूह चर्चा (एफजीडी) के माध्यम से सुझाव लिए गए जिन्हें आगामी राज्य कार्य योजना में सम्मिलित किया जाएगा।इस अवसर पर जिले के सहायक आयुक्त कुंदन कुमार, डीएसपी यशोधरा सहित अन्य अधिकारियों ने भी अपने सुझाव रखे.

सीएम उत्कृष्ट विद्यालय समिति की बैठक सम्पन्न

विकास और समस्याओं पर हुआ विचार - विमर्श

शुभम संदेश । लातेहार

मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय (एसओई), लातेहार की प्रबंधन समिति की बैठक अध्यक्ष आशीष टैगोर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक का संचालन सचिव सह प्राचार्य तृप्ति भारती ने किया।

बैठक में विद्यालय परिसर में मौजूद यूकेलिप्टस के पेड़ों की कटाई की आवश्यकता पर चर्चा हुई। प्राचार्य ने बताया कि पेड़ों के कारण परिसर सीमित हो गया है, और पहले आग लगने की घटनाओं से भवन को नुकसान भी पहुंचा है। इसके लिए अंचलाधिकारी व वन प्रमंडल पदाधिकारी से पत्राचार करने का निर्णय लिया गया।

प्राचार्य ने विद्यालय में पेयजल की गंभीर समस्या का मुद्दा भी उठाया और आरओ युक्त शीतल जल प्याऊ की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि पहले भी सांसद व विधायक को पत्र लिखा गया है, और अब पुनः स्मार पत्र भेजा जाएगा। बैठक में उपप्राचार्य नरेंद्र पांडेय ने शिक्षकों और कर्मचारियों की कमी की ओर ध्यान दिलाया, वहीं विद्यालय प्रबंधक पीपी गुप्ता ने सीबीएसई की परीक्षा प्रणाली में हुए बदलावों की जानकारी दी। बैठक में समिति की उपाध्यक्ष दीप्ती कुमारी समेत कई सदस्य उपस्थित थे।

उपायुक्त से सामाजिक कार्यकर्ताओं ने की मुलाकात

सतबरवा । सतबरवा प्रखंड में खाद की कमी और कालाबाजारी रोकने की मांग को लेकर सोमवार को सामाजिक कार्यकर्ता आशिष कुमार सिन्हा, पांकी के सतबरवा प्रखंड प्रतिनिधि सह मीडिया प्रभारी महेश यादव और प्रवेश यादव ने पलामू उपायुक्त से मुलाकात कर आवेदन सौंपा। सामाजिक कार्यकर्ता आशिष कुमार सिन्हा ने बताया कि उपायुक्त ने जानकारी दी है कि सतबरवा प्रखंड के लिए 713 बोरा यूरिया खाद आवंटित हुआ है।

आदिवासी अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष तेज

29 को राजभवन घेराव का आह्वान

शुभम संदेश । लातेहार

मनिका – जल, जंगल, जमीन, पेसा कानून और आदिवासी अधिकारों की रक्षा को लेकर आदिवासी संघर्ष मोर्चा द्वारा ग्राम सेवन में एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मरियम तिर्की ने की और संचालन राजेश्वर सिंह ने किया।

बैठक में आगामी 29 अगस्त को होने वाले झारखंड राजभवन घेराव एवं धरना प्रदर्शन कार्यक्रम को सफल बनाने की रणनीति पर चर्चा हुई और सभी से इसमें भाग लेने की अपील की गई।

मोर्चा के पलामू प्रमंडलीय अध्यक्ष कमेश सिंह चेरो ने कहा कि यह आंदोलन आदिवासियों के अधिकारों, पेसा कानून के लागू न होने और खनिज संपदा पर कॉर्पोरेट कब्जे के खिलाफ है। उन्होंने बताया कि पलामू प्रमंडल, लातेहार, मनिका, गारू, महुआडांड आदि क्षेत्रों में हजारों एकड़ गैरमजरूआ जमीन आदिवासियों से छीनी जा रही है, जो अस्वीकार्य है।

उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलन के सपने अधूरे हैं, और जिन परिवारों ने बलिदान दिया, वे आज उपेक्षित हैं। केंद्र सरकार पर आदिवासी विरोधी नीति अपनाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि सरकार जल, जंगल, जमीन को कॉर्पोरेट के हवाले करना चाहती है।

बैठक की शुरुआत में पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन और शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन को श्रद्धांजलि दी गई। बैठक में लक्ष्मण सिंह चेरो, प्रमिला देवी, लाल सहाय उरांव, सरिता देवी, पंकज सिंह चेरो सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

लातेहार:दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि मनाई गयी

लातेहार। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि की लातेहार शाखा द्वारा दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि को विश्व बंधुत्व दिवस के रूप में श्रद्धापूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन शहर के बाइपास रोड स्थित सोन भवन शाखा और पंपू कल (गिजनियाटांड़) शाखा में किया गया। मुख्य समारोह में प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। दीप प्रज्वलन व पुष्प अर्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। शाखा की संचालिका बीके अमृता ने अतिथियों का स्वागत पुष्प और तिलक से किया और दादी प्रकाशमणि के जीवन व सेवाओं पर प्रकाश डाला।बीडीओ श्री तिवारी ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य कर रही है, जो प्रशंसनीय है। उन्होंने आध्यात्म और भक्ति को आज के युग में आवश्यक बताया। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के प्रशांत कुमार पांडेय ने मानव जीवन के महत्व पर बल देते हुए समाज में समरसता बनाए रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बीके नवीन, विनोद, मुरली, आशीष, बनारसी, अरुण सहित कई ब्रह्माकुमारी भाई-बहन शामिल हुए। पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में लातेहार ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। पंपू कल शाखा में भी बीके अमरमणी की अगुवाई में कार्यक्रम हुआ, जहां माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर दादी जी को श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर बीके अनिता, रामशिला, रंजु, प्रीति, कविता, बसंती, नारायण, अजय सहित कई अन्य उपस्थित थे।

एक नजर

इंद्रनाथ ने बीमा व पेंशन योजनाओं की जानकारी दी

लातेहार। भारतीय स्टेट बैंक, महुआडांड़ के शाखा प्रबंधक मिन्सेलास लकड़ा ने महुआडांड़ कें इद्रनाथ प्रसाद के सीएसपी का मासिक निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होने केंद्र में आयोजित सेच्यूरेशन शिविर को संबोधित करते हुए ग्रामीणों को कई जानकारी दी. सीएसपी संचालक इंद्रनाथ प्रसाद ने बताया कि प्रधानमंत्री जन धन योजना के दस वर्ष पूरे हो गये हैं. ऐसे में वैसे बचत खातों को एक्टिव किया गया जो किसी कारण से बंद हो गये थे या फिर चालू नहीं थे. ऐसे खाते भी सामने आये जिनका केवाईसी नहीं हो पाया था. उनका रिवेरीफिकेशन किया गया. उन्होने शिविर में बताया कि भारत सरकार के द्वारा प्रायोजित एवं समर्थित तीन सामाजिक सुरक्षा योजनायें जैस प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना और अटल पेंशन योजना की जानकारी दी गयी. बैंक के शाखा प्रबंधक मिन्सेलास लकड़ा ने कहा कि बैंक अपने ग्राहकों का बीमा एवं पेंशन योजना का लाभ देने के लिए संकल्पित है. उन्होंने बताया कि शिविर में नये खाते भी खोले गये. पीएलवी इंद्रनाथ प्रसाद ने बताया कि डोर टू डोर संपर्क कर खाते खोले जा रहे हैं और बीमा एवं पेंशन योजना का लाभ दिया जा रहा है.

संत मरियम में बच्चों को दी गई फाइलेरिया की दवा

मेदिनीनगर। फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत सोमवार को संत मरियम स्कूल के बच्चों को फाइलेरिया की दवा खिलाई गई। मेदिनीनगर सदर अस्पताल से आए एनएमटीसी की टीम ने बच्चों को फाइलेरिया (हाथीपांव) के दुष्प्रभावों के बारे में भी जानकारी दी। इस मौके पर एएनएम रीना रेनू ने बताया कि यह दवा साल में एक बार लेने से 80 से 90 प्रतिशत तक इस बीमारी के फैलाव को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह दवा पूरी तरह सुरक्षित और असरदार है। गौरतलब है कि पलामू जिले को फाइलेरिया मुक्त बनाने के उद्देश्य से 10 से 25 अगस्त तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत सहिया, एएनएम और आंगनबाड़ी सेविकाएं घर-घर जाकर लोगों को दवा खिला रही हैं। स्कूलों में भी बच्चों को दवा दी जा रही है ताकि शुरुआत से ही रोग की रोकथाम की जा सके।

बारिश से दो परिवारों का घर ढहा, मदद की गुहार

उंटारी रोड (पलामू)। लगातार दो दिनों तक हुई बारिश से जोगा पंचायत के दरुआ गांव में दो परिवारों को गंभीर नुकसान हुआ है। अनिता देवी के खपरैल मकान का एक बड़ा हिस्सा भारी बारिश के कारण गिर गया है, जिससे परिवार परेशान है। वहीं, गांव के ही राजेन्द्र चौधरी के खपरैल घर में पानी घुस गया है, जिससे उनके कई कीमती सामान खराब हो गए हैं। राजेन्द्र ने बताया कि बारिश के कारण घर में पानी भर जाने से सामान बगल के घर में सुरक्षित रखा गया है। दोनों परिवारों ने इस आपदा की सूचना प्रशासन को दी है और शीघ्र सहायता की मांग की है ताकि उनकी मुश्किलें कम हो सकें। स्थानीय लोग भी इन परिवारों की स्थिति को देखकर उन्हें प्रशासन से मदद दिलाने की मांग कर रहे हैं।

लातेहार : गला नदी मुक्तिधाम में पौधारोपण

लातेहार। लातेहार प्रखंड के तरवाड़ीह-सरजू पथ स्थित गला नदी तट के मुक्तिधाम घाट पर उप प्रमुख राजकुमार प्रसाद और जिला कांग्रेस मीडिया प्रभारी पंकज तिवारी के नेतृत्व में वृक्षारोपण किया गया. श्मशान घाट और दशगात्र घाट पर बरगद, पीपल, बेल और नीम के पौधे लगाए गए. इस मौके पर उप प्रमुख राजकुमार प्रसाद ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण आवश्यक है. श्मशान घाट पर छाया की कमी से अंतिम संस्कार के समय लोगों को धूप में परेशानी होती थी, जिसे ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया. जिला कांग्रेस मीडिया प्रभारी पंकज तिवारी ने सभी से पर्यावरण को बचाने और उसे सुंदर बनाने के लिए पौधे लगाने तथा उनका संरक्षण करने की अपील की. उन्होंने बताया कि इस पहल में ग्रामीणों ने भी सहयोग दिया है, जिससे कार्य को सफलता मिली है. इस पौधारोपण कार्य को स्थानीय लोगों ने खूब सराहा है. कार्यक्रम में समाजसेवी रविंद्र प्रसाद, कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष रब्बानी हुसैन, कामगार कर्मचारी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष कामिल अंसारी सहित अन्य स्थानीय नेता और लोग उपस्थित थे.

मेदिनीनगर

उपायुक्त ने की पशुपालन सहित कृषि व सहकारी विभाग की समीक्षा

लक्ष्य था 9300 स्पॉन आपूर्ति का, 5120 उत्पादकों को ही वितरित हो पाया

शुभम संदेश । मेदिनीनगर

उपायुक्त समीरा एस ने सोमवार को समाहरणालय सभागार में कृषि, गव्य, मत्स्य, उद्यान, सहकारिता, भू-संरक्षण एवं पशुपालन विभागों की समेकित समीक्षा बैठक आयोजित की. बैठक में विभागों द्वारा निर्धारित भौतिक लक्ष्यों और उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी ली गई.

मत्स्य विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने बताया कि इस वर्ष मत्स्य बीज उत्पादकों को स्पॉन की आपूर्ति का लक्ष्य 9300 रखा गया था, जबकि अब तक 5120 उत्पादकों को ही स्पॉन वितरित किया गया है. जलाशयों में ग्रासकार्प मत्स्य अंगुलिकाओं के संचयन का लक्ष्य 4 लाख है. इसके अतिरिक्त 370 मत्स्य पालकों को फीड और जाल की आपूर्ति करनी है, जिसमें अब तक 259 मत्स्य पालकों को फीड और जाल वितरित किया जा चुका है. उपायुक्त ने मत्स्य प्रसार प्रशिक्षण, अनुसंधान योजना, समेकित मत्स्य पालन योजना, फीड बेस्ड फिशरीज एवं केज कल्चर विस्तार योजना पर भी चर्चा की.

पशुपालन विभाग की समीक्षा में प्रमुख रूप से पशुओं के चारा उपलब्धता, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, पशु टीकाकरण, बकरा विकास योजना, बैकयार्ड कुक्कुट पालन, बतख चूजा वितरण, ब्रायलर कुक्कुट पालन एवं सूकर विकास योजनाओं का क्रियान्वयन जांचा गया. डीसी ने पशुपालन पदाधिकारी को सभी योजनाओं को लक्षित और योग्य लाभुकों तक पहुंचाने के निर्देश दिए. साथ ही बकरा एवं सूकर पालकों के प्रशिक्षण, कृत्रिम और प्राकृतिक गर्भधारण से उत्पन्न पशुओं की संख्या तथा चिकित्सा की गई पशुओं की जानकारी भी ली गई.

कृषि विभाग के तहत विभिन्न बीज वितरण की स्थिति की भी समीक्षा की गई. उपायुक्त ने कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया कि किसानों को समय पर उचित दर पर खाद और बीज उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए.

बैठक में जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, भू-संरक्षण, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग के प्रतिनिधि उपस्थित थे. इस समेकित समीक्षा से विभागीय कार्यों को प्रभावी बनाने और लक्ष्यों की प्राप्ति में तेजी लाने की उम्मीद जताई गई है.

नारायण सेवा समिति ट्रस्ट ने ठेमी गांव में वस्त्र वितरित किया

शुभम संदेश । सतबरवा

नारायण सेवा समिति ट्रस्ट के द्वारा सोमवार सुबह 9 बजे ठेमी गांव में जरूरतमंद, गरीब और असहाय लोगों के बीच वस्त्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट के अध्यक्ष निर्दोष कुमार उर्फ अकलू बाबा ने की.

इस अवसर पर अकलू बाबा ने समाज के उत्थान के लिए नशा मुक्ति और शिक्षा को जरूरी बताते हुए कहा कि वस्त्र वितरण एक सेवा कार्य है, लेकिन इसका उद्देश्य समाज को एक महत्वपूर्ण संदेश देना भी है. उन्होंने कहा कि नशा हमारे जीवन को बर्बाद करता है, यह न केवल हमारी सेहत और परिवार को प्रभावित करता है, बल्कि बच्चों की पढ़ाई और समाज की प्रगति को भी रोकता है. उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों से अपील की कि वे नशे से दूर रहें और समाज को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लें. साथ ही, उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह चाबी है जो गरीबी और अज्ञानता के ताले को खोल सकती है. यदि हम अपने बच्चों को शिक्षित करेंगे, तो वे भविष्य में डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक और अधिकारी बनकर गांव और परिवार का नाम रोशन करेंगे. कार्यक्रम के अंत में उन्होंने सभी से यह प्रण लेने की अपील की कि – नशे से दूर रहेंगे, बच्चों को हर हाल में पढ़ाएंगे, और समाज को शिक्षित व जागरूक बनाएंगे. इस मौके पर बिहारी प्रसाद, आदित्य प्रसाद, विनोद भुइयां, बैजनाथ भुइयां, राजकुमार भुइयां सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे.

ब्रीफ न्यूज

वाहन की चपेट में आने से पिता की मौत, पुत्र घायल

पिपरवार। पिपरवार थाना क्षेत्र के कल्याणपुर महादेव नाला के पास सोमवार को तेज रफ्तार कोल वाहन (हाइवा डंपर) ने स्कूटी सवार पिता-पुत्र को टक्कर मार दी. हादसे में रांची के हातमा निवासी मनोज कुमार राणा की मौत हो गई, जबकि उनका पुत्र बंटी राणा गंभीर रूप से घायल हो गया. दोनों रांची से टंडवा जा रहे थे. प्राथमिक उपचार के बाद रांची रेफर किया गया, जहां मनोज की मौत हो गई. घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने पिपरवार-टंडवा मुख्य मार्ग को जाम कर दिया, जिससे आवागमन ठप हो गया. रैयत विस्थापित मोर्चा ने घटना की निंदा करते हुए मृतक के परिजन को मुआवजा और घायल के बेहतर इलाज की मांग की है.

मुखिया गुंजन सिंह की पहल पर बचरा में आधार सेवा कैंप

पिपरवार। बचरा उत्तरी पंचायत की मुखिया एवं झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुंजन कुमारी सिंह की पहल पर मिडिल स्कूल बचरा में 25 अगस्त से 30 अगस्त तक आधार सेवा कैंप का आयोजन किया गया है. पंचायत में आधार केंद्र नहीं होने से लोगों को काफी परेशानी हो रही थी, जिसे देखते हुए मुखिया ने उपायुक्त चतरा कीर्तिश्री से आग्रह कर यह कैंप लगवाया. कैंप के पहले दिन 14 लोगों ने नया आधार कार्ड बनवाया, जबकि 25 लोगों ने शुद्धिकरण और अपडेट कराया। इस सेवा से ग्रामीणों को अब दूर नहीं जाना पड़ेगा. गुंजन सिंह ने बताया कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है और ऐसे प्रयास आगे भी जारी रहेंगे.

21 सूत्री मांगों को लेकर शुरू की अनिश्चितकालीन बंदी

पिपरवार। न्यू बिजैन पुनर्वास केंद्र के विस्थापित ग्रामीणों ने सोमवार से अपनी 21 सूत्री मांगों को लेकर पिपरवार क्षेत्र में अनिश्चितकालीन बंदी शुरू कर दी. आक्रोशित ग्रामीण खदान क्षेत्र पहुंचकर कोयला खनन और ट्रांसपोर्टिंग कार्य को पूरी तरह ठप करा दिया और सीसीएल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. विस्थापित नेता रंथु गंझु ने बताया कि तीन महीने पहले भी इन्हीं मांगों को लेकर बंदी की गई थी, जिसे प्रबंधन द्वारा आश्वासन के बाद स्थगित किया गया था लेकिन मांगें अब तक पूरी नहीं हुई हैं, जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश है. मुख्य मांगों में लंबित नौकरी व मुआवजा भुगतान, पुनर्वास स्थल में पार्क, स्टेडियम, जलमीनार, सड़क, स्ट्रीट लाइट, पुस्तकालय, स्वास्थ्य उपकेंद्र व अन्य मूलभूत सुविधाएं शामिल हैं.

सांसद की मौजूदगी में एनएमडीसी और ग्रामीणों के बीच अहम वार्ता

हजारीबाग। बड़कागांव प्रखंड के नापो पंचायत स्थित इंद्रा और बसरिया गांव में प्रस्तावित रोहाने माइंस परियोजना को लेकर हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल की उपस्थिति में एनएमडीसी के अधिकारियों और प्रभावित ग्रामीणों के बीच महत्वपूर्ण बैठक हुई. बैठक में कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि जल्द ही एक विस्तृत प्रारूप तैयार किया जाएगा, जिसमें विस्थापन, मुआवजा और रोजगार से संबंधित सभी प्रावधान शामिल होंगे. इसके बाद एक बार फिर सभी पक्षों के साथ मिलकर आगे की रणनीति पर चर्चा की जाएगी ताकि परियोजना को पारदर्शी और न्यायसंगत तरीके से आगे बढ़ाया जा सके. सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि यह पहल ग्रामीणों के हितों की रक्षा के साथ-साथ विकास कार्यों को संतुलित रूप से आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है.

स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए उपायुक्त की समीक्षा बैठक

चिकित्सकों व उपकरणों की स्थिति पर विशेष चर्चा

शुभम संदेश। हजारीबाग

जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और प्रभावी एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई. इस बैठक में मेडिकल कॉलेज के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष (एचओडी) तथा वरीय अधिकारी मौजूद थे. बैठक में चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ की उपलब्धता और चिकित्सीय उपकरणों की स्थिति पर विस्तार से चर्चा हुई. उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि जिलेवासियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है.

उपायुक्त ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने विभागों की आवश्यकताओं का पूर्ण आकलन कर चिकित्सीय उपकरणों व संसाधनों की विस्तृत सूची शीघ्र तैयार करें, ताकि त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित हो सके. उन्होंने बेहतर रखरखाव और उपलब्ध उपकरणों का अधिकतम उपयोग करने पर जोर देते हुए कहा कि खराब पड़े उपकरणों की मरम्मत पर भी ध्यान दिया जाएगा. इस दौरान उपायुक्त ने यह भी कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने में नर्सिंग स्टाफ और पैरामेडिकल कर्मचारियों की भूमिका महत्वपूर्ण है. इसलिए उनकी संख्या और दक्षता दोनों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. विभागाध्यक्षों ने अपने-अपने विभागों की वर्तमान चुनौतियों और आवश्यकताओं के संबंध में सुझाव साझा किए, जिन्हें उपायुक्त ने गंभीरता से लिया.

उपायुक्त ने सभी को भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन स्वास्थ्य क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव प्रयास करेगा ताकि मरीजों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें. बैठक में मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक अनुकरण पूर्ति, कपिल मुनि प्रसाद सहित कई विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे.

सूर्य हांसदा हत्या मामला, सीबीआई जांच की मांग

भाजपा विधायकों ने किया विधानसभा परिसर में प्रदर्शन

शुभम संदेश। हजारीबाग

सोमवार को झारखंड विधानसभा परिसर में भाजपा के विधायकों ने सूर्य हांसदा की नृशंस हत्या के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया. इस प्रदर्शन का नेतृत्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने किया. विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि यह केवल हत्या नहीं, बल्कि झारखंड की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाता है. प्रदीप प्रसाद ने आरोप लगाया कि आदिवासी समाज के हित में बनी राज्य सरकार अपनी जिम्मेदारियों में विफल साबित हुई है. आदिवासी सरकार होने के बावजूद आदिवासी समाज की सुरक्षा और अस्मिता खतरे में है. उन्होंने स्पष्ट किया कि सूर्य हांसदा की हत्या की निष्पक्ष जांच केवल सीबीआई कर सकती है, लेकिन राज्य सरकार इस मांग को अनदेखा कर रही है.

उन्होंने कहा कि भाजपा न्याय मिलने तक लड़ाई जारी रखेगी. पार्टी सदन से लेकर सड़कों तक हर जगह संघर्ष करेगी ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिले और दोषियों को सख्त से सख्त सजा दी जाए. विधायक प्रदीप प्रसाद ने जनता से अपील की कि अन्याय के खिलाफ भाजपा के साथ खड़े हों. उन्होंने कहा कि सूर्य हांसदा की हत्या पर चुप रहना न्याय के साथ विश्वासघात होगा. भाजपा अन्याय और दमन के खिलाफ हमेशा दृढ़ता से खड़ी रहेगी.

उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई बैठक

योजनाओं के पारदर्शी क्रियान्वयन पर दिया जोर

शुभम संदेश। हजारीबाग

उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभागार में कृषि एवं पशुपालन विभाग की जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई. बैठक में जिले में विभिन्न कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, गव्य विकास, बागवानी और सहकारिता विभागों की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई. उपायुक्त ने कहा कि सभी योजनाओं का लाभ लक्षित और पात्र लाभुकों तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है.

बैठक के दौरान उपायुक्त ने केसीसी योजना को व्यापक रूप से लागू करने पर विशेष ध्यान दिया और सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारियों को बैंकों के साथ समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक किसानों को इस योजना से जोड़ने के निर्देश दिए. गव्य विकास एवं पशुधन योजनाओं में भी पात्र लाभुकों का सत्यापन कर योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने पर बल दिया गया. उन्होंने पशुओं के शत-प्रतिशत टीकाकरण तथा इसकी नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा. इसके साथ ही कृषक पाठशाला का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश भी दिया गया. मत्स्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा में तालाब, जलाशय और डैम में मत्स्य पालन गतिविधियों की जानकारी ली गई. उपायुक्त ने सभी प्रखंड एवं जिला स्तरीय अधिकारियों को क्षेत्र भ्रमण कर स्थिति का जायजा लेने एवं रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए ताकि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया जा सके.

राष्ट्रीय खेल दिवस पर जिला स्तरीय क्विज,भाषण एवं चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन

विजेता करेंगे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में रामगढ़ का प्रतिनिधित्व

रामगढ़। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर सोमवार को सीएम एसओई गर्ल्स स्कूल रामगढ़ में जिला स्तरीय क्विज, भाषण और चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. जिला शिक्षा अधीक्षक संजीत कुमार की देखरेख में आयोजित इस प्रतियोगिता में जिले के सभी प्रखंडों से कुल 36 प्रतिभागी (18 बालक और 18 बालिका) शामिल हुए. क्विज प्रतियोगिता में ओलंपिक इतिहास और भारत की उपलब्धियों पर प्रश्न पूछे गए, चित्रांकन प्रतियोगिता में "स्वस्थ शरीर स्वस्थ जीवन" विषय पर चित्र बनाए गए और भाषण प्रतियोगिता में मेजर ध्यानचंद जी के जीवन पर प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए. क्विज प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की खुशनुमा परवीन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया. बालक वर्ग में लव कुश कुमार यादव (आर एम एल एस हाई स्कूल बोंगाहारा मांडू) ने पहला स्थान हासिल किया. भाषण प्रतियोगिता में बालिका वर्ग की प्रथम विजेता पल्लवी कुमारी (पीएम श्री उच्च विद्यालय, रजरप्पा) रहीं, जबकि बालक वर्ग में दीपक कुमार (उत्क्रमित उच्च विद्यालय, चांदी हिंदी गोला) ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया. चित्रांकन प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में सुलेखा कुमारी (नवप्राथमिक विद्यालय, बांसगड़ी पतरातू) और बालक वर्ग में कृष्ण कुमार (उत्क्रमित उच्च विद्यालय, चाड़ी हिंदी गोला) प्रथम स्थान पर रहे.सभी विजेताओं को प्रखंड प्रसार शिक्षा पदाधिकारी सुलोचना कुमारी, एपीओ कुमार राज और अन्य निर्णायकों ने प्रमाणपत्र एवं शील्ड प्रदान किए.

राजीव जायसवाल ने किसानों को दिलाया नया ट्रांसफार्मर

शुभम संदेश। रामगढ़

गोला प्रखंड के कुम्हारदगा पंचायत अंतर्गत नावाडीह गांव में हाल ही में खराब हुए 63 केवीए ट्रांसफार्मर के कारण किसानों को भारी परेशानी हो रही थी. बारिश के कारण ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो गया था, जिससे प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र विकास योजना के तहत संचालित सिंचाई व्यवस्था ठप हो गई थी. किसानों की इस समस्या की जानकारी गोला मंडल सांसद प्रतिनिधि प्रीतम झा ने रामगढ़ जिला सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल को दी. जानकारी मिलते ही राजीव जायसवाल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए क्षेत्र के किसानों के लिए नया 63 केवीए का ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया. इससे प्रभावित किसानों को राहत मिली और उनकी खेती से जुड़ी गतिविधियां दोबारा शुरू हो पाईं. मौके पर उपस्थित किसानों ने इस पहल के लिए सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल का आभार जताया. इस दौरान जायसवाल ने कहा, ₹किसानों की सेवा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है. सिंचाई जैसी बुनियादी सुविधाओं में कोई रुकावट न हो, यह सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है.

उन्होंने कहा कि हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल के मार्गदर्शन में क्षेत्र में विकास कार्यों को गति दी जा रही है और भविष्य में भी किसानों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा.

बांका पुल पर कीचड़ का कहर, हादसों का बना कारण

हंटरगंज (चतरा)। चतरा जिले के हंटरगंज-शेरघाटी मुख्य मार्ग पर स्थित बांका पुल इन दिनों लोगों के लिए गंभीर परेशानी का सबब बन गया है. हाल की बारिश के बाद पुल क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसे अस्थायी रूप से मिट्टी भर कर दुरुस्त किया गया. लेकिन अब यही मिट्टी कीचड़ में तब्दील हो चुकी है, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं. पुल पर जमा कीचड़ के कारण बाइक सवार और स्कूली बच्चे फिसल कर घायल हो रहे हैं. स्थानीय लोगों के अनुसार, पुल के नीचे करीब 10 फीट गहरा गड्ढा है, जो किसी बड़े हादसे को न्योता दे रहा है. झारखंड से बिहार की ओर जाने वाले राहगीरों को इस स्थिति में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है. इस समस्या से आक्रोशित सैकड़ों स्थानीय ग्रामीणों ने सोमवार दोपहर को जमकर विरोध प्रदर्शन किया. उन्होंने स्थानीय विधायक और सांसद के खिलाफ नारेबाजी करते हुए तत्काल मरम्मत की मांग की. प्रदर्शनकारियों में नागेंद्र राम, चंदन पटेल, विशाल पटेल, मंटू पंडित, कृष्णा पासवान, धीरज राम, विद्यानंद पटेल सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल थे.

पतरातू के पूर्वी क्षेत्र के लिए अलग प्रखंड जरूरी : मंच

- चैनगड़ा को प्रखंड बनाने की मांग को लेकर विधायक जयराम महतो को सौंपा गया ज्ञापन

शुभम संदेश। रामगढ़

पतरातू दौरे पर जा रहे डुमरी विधायक जयराम महतो को बुद्धिजीवी मंच द्वारा चैनगड़ा को अलग प्रखंड बनाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया. मंच के अध्यक्ष प्रदीप करमाली और सचिव डॉ. शाहनवाज खान के नेतृत्व में दो नंबर गेट, नया नगर बरकाकाना में विधायक का स्वागत करते हुए ज्ञापन सौंपा गया. ज्ञापन में कहा गया कि चैनगड़ा को प्रखंड बनाए जाने की मांग लंबे समय से हो रही है, जो पूरी तरह उचित और संवैधानिक है. वर्तमान में पतरातू प्रखंड में 46 पंचायत शामिल हैं, जिससे प्रखंड मुख्यालय पर कार्यभार अत्यधिक बढ़ गया है. इससे प्रशासनिक कामों में देरी होती है और आम जनता को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है. पतरातू प्रखंड के पूर्वी क्षेत्र के गांवों की प्रखंड मुख्यालय से दूरी 45 किलोमीटर तक है, जिससे ग्रामीणों का समय और खर्च दोनों अधिक हो जाता है. डॉ. शाहनवाज ने कहा कि जब रामगढ़ में 12, दुलमी में 10 और चितरपुर में 13 पंचायतों को लेकर प्रखंड बनाए जा सकते हैं, तो 46 पंचायतों वाले पतरातू से चैनगड़ा को अलग क्यों नहीं किया जा सकता. उन्होंने सरकार से मांग की कि सियुर, कंडेर, सिधवार, लोको, पोचरा, बरकाकाना, चैनगड़ा समेत दर्जनों गांवों को मिलाकर चैनगड़ा को नया प्रखंड घोषित किया जाए. इस मौके पर मंच के कोषाध्यक्ष मो. सलीम, प्रदीप चक्रवर्ती, गिरीशंकर महतो, गुड्डु कुमार, देवकी बेदिया समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे.

एक नजर

मुन्ना सिंह ने बांका में स्व. जयराम के परिवार से की मुलाकात

हजारीबाग । कांग्रेस नेता और पूर्व सदर विधानसभा प्रत्याशी मुन्ना सिंह सोमवार को कटकमदाग प्रखंड के बांका गांव पहुंचे. उन्होंने स्व. जय कुमार राम के शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया. मुन्ना सिंह ने कहा कि इस दुख की घड़ी में वे और कांग्रेस पार्टी परिवार के साथ खड़ी है. उन्होंने दिवंगत जय कुमार राम के व्यक्तित्व और योगदान को याद करते हुए उनकी आत्मा की शांति की कामना की. मुन्ना ने परिवार को इस कठिन समय में धैर्य बनाए रखने की प्रेरणा दी. इस दौरान गांव के कई गणमान्य लोग भी मौजूद थे, जिनमें उपेंद्र कुमार, सुनील प्रजापति, महेंद्र महतो, अमर कुमार, कृष्णा महतो, अवधेश प्रजापति, पिंटू साव, सुरेश साव, परमेश्वर साव, मोहन राम और राजू राम शामिल थे. निजी मीडिया प्रतिनिधि विक्की कुमार धान भी इस अवसर पर उपस्थित थे.

डीडब्लूओ के निधन पर शोकसभा का आयोजन

कोडरमा । श्रीमती शीतल उषा किरण कन्डीर, अनुमण्डल कल्याण पदाधिकारी, सह प्रभारी जिला कल्याण पदाधिकारी कोडरमा के आकस्मिक मृत्यु से पूरा समाहरणालय परिवार मर्माहत है. दिवंगत आत्मा की शांति हेतु उप विकास आयुक्त श्री रवि जैन के नेतृत्व में जिले के सभी पदाधिकारी एवं कर्मचारियों ने 02 मिनट मौन धारण किया गया. इस मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप कुमार शुक्ला समेत पदाधिकारी और कर्मीगण मौजूद रहे.

तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थानों के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण

कोडरमा । सिविल सर्जन सभागार में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीसीपी) के तहत सोमवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार ने की. इस दौरान स्कूली शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग के चयनित प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों को अपने शिक्षण संस्थानों को तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान घोषित करने की प्रक्रिया और दिशा-निर्देशों से अवगत कराया गया. डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि तंबाकू सेवन किशोरावस्था में बढ़ रहा है, जो शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दृष्टि से खतरनाक है. उन्होंने सभी शिक्षकों को तंबाकू से दूर रहने और दूसरों को भी इससे बचाने की शपथ दिलाई. प्रशिक्षण में डॉ. नीलमणि ने तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों और उससे छुटकारा पाने के लिए चिकित्सीय तथा मनोवैज्ञानिक परामर्श के बारे में जानकारी दी. जिला परामर्शी दीपेश कुमार ने ₹कोटपा-2003₹ एवं ₹कोटपा झारखंड संशोधन अधिनियम-2021₹ के प्रावधानों और अनुपालन की अहमियत समझाई. कार्यक्रम में सुमन कुमार, विजय कुमार यादव, रामचंद्र पंडित, जितेंद्र कुमार पांडेय, इन्द्रदेव कुमार राम, सुशील राम, कुणाल कुमार सहित अनेक शिक्षक और स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे.

चेक डैम से एक व्यक्ति का शव बरामद

कोडरमा । तिलैया डैम ओपी क्षेत्र अंतर्गत बड़की धमराय पंचायत के मंझगांवां गांव स्थित गोखाने नदी पर बने चेकडैम में डूब जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गयी. यह घटना सोमवार सुबह 9 बजे की है. मृतक की पहचान सुभाष राणा, पिता दर्शन राणा उम्र 48 वर्ष के रूप में की गयी है. स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतक चैकडैम नहाने के लिए गया था. नहाने के दौरान पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया. जहां उसकी मौत हो गयी. वहीं, घटना के बाद ग्रामीणों की काफी भीड़ इकट्ठा हो गयी. शव को ग्रामीणों के सहयोग से निकाला गया.

मुखिया ने बच्चों और शिक्षकों को किया सम्मानित

केरेडारी। केरेडारी प्रखंड के मध्य विद्यालय पेटो में सोमवार को एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को सम्मानित किया गया. यह कार्यक्रम स्थानीय मुखिया कौशल्या देवी के सौजन्य से संपन्न हुआ. समारोह में राज्य मेधा छात्रवृत्ति, नवोदय विद्यालय और मॉडल स्कूल प्रवेश परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों को मेडल पहनाकर, कलम और डायरी भेंट कर सम्मानित किया गया. साथ ही विद्यालय के प्रधानाध्यापक रामेश्वर राम और सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को शॉल ओढ़ाकर सम्मान प्रदान किया गया. इस अवसर पर पूर्व मुखिया रेशमा परवीन, समाजसेवी गुरुदयाल साव, प्रबंधन समिति अध्यक्ष चित्तरंजन प्रसाद, सदस्य सुनील साव, अमित कुमार गुप्ता, शंकर साहा, रामेश्वर साहू सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे. सभी अतिथियों ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि शिक्षा ही जीवन का अनमोल रत्न है और यही एक सभ्य समाज की नींव रखती है. उन्होंने कहा कि कठिनाइयों के बावजूद बच्चों को निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए, सफलता अवश्य मिलेगी. समारोह में दर्जनों अभिभावकों के साथ-साथ राजेन्द्र प्रसाद, बीरेंद्र प्रसाद, उषा कुमारी, अवधेश कुमार यादव, विनिता देवी, असमत आरा, मनीष कुमार, आशा देवी सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे.

सहकार भारती के प्रमंडलीय अभ्यास वर्ग की तैयारी जोरों पर, 31 अगस्त को होगा आयोजन

हजारीबाग। सहकार भारती की उत्तर छोटानागपुर प्रमंडलीय अभ्यास वर्ग की तैयारी को लेकर रविवार को हजारीबाग परिसदन में जिला इकाई की बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अनूप भाई ने की, जबकि संचालन जिला सचिव अरविंद कुमार सिंह द्वारा किया गया. बैठक का मुख्य उद्देश्य 31 अगस्त 2025 को होने वाले अभ्यास वर्ग की तैयारियों को अंतिम रूप देना था. बैठक में कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु विभिन्न कार्यों के लिए कार्यक्रम पदाधिकारी नियुक्त किए गए. आयोजन चार सत्रों में होगा, जिसमें प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी तथा गणमान्य अतिथि शामिल होंगे.

रोजगार

रामगढ़ में निष्ठा स्किल ट्रेनिंग सेंटर में विशेष प्लेसमेंट ड्राइव का सफल आयोजन

सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार ने किया जॉब ऑफर लेटर व सिलाई मशीन वितरण

शुभम संदेश। रामगढ़

श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग की मुख्यमंत्री सारथी योजना के तहत रामगढ़ जिले के कुज्जू स्थित निष्ठा स्किल ट्रेनिंग सेंटर में एक विशेष प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा नेता एवं सांसद प्रतिनिधि (मीडिया) धनंजय कुमार पुटूस थे, जिनके साथ जिला नियोजन पदाधिकारी धनंजय कुमार और परियोजना सहायक कुलदीप कुमार सिंह भी उपस्थित थे. इस अवसर पर कुल 37 छात्र-छात्राओं को रोजगार के लिए जॉब ऑफर लेटर प्रदान किए गए, जबकि 16 लाभार्थियों को घरेलू सिलाई मशीनें वितरित की गईं। यह पहल युवाओं को स्वरोजगार और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुई. निष्ठा स्किल ट्रेनिंग सेंटर की ओर से मनीष कुमार सिंह और अंकिता राय, तथा एक्सेल डाटा सर्विसेज की ओर से अरविंद कुमार, सुशील कुमार और नेहा कुमारी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार पुटूस ने अपने संबोधन में कहा कि कौशल विकास योजनाओं का उद्देश्य युवाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। जॉब ऑफर लेटर और सिलाई मशीन वितरण न केवल रोजगार प्रदान करता है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ठोस प्रयास भी है. उन्होंने युवाओं और महिलाओं को इस पहल से प्रेरणा लेकर उज्जवल भविष्य की ओर कदम बढ़ाने की सलाह दी.

कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों ने इस पहल के लिए आभार व्यक्त किया और इसे जीवन बदलने वाला अवसर बताया. इस दौरान संतोष कुमार, चंदन कुमार, कुलदीप कुमार, निशा देवी, शुभम कुमार, प्रिंस कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद थे.

यह प्लेसमेंट ड्राइव क्षेत्र के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खोलने में सहायक साबित होगा और उनके आर्थिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा.

28 अगस्त से रामगढ़ में खेलो झारखंड प्रतियोगिता का होगा आयोजन, 3600 खिलाड़ी होंगे शामिल

शुभम संदेश। रामगढ़

आगामी 28 अगस्त 2025 से रामगढ़ में जिला स्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ किया जाएगा. इसको लेकर सोमवार को सीएम एसओई गर्ल्स स्कूल में जिला शिक्षा अधीक्षक संजीत कुमार और एपीओ कुमार राज की उपस्थिति में जिले के सभी शारीरिक शिक्षा शिक्षकों और तकनीकी पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई.

प्रतियोगिता का आयोजन गांधी मेमोरियल प्लस टू उच्च विद्यालय एवं सिद्धू कान्हू मैदान में किया जाएगा. इस प्रतियोगिता में खो-खो, कबड्डी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, ताइक्वांडो, रस्सा-कस्सी, जूडो, वूशु और वॉलीबॉल सहित कई खेलों को शामिल किया गया है. इन खेलों में जिले भर से अंडर 14, 17 और 19 आयु वर्ग के बालक/बालिका वर्ग के लगभग 3600 खिलाड़ी भाग लेंगे.

आयोजन को सफल बनाने हेतु मुख्य आयोजन समिति, पंजीयन एवं पुरस्कार वितरण समिति, ज्यूरी ऑफ अपील समिति, उद्घोषणा समिति, मीडिया सेल, चिकित्सा समिति, भोजन समिति समेत कई समितियों का गठन कर लिया गया है.

जिला शिक्षा अधीक्षक संजीत कुमार ने कहा कि यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पहुँचने का एक सशक्त मंच प्रदान करती है. उन्होंने सभी शिक्षकों की मेहनत की सराहना करते हुए प्रतियोगिता के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.

बैठक में जिले के सभी शारीरिक शिक्षा शिक्षक मौजूद थे.

शुभम संदेश
रांची, मंगलवार 26 अगस्त, 2025

ब्रीफ न्यूज

सिमडेगा: वाहन चेकिंग अभियान, रुपया 1.01 लाख का जुर्माना

सिमडेगा। सिमडेगा उपायुक्त कंचन सिंह के निर्देश पर सोमवार को जिला परिवहन पदाधिकारी के नेतृत्व में वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया. इस दौरान 43 वाहनों की जांच की गई, जिनमें से 36 पर कुल 1,01,750 का जुर्माना लगाया गया. जांच में दस्तावेज, हेलमेट-सीट बेल्ट का उपयोग, प्रेशर हॉर्न व अन्य यातायात नियमों का पालन मुख्य रूप से शामिल रहा. साथ ही चालकों को सड़क सुरक्षा संबंधी जानकारी देकर जागरूक किया गया.

फरार नाबालिग बाइक चोर को भेजा सुधार गृह

महुआडांड़ (लातेहर)। थाना क्षेत्र के अंबवाटोली से एक नाबालिग बाइक चोर को पुलिस ने पकड़ कर सुधार गृह भेज दिया है. वह पिछले कई दिनों से फरार चल रहा था. थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि वह कांड संख्या 40/25, 15/08/2025, धारा-303(2)/3(5) बीएनएस का नामजद आरोपी था. प्राथमिकी अभियुक्त को विधिवत निरुद्ध कर न्यायालय, लातेहार में उपस्थापन पश्चात सुधार गृह, पलामू भेजा गया. ज्ञात हो कि बीते 15 अगस्त को बड़ाईक टोली से दो नाबालिग बाइक चोर मोटरसाईकिल चोरी कर भाग रहे. पुलिस ने मौके पर एक नाबालिग को पकड़ कर सुधार गृह भेज दिया था.

कैरो में 25 केवीए नया ट्रांसफार्मर लगाया

कैरो/लोहरदगा। गजनी पंचायत के गराडीह इमली टोली में 30 दिन से जले हुए ट्रांसफार्मर की समस्या दूर करते हुए 25 केवीए का नया ट्रांसफार्मर लगाया गया. इससे गांव के किसानों, विद्यार्थियों और आम जनता को हो रही कठिनाइयां समाप्त हुईं. लोहरदगा विधायक डॉ. रामेश्वर उरांव के निर्देश पर तत्काल कार्यवाही की गई. नए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन सोमवार को कैरो प्रखंड कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अनीस अहमद ने किया.

करम पर्व के सांस्कृतिक महत्व पर चर्चा, परंपरा संरक्षण का लिया संकल्प

शुभम संदेश। गुमला

कुड़ुख भाषा एवं सांस्कृतिक पुनरुत्थान केंद्र, बम्हनी, गुमला में आयोजित करम पखवाड़ा कार्यशाला में करम पर्व की सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक महत्व पर विस्तृत चर्चा की गई. कार्यशाला में कार्तिक उरांव कॉलेज के सहायक प्राध्यापक डॉ. तेतरु उरांव ने लोककथा के माध्यम से करम पर्व का महत्व समझाया. उन्होंने कहा कि यह पर्व अच्छे कर्मों से अच्छे फल की प्राप्ति का संदेश देता है.

कार्यशाला में करम पूजा में उपयोग होने वाली तीन डाली, जावा फूल, हल्दी पानी, उपवास, खीरा आदि सामग्रियों के प्रतीकात्मक अर्थ पर चर्चा की गई. भादो एकादशी को करम पूजा और अगले दिन नदी में डाली के विसर्जन की परंपरा को समझाते हुए "बुढ़िया करम" और दो सीमाना पर विसर्जन की परंपरा को भी विस्तार से बताया गया.

डॉ. उरांव ने बताया कि उरांव आदिवासी समाज में किसी प्रकार का जातीय या सामाजिक भेदभाव नहीं है. अखाड़ा की परंपरा सभी के लिए समान है, जहां जेठ-सास, भौजाई-देवर जैसे सामाजिक बंधनों की कोई रोक नहीं होती.

जितेश मिंज ने कार्यशाला में कहा कि आधुनिकता के दौर में हमारी परंपराएं, लोकगीत, नृत्य और वादन तेजी से विलुप्त हो रहे हैं. हमें अपनी भाषा, संस्कृति और रीति-रिवाजों को बचाने के लिए सामूहिक प्रयास करना होगा.

बिरसई उरांव ने यह स्पष्ट किया कि करम पर्व केवल भाई-बहन का पर्व नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज का त्योहार है, जिसमें सभी वर्गों की सहभागिता होती है.

कार्यशाला में लगभग सौ से अधिक लोग उपस्थित थे और सभी ने परंपरा संरक्षण का संकल्प लिया.

चोरी का आरोपी गिरफ्तार, चांदी के जेवर और सिक्के बरामद

गुमला। गुमला थाना की पुलिस ने चोरी के आरोप में अंबेदकर नगर हरिजन मुहल्ला से 19 वर्षीय युवक मोहित कुमार राम को रविवार की रात उसके घर से गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार मोहित के पास से पुलिस ने 27 पीस चांदी का सिक्का, एक जोड़ा चांदी का पायल, एक जोड़ा सोना का झुमका, तीन पीस सोने का अंगूठी, एक पीस सिंदूर कीया सोना का, एक पीस चांदी उर्दू से अंकित, एक रियाल लिखा हुआ सिक्का, एक चाभी, एक शुभ ज्वेलर्स लिखा हुआ छोटा बैग बरामद किया है. एसडीपीओ सुरेश प्रसाद ने बताया कि हरिजन मुहल्ला निवासी इसरत खातून के घर 23 अगस्त को को चोरी की घटना हुई थी. इसरत खातून ने घर से जेवर आदि चोरी की शिकायत गुमला थाना में की थी. गुमला थाना में बीएनएस की धारा 331(4)/ 305 (a) के तहत 23 अगस्त 25 को कांड संख्या 269 दर्ज करते हुए अनुसंधान आरंभ की. तकनीकी आधार पर पुलिस ने हरिजन मुहल्ला से मोहित कुमार को गिरफ्तार किया और उसने चोरी की घटना को अंजाम देने के बाद स्वीकार किया. उसके निशानदेही पर चोरी की सामान बरामद किया गया. एसडीपीओ ने बताया कि मोहित का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है. पिठोरिया थाना और गुमला थाना में पहले से एक-एक केस दर्ज है और जेल जा चुका है.

जिले में आफीम, गांजा, चरस जैसे नशीले पदार्थों की बिक्री पर लगे रोक

नशीले पदार्थों के कारोबार पर रोक न लगी तो नपेंगे अधिकारी: डीसी

शुभम संदेश। गुमला

उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित और पुलिस अधीक्षक हरीश बिन जमा की संयुक्त अध्यक्षता में सोमवार को राष्ट्रीय नारकोटिक्स समन्वय प्रोर्टल समिति की बैठक हुई. जिसमें उपायुक्त ने गुमला जिला को ब्राउन शुगर, अफीम, गांजा एवं अन्य नशीले पदार्थों के अवैध व्यापार के विरुद्ध शून्य सहिष्णुता अपनाने के निर्देश दिए. कहा कि जिले में नशीले पदार्थों की बिक्री व उपभोग पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित करें तथा इस संबंध में कड़ी और ठोस कार्रवाई करें.

उपायुक्त ने कहा कि यदि स्थिति में सुधार नहीं हुई तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी. उपायुक्त ने पुलिस विभाग के अधिकारियों को नियमित पेट्रोलिंग, सूचना तंत्र को सुदृढ़ बनाने तथा प्रखंड स्तरीय अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए विद्यालयों में जाकर छात्रों को नशा से दूर रहने हेतु जागरूकता कार्यक्रम चलाने का भी निर्देश दिया.

बैठक में पुलिस अधीक्षक हरीश बिन जमा ने कहा कि जिले की सीमा में प्रवेश करने वाले वाहनों एवं बाहरी नागरिकों पर विशेष निगरानी रखी जाए. अन्य शहरों से ब्राउन शुगर एवं नशीले पदार्थों के अवैध आयात-निर्यात की संभावना को देखते हुए कड़े निगरानी तंत्र की आवश्यकता है. बैठक में मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक गुमला, एसडीओ सदर, सीडीओ चैनपुर, एसडीओ बसिया, सभी एसडीपीओ, जिला सामान्य शाखा पदाधिकारी सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे.

दो बाइक के बीच टक्कर, चार घायल

गुमला। गुमला घाघरा रोड स्थित चंदाली के पास दो बाइक आपस में टकरा गई. घटना में आंजन निवासी सुधीर लोहरा राजकुमार महली दिल मोहन महली और घाघरा निवासी विजय महली घायल हो गए। चारों दो बाइक में सवार होकर सोसो अपने एक बीमार रिश्तेदार को देखने आए थे. वहीं चारों ने जमकर शराब पी लिया इसके बाद रविवार की रात 8:30 बजे अपने घर जा रहे थे तभी चंदाली के पास आगे चल रहे बाइक सवार ने बाइक धीरे कर दिया जिससे चारों आपस में टकरा गए वहीं घटना में राजकुमार महली का एक पैर टूट गया जबकि अन्य तीनों को शरीर के कई हिस्से में काफी चोट लगी है. स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना गुमला थाना को दी जिसके बाद गुमला थाना के एएसआई अविनाश तीव दलबल के साथ घटनास्थल पहुंचे वहीं चारों को पुलिस वाहन से सदर अस्पताल लाया गया जबकि पुलिस घटनास्थल से दो बाइक को जप्त कर थाना ले गई सदर अस्पताल में चारों का इलाज चल रहा है.

सांसद सुखदेव भगत ने गुमला में नई रेलवे लाइन की मांग को लेकर रेल मंत्री को सौंपा ज्ञापन

गुमला को रेलवे नेटवर्क से जोड़ने से क्षेत्र का होगा विकास, राजस्व और समय की भी होगी बचत

शुभम संदेश। गुमला/नई दिल्ली

लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुखदेव भगत ने नई दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर गुमला जिले में नई रेलवे लाइन निर्माण की मांग की. उन्होंने रेल मंत्री को एक ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि गुमला जिला दशकों से रेलवे कनेक्टिविटी से वंचित है, जबकि यहां की जनता लगातार रेलवे लाइन की मांग करती रही है.

सांसद ने बताया कि गुमला एक सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और रणनीतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण जिला है. यह परमवीर चक्र विजेता अल्बर्ट एक्का का जन्मस्थान है और अंजनी धाम, टांगीनाथ धाम, व सीता नाला जैसे पौराणिक स्थलों का केंद्र भी है. इसके बावजूद गुमला रेलवे नेटवर्क से कटा हुआ है, जिससे क्षेत्र के विकास में बाधा उत्पन्न हो रही है. उन्होंने सुझाव दिया कि बानो रेलवे स्टेशन को लोहरदगा से जोड़ने के लिए गुमला होकर नई रेलवे लाइन बनाई जाए. वर्तमान में हटिया, रांची, मुरी, बरकाकाना और खेलारी होते हुए टोरी स्टेशन जाने में लगभग 300 किलोमीटर की यात्रा करनी पड़ती है. यदि गुमला के माध्यम से यह रूट जोड़ा जाता है, तो यह दूरी 140 किलोमीटर कम हो सकती है. इससे सरकार को ईंधन व समय की बचत होगी और जनता को बेहतर यातायात सुविधा मिलेगी.

सांसद ने यह भी कहा कि वह यह मांग संसद में भी उठा चुके हैं और इसे गुमला के सर्वांगीण विकास से जोड़ते हैं. इस पर रेल मंत्री ने उन्हें सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया.

शिवचरण गोयल का चंदवा में जोरदार स्वागत, बोले

झारखंड में भी केजरीवाल मॉडल ऑफ डेवलपमेंट जरूरी है

चंदवा। रविवार को आम आदमी पार्टी के झारखंड प्रदेश प्रभारी शिवचरण गोयल का चंदवा में आगमन हुआ, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया. उनका यह दौरा झारखंड के लिए कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है. इस मौके पर आम आदमी पार्टी के मुरझाए हुए कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ और भंग हुई समितियों के पुनर्गठन की भी योजना बनाई गई.

चंदवा के मुस्कान रेस्टोरेंट के पास शिवचरण गोयल ने पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत की और कहा कि केजरीवाल मॉडल ऑफ डेवलपमेंट झारखंड के लिए भी जरूरी है. उन्होंने बुनियादी शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र पर विशेष ध्यान देने की जरूरत पर बल दिया. उन्होंने कहा कि झारखंड के हर आम आदमी को केजरीवाल बनने की आवश्यकता है ताकि वे अपने क्षेत्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभा सकें.

इस दौरान प्रदेश प्रभारी शिवचरण गोयल ने ₹झारखंड जन क्रांति मोर्चा₹ के अध्यक्ष विशाल पांडे से भी मुलाकात की और उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की.

एक नजर

गांव में ही आपस में चंदा कर बना रहे खेल स्टेडियम

महुआडांड़(लातेहर)। प्रखंड के चैनपुर पंचायत अंतर्गत ग्राम पोटमाडीह में खेल को बढ़ावा और खेल प्रतिभा को देखकर पूरे ग्राम वासियों ने घर-घर चंदा कर खेल मैदान और स्टेडियम का निर्माण कार्य की शुरुआत की. ग्राम प्रधान आनंद कुमार बेक,प्रमोद एक्का,अतुल, पंकज एवान आदि ने बताया कि गांव में अधिकांश हॉकी और फुटबॉल टूर्नामेंट अक्सर होते रहते है. मैदान और स्टेडियम की कमी को देखते हुए गांव के जमीन पर गांव स्तर से चंदा कर मैदान निर्माण कराया जा रहा पंचायत के मुखिया को कई बार आवेदन देने के बाद भी खेल मैदान का निर्माण नहीं हो सका. जबकि पंचायत और प्रखंड स्तर से खेल मैदान के लिए फंड आया हुआ था. वही खेल मैदान स्टेडियम के लिए स्थानीय विधायक को भी ग्रामीणों द्वारा आवेदन देकर मैदान निर्माण की मांग की गई थी. थक हार ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान की अध्यक्षता में बैठक कर खुद से मैदान और स्टेडियम निर्माण करने का निर्णय लेकर कमिटि गठन कर मैदान और स्टेडियम बनाने का जिम्मा लिया.

संपर्क मार्ग टूटने से आवागमन ठप, ग्रामीण परेशान

हैदरनगर (पलामू)। लगातार हो रही भारी बारिश ने हैदरनगर प्रखंड के परता पंचायत के ग्रामीणों की परेशानियां बढ़ा दी हैं. भाई बिगहा से परता कबरा कला जाने वाली पक्की सड़क पर परता मलवरिया खेत के पास संपर्क मार्ग टूट जाने से आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया है. इस वजह से ग्रामीण बाजार और प्रखंड मुख्यालय तक नहीं पहुंच पा रहे हैं. सबसे बड़ी चिंता बीमार मरीजों को अस्पताल ले जाने को लेकर है, जिससे आपातकालीन स्थिति में भारी दिक्कत हो रही है. वार्ड सदस्य और समाजसेवी रंजीत पांडेय ने पलामू उपायुक्त से शीघ्र सड़क की मरम्मत कर आवागमन बहाल करने की मांग की है. उन्होंने कहा कि जब तक सड़क ठीक नहीं होती, तब तक ग्रामीणों की परेशानी बढ़ती रहेगी. ग्रामीण प्रशासन से तुरंत कार्रवाई की उम्मीद कर रहे हैं ताकि उनका आवागमन फिर से सामान्य हो सके.

करंट लगने से युवक चेक डैम में गिरा, हुई मौत

कुडू/लोहरदगा। जिले के कुड़ू थाना क्षेत्र अंतर्गत चंदलासो में रविवार को एक हृदय विदारक घटना घटी. जिसमें चंदलासो निवासी भोला उरांव पिता भादया उरांव की मौत बिजली के करंट लगने और चेकडैम में डूबने से हो गई. जानकारी के मुताबिक भोला उरांव रविवार दोपहर अपने बकरीयों को चराने के लिए निकले थे. इस दौरान गांव के चेकडैम के पास सिंचाई के लिए बिछाए गए बिजली तार के संपर्क में आ गए. अचानक करंट लगने से वह चेकडैम में गिर पड़े और मौके पर ही दम तोड़ दिया. ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद खोजबीन कर युवक का शव चेकडैम से बाहर निकाला.

अतिवृष्टि से नामकुम में गरीब परिवारों के घर ढहे

नामकुम (रांची)। लगातार बारिश से झारखंड के नामकुम प्रखंड में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. कई गांवों के गरीब परिवारों के घर पूरी तरह गिर गए हैं. लोधमा गांव में बसंत बड़ाइक और राजू पाहन के घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जबकि करम टोली, चटकपुर, कुटियातू व खिजरी में भी पानी घुसा है. ग्रामीण बच्चों की सेहत और रहने में दिक्कत झेल रहे हैं. स्थानीय लोगों ने सरकार और आपदा विभाग की लापरवाही पर आरोप लगाते हुए मुआवजा और राहत सामग्री नहीं मिलने की शिकायत की है. भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजुर ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर तत्काल सहायता की मांग की.

तमाड़ में नए अंचल पदाधिकारी समरेश प्रसाद भंडारी ने कार्यभार संभाला, कर्मियों से मिले

तमाड़। समरेश प्रसाद भंडारी ने सोमवार को तमाड़ अंचल पदाधिकारी के रूप में अपनी जिम्मेदारी संभाली. इससे पहले बुंडू अंचल पदाधिकारी हंस हेब्रम तमाड़ के सीओ के रूप में कार्यभार देख रहे थे. नए सीओ के पदभार संभालने के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि तमाड़ क्षेत्र में पेंडिंग कार्य तेजी से पूरे होंगे. स्थानीय लोगों ने नए पदाधिकारी के आने से प्रशासनिक कार्यों में सुधार और समस्याओं के शीघ्र निपटारे की उम्मीद व्यक्त की है. तमाड़ अंचल में समरेश प्रसाद भंडारी के योगदान को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है.

कसियाडीह में फुटबॉल टूर्नामेंट: विजेता टीम को मिलेगा 11 हजार रुपये नकद इनाम

सतबरवा (पलामू)। भगवान बिरसा यूथ फुटबॉल क्लब कमारू की ओर से फुटबॉल टूर्नामेंट 2025 की शुरुआत कसियाडीह में हुई. यह आयोजन परियोजना उच्च विद्यालय कसियाडीह के मैदान में किया गया, जिसका उद्घाटन दोपहर 1 बजे फीता काटकर किया गया. उद्घाटन समारोह में विधायक रामचंद्र सिंह के पुत्र विजय बहादुर सिंह, बरवाडीह विधायक प्रतिनिधि प्रेम सिंह, जिप सदस्य सुधा कुमारी, मुखिया संतोष उरांव, विधायक प्रतिनिधि प्रमोद यादव, अजय उरांव एवं शिक्षक गोविंद प्रसाद मौजूद थे. उद्घाटन मैच मटलौंग बनाम चरवाडीह के बीच खेला गया.मौके पर विजय बहादुर सिंह ने कहा कि खेल मनोरंजन के साथ-साथ जीवन जीने की कला सिखाता है. खेल से शरीर स्वस्थ और मन प्रसन्न रहता है, साथ ही अनुशासन, धैर्य और भाईचारा भी बढ़ता है.

केंद्र सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएं: अन्नपूर्णा देवी

लातेहार में भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत, संगठन की मजबूती पर हुई चर्चा

शुभम संदेश। लातेहार

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी का रविवार को लातेहार में भव्य स्वागत किया गया. पलामू दौरे पर जाते समय उन्होंने स्थानीय परिषदन भवन में भाजपा कार्यकर्ताओं से भेंट की. भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय मंत्री को बुके भेंट कर उनका अभिनंदन किया. इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर भी मौजूद रहीं.

उन्होंने कार्यकर्ताओं से बातचीत करते हुए केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नीतियों एवं सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की. उन्होंने कहा कि भारत आज मजबूत नेतृत्व में है और पूरा विश्व देश की ताकत का लोहा मान रहा है. उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा कि इसने भारत की सैन्य ताकत को विश्व पटल पर स्थापित किया है.

मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार महिलाओं और बच्चों के कल्याण के लिए कई योजनाएं चला रही है, जिनका लाभ समाज के अंतिम पायदान तक पहुंचाना जरूरी है. इस दौरान उन्होंने संगठन की मजबूती, जनसंपर्क और कार्यकर्ताओं के उत्साह की सराहना की. पलामू दौरे के क्रम में राज्यसभा सांसद एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश और राज्यसभा सांसद व प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू का भी स्थानीय परिषदन भवन में कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया. इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजधानी प्रसाद यादव, जिला महामंत्री बंशी यादव, अमलेश सिंह, जिला उपाध्यक्ष राकेश दुबे, रेणु देवी, प्रवक्ता राजीव रंजन पांडेय, महिला मोर्चा नेता आशा देवी, सीतामणी तिर्की, कल्याणी पांडेय, विष्णुदेव गुप्ता, आनंद सिंह, मुकेश पांडेय, पंकज यादव समेत कई भाजपा नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे.

'पंचायत को सशक्त व कुरीतियों से मुक्त बनाएं'

उपायुक्त डॉ. ताराचंद ने 'पंचायत कर गोइठ' कार्यक्रम में दिए कई दिशा-निर्देश

शुभम संदेश। लोहरदगा

उपायुक्त डॉ. ताराचंद ने साप्ताहिक कार्यक्रम 'पंचायत कर गोइठ' में जिले के सभी मुखिया से संवाद करते हुए पंचायत स्तर पर विकास, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन को लेकर कई आवश्यक निर्देश दिए.

उन्होंने कहा कि नशा, बाल विवाह और डायन प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ हर पंचायत में वार्ड सदस्यों के सहयोग से उन्मूलन समितियों का गठन करें और जन-जागरूकता अभियान चलाएं. लगातार बारिश से जिन परिवारों के मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें तुरंत पंचायत भवन में शिफ्ट कर राशन और सहायता उपलब्ध कराई जाए.

उपायुक्त ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों के निबंधन की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2025 की जानकारी देते हुए मुखिया से किसानों को प्रोत्साहित करने की अपील की. गैर-ऋणी किसान एक रुपये टोकन मनी में प्रज्ञा केंद्र से और ऋणी किसान बैंकों से निबंधन करा सकते हैं. उन्होंने ग्रामीणों को झोलाछाप डॉक्टरों से बचने और सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क इलाज कराने की सलाह दी. साथ ही प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा, सुरक्षा बीमा और अटल पेंशन योजना के प्रचार-प्रसार का भी निर्देश दिया. बैठक में ग्राम संसाधन व्यक्ति (वीआरपी) के चयन और उनकी स्क्रीनिंग प्रक्रिया की जानकारी दी गई. सभी मुखियाओं को हरित एवं स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार के लिए डेटा एंट्री पर ध्यान देने को कहा गया.

तिरूलडीह सोतिया में गार्डवाल न बनने से खतरे में सरजमडीह रोड

ग्रामीणों ने सरकार से मांगी मदद

राधागोविंद सिंह। बुंडू

बुंडू-सरजमडीह मुख्य मार्ग पर तिरूलडीह सोतिया (छोटा बरसाती नाला) में गार्डवाल न बनने से जल्द ही सड़क बहने का खतरा उत्पन्न हो गया है. नाले से निकलने वाला पानी तेजी से मुख्य मार्ग की मिट्टी को काट रहा है. विशेषज्ञों के अनुसार पुल गलत जगह पर बनाया गया है, जिसके कारण पानी एक बड़ी चट्टान से टकराकर किनारे की मिट्टी को नुकसान पहुंचा रहा है. इसी कारण मिट्टी का कटाव तेज हो रहा है और जल्द ही सड़क बहने का खतरा है. इस सड़क के टूटने से बारूहातु, डाड़ुहातु, हुआंगहातु, सरजमडीह, लोवाहातु, आड़ाडीह, चुरगी, बालीगढ़ा, राउता, सरगेया, कोटा, मायपा जैसे कई गांवों का बुंडू से संपर्क कट जाएगा. इन गांवों के लोग रोजमर्रा की जरूरतें, चिकित्सा और शिक्षा के लिए बुंडू बाजार पर निर्भर हैं. ग्रामीणों ने सरकार से तत्काल इस समस्या को हल करने और गार्डवाल निर्माण का काम शुरू करने की मांग की है ताकि सड़क सुरक्षित बनी रहे.

सिमडेगा

कृषि कार्यालय में जिला स्तरीय खरीफ कार्यशाला-2025 का आयोजन

वैज्ञानिक तकनीक, योजनाओं व मिलेट मिशन की जानकारी देकर किसानों को किया गया जागरूक

शुभम संदेश। सिमडेगा

जिला कृषि कार्यालय, सिमडेगा में सोमवार को जिला स्तरीय खरीफ कार्यशाला-2025 का आयोजन किया गया. कार्यशाला का उद्घाटन उपायुक्त श्रीमती कंचन सिंह व उप विकास आयुक्त श्री दीपांकर चौधरी ने दीप प्रज्वलित कर किया. इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष रोस प्रतिमा सोरेंग, जिप सदस्य शांति बाला केरकेट्टा, जिला मत्स्य पदाधिकारी सीमा टोप्पो, सदर प्रखंड बीडीओ समीर रनियर खलखो समेत अन्य अधिकारी व कृषक मौजूद थे.

कार्यशाला की शुरुआत में जिला कृषि पदाधिकारी माधुरी टोप्पो ने सभी अतिथियों को पौधा भेंट कर स्वागत किया और अपने स्वागत संबोधन में कहा कि केंद्र और राज्य सरकार किसानों के हित में कई योजनाएं चला रही हैं. उन्होंने अधिकारियों से आपसी समन्वय बनाकर योजनाओं की जानकारी किसानों तक पहुंचाने पर जोर दिया.

मिलेट मिशन योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया गया कि सरकार मोटे अनाज (मिलेट्स) को बढ़ावा देने हेतु किसानों को विशेष अनुदान दे रही है. योजना का लाभ लेने हेतु 31 अगस्त तक किसानों को रजिस्ट्रेशन कराने की अपील की गई. साथ ही टपक सिंचाई योजना, वैज्ञानिक खेती, कम लागत में अधिक उत्पादन, ऑनलाइन फसल पहचान और उपचार तकनीक पर भी चर्चा की गई.

उपायुक्त कंचन सिंह ने किसानों को वैज्ञानिक तरीकों से खेती करने, पौधों की बीमारियों को मोबाइल ऐप के माध्यम से पहचानने तथा उनके उपचार की जानकारी देने की बात कही. उन्होंने सिमडेगा जिले को कृषि में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में स्थानीय उत्पाद जैसे जीराफूल चावल व उरद दाल की प्रोसेसिंग एवं मार्केटिंग के माध्यम से पहचान स्थापित करने पर बल दिया.

उप विकास आयुक्त दीपांकर चौधरी ने कहा कि सिमडेगा की भौगोलिक स्थिति कृषि पर निर्भर है, यहां उद्योग या सर्विस सेक्टर नहीं है. ऐसे में कृषि ही यहां की जीवन रेखा है. उन्होंने सीढ़ीनुमा भूमि, ऑर्गेनिक खेती व तकनीकी प्रशिक्षण के माध्यम से किसानों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने की बात कही. कार्यशाला में बड़े कृषि फार्म विकसित करने, किसानों को प्रशिक्षित करने, तकनीक से जोड़ने और विपणन व्यवस्था सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया गया.

इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष, सभी एटीएम, बीटीएम, कृषि विभाग के अधिकारी व बड़ी संख्या में किसान मौजूद थे.

बैल ने बाइक पर लगाई छलांग, बैल का टूटा पैर, बाइक सवार तीन घायल

गुमला। जारी थाना क्षेत्र अंतर्गत कटकाही के पास बैल ने बाइक पर छलांग लगा दी घटना में बाइक सवार ऊपर कोदा निवासी आशीष लकड़ा आदित्य तिर्की और छत्तीसगढ़ के जशपुर निवासी देवनारायण राम घायल हो गए. घटना रविवार शाम की है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चैनपुर में इलाज के बाद तीनों घायल को सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया. प्राप्त जानकारी के मुताबिक तीनों युवक नवागई डैम घूमने गए थे. वापसी के क्रम में कटकाही के पास किसान अपने बैल को घर ले जा रहा था तभी रास्ते में एक साथ बंधे जोड़ा बैल अचानक सड़क पर दौड़ने लगे और तेज रफ्तार से चलती बाइक पर छलांग लगा दिया जिससे एक बैल का आगे का एक पैर बाइक के पीछे का चक्का में घुस गया जिससे चालक अनियंत्रित हो गया और सड़क पर ही गिर गया.

मंथन

विकास और अधिकारों के बीच संतुलन की चुनौती

राजधानी रांची के नगड़ी में प्रस्तावित रिम्स-2 सुपर स्पेशलिटी अस्पताल को लेकर मचे बवाल ने यह स्पष्ट कर दिया है कि राज्य में विकास और आदिवासी अधिकारों के बीच संतुलन की चुनौती कितनी गंभीर है.एक ओर सरकार इस परियोजना को स्वास्थ्य ढांचे को सुदृढ़ करने और जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं देने का साधन मान रही है, वहीं आदिवासी समाज इसे अपनी जमीन, अस्तित्व और परंपरागत अधिकारों पर सीधा अतिक्रमण समझ रहा है. नगड़ी में हुए प्रदर्शन में पांच हजार से अधिक ग्रामीणों की भागीदारी और पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने की नौबत आना बताता है कि मामला केवल जमीन अधिग्रहण का नहीं, बल्कि गहरे असंतोष का है. प्रशासन द्वारा रास्तों पर बैरिकेडिंग और बाहरी लोगों की आवाजाही रोकना स्थिति को और तनावपूर्ण बना देता है. लोकतत्र में यदि जनता अपनी आवाज़ उठाना चाहे और उसे पुलिस बल के दम पर दबाया जाए, तो विश्वास का संकट और गहराता है. दरअसल, आदिवासी समाज अपनी जमीन को केवल संपत्ति नहीं, बल्कि जीवन और संस्कृति का आधार मानता है. सरकार का दायित्व केवल अस्पताल बनाना नहीं, बल्कि जनता का विश्वास जीतना भी है. आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार आदिवासी समुदाय की चिंताओं को गंभीरता से सुने और संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप समाधान तलाशे. यदि संवाद और साझेदारी के रास्ते से आगे बढ़ा जाए तो रिम्स-2 जैसी परियोजनाएं विकास का प्रतीक बन सकती हैं, अन्यथा यह केवल टकराव और अविश्वास की मिसाल ही रह जाएंगी.

नजरिया

उग्रवाद की आग, विकास के रास्ते में है बड़ी रुकावट

हजारीबाग के चरही थाना क्षेत्र स्थित सीसीएल के तापीन नॉर्थ परियोजना में उग्रवादियों द्वारा छह वाहनों को आग के हवाले करना केवल आपराधिक घटना नहीं, बल्कि राज्य की विकास प्रक्रिया को चुनौती है. टीपीसी के नाम पर छोड़ा गया पर्चा यह दर्शाता है कि उग्रवादी संगठन अब भी औद्योगिक और खनन परियोजनाओं को अपने दबाव और वर्चस्व का माध्यम बनाए हुए हैं. रात में हथियारबंद दस्ते का धावा बोलकर वाहनों से तेल निकालना और उन्हें जलाना इस बात का संकेत है कि ये समूह भय और हिंसा को ही अपना मुख्य हथियार मानते हैं. यह स्थिति न केवल स्थानीय लोगों के रोजगार को प्रभावित करती है, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था और कोयला उत्पादन पर भी असर डालती है. सरकार और पुलिस प्रशासन का दावा है कि दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा, लेकिन आश्वासन से स्थिति नहीं सुधरेगी. आवश्यक है कि सुरक्षा तंत्र को और मजबूत किया जाए और खनन क्षेत्रों में काम कर रही कंपनियों तथा कर्मचारियों को पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए. साथ ही, उग्रवाद के सामाजिक-आर्थिक कारणों पर भी ठोस कदम उठाना होगा, ताकि लोग हिंसा का हिस्सा बनने के बजाय विकास की मुख्यधारा से जुड़ सकें. तापीन जैसी घटनाएं चेतावनी देती हैं कि यदि उग्रवाद पर निर्णायक कार्रवाई नहीं की गई तो विकास की हर परियोजना असुरक्षा की जद में रहेगी. सरकार को यह साबित करना होगा कि विकास और कानून का शासन किसी भी उग्रवादी संगठन से बड़ा है.

हरतालिका महाव्रत दांपत्य जीवन का मूलाधार

डॉ. आनंद सिंह राणा

सनातन में सतयुग से चला आ रहा हरतालिका तीज व्रत (26 अगस्त) पर विशेष

सनातन में हरतालिका महाव्रत, प्रेम, समर्पण, पवित्रता,पति की प्राप्ति और दीर्घायु, पारिवारिक समरसता और शक्ति के अपूर्व सामर्थ्य का महापर्व है. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कुटुंब प्रबोधन व सामाजिक समरसता की दृष्टि से इस व्रत की प्रासंगिकता और बढ़ गई है. हरतालिका व्रत, हिंदुओं के व्रतों में से एक है जो सर्वाधिक कठिन लक्ष्य प्राप्त करने की प्रेरणा देता है. फलस्वरूप सौभाग्यशाली गौरी जी, महादेव को प्राप्त कर ही लेती हैं.

प्रत्येक वर्ष भाद्रपद शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरतालिका तीज का व्रत रखा जाता है. इस दिन महिलाएं पति की दीर्घायु और अच्छे स्वास्थ्य के लिए हरतालिका तीज का निर्जला व्रत रखती हैं.

हरतालिका तीज का व्रत सुहागिनें और कुंवारी कन्याएं भी रहती हैं.धार्मिक मान्यताओं के अनुसार हरतालिका तीज व्रत रखने से ही मां पार्वती को भगवान शिव पति के रूप में मिले थे. हरतालिका तीज पर शिव और पार्वती की विधि-विधान से पूजा करने से सुहागिनों को अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है और कन्याओं के विवाह में आ रही समस्याएं दूर होती हैं. इसके साथ ही इस व्रत के प्रभाव से अच्छा वर भी मिलता है.

हरतालिका तीज एक पावन और भावनात्मक पर्व है, जो शिव और माता पार्वती के दिव्य मिलन का प्रतीक माना जाता है. आज के समय में अनेक पुरुष भी अपनी पत्नियों के साथ यह व्रत रखकर इस पर्व की भावना को और सशक्त बना रहे हैं. यही कारण है कि यह व्रत स्त्री-शक्ति, श्रद्धा और अटूट प्रेम का प्रतीक बन गया है.

हरतालिका व्रत पूजन कथा के पूर्व इसकी पूर्वपीठिका अवश्य जान लेनी चाहिए, ताकि इस व्रत के प्रयोजन का स्पष्टीकरण हो सके. सती और शिव का अमर प्रेम अर्धनारीश्वर होकर प्रेम की पराकाष्ठा का द्योतक है. कृष्ण चतुर्दशी की शिवरात्रि का यह वृतांत है, जब भगवान् श्रीकृष्ण से राधाजी ने प्रेम के वशीभूत होकर कहा कि विश्व में आपसे बड़ा प्रेमी कोई नहीं हो सकता है! तब श्री कृष्ण ने कहा नहीं राधा! इस अखिल ब्रम्हांड में महादेव से बड़ा कोई प्रेमी नहीं हो सकता और ऐसा कहने के साथ श्रीकृष्ण के आंसू निकलने लगे और उन्होंने राधा को बताना प्रारंभ किया, कृष्ण ने कहा कि राधा, सब रूप बदल- बदल कर नये रूप लेते रहे अलग- अलग रूप लेकर रास लीला करते रहे परंतु महादेव ने कभी अपनी सती को नहीं छोड़ा. प्रिय राधा, दक्ष के यहां सती जब अग्नि प्रविष्ट हुईं तब महादेव ने उनके उसी शरीर को लिपटाये सदियों विचरण किया और प्रथम एक वर्ष विलाप किया, वही अश्रु रुद्राक्ष बने तब महादेव ने वो रुद्राक्ष की माला पहनी और शरीर में भी रुद्राक्ष धारण कर लिए. महादेव ने राख तक नहीं छोड़ी पूरे शरीर में राख लपेट ली, वहीं सती के वाहन बाघ (सिंह) ने भी अपने प्राण त्याग दिए थे, तब महादेव ने सती के वाहन का चर्म पहन लिया जिसे आप हम बाघाम्बर के नाम से जानते हैं. महादेव प्रेम की अतल गहराईयों में थे, तब सभी देवताओं ने चिंतित होकर मुझसे प्रार्थना की तब मैंने सुदर्शन चक्र से सती के 52 टुकड़े कर दिए, जो महान् शक्तिपीठ बने. महादेव ने उन टुकड़ों से सती की हड्डियां निकाल लीं और उनको गले में धारण कर लिया और आज भी धारण किए हुए हैं, उसके उपरांत महादेव योगी हो गये. पार्वती के रूप में सती ने महादेव को पाने के लिए पुनः अवतार लिया महादेव ने उन्हें तभी स्वीकारा जब मैंने विश्वास दिलाया.

हरतालिका तीज व्रत कथा इस प्रकार है कि, एक बार कैलाश पर्वत पर माता पार्वती ने शिव से पूछा कि उन्हें ऐसा कौन-सा पुण्य मिला, जिससे वे शिव को पति रूप में प्राप्त कर सकीं. इस पर शिव ने उन्हें उनकी ही तपस्या की स्मृति दिलाई. पार्वती बाल्य काल से ही शिव को अपने मन में पति के रूप में शिरोधार्य कर चुकी थीं और इसी संकल्प के साथ उन्होंने 12 वर्षों तक कठोर तप किया. उन्होंने जंगल में रहकर पेड़ों के पत्ते खाए, अन्न का त्याग किया और हर मौसम की कठिनाइयों को सहा. उनके इस तप को देखकर उनके पिता, हिमालय राज चिंतित हो उठे. उसी समय नारद ऋषि भगवान विष्णु का रिश्ता लेकर आए, जिसे हिमवान ने स्वीकार कर लिया. जब पार्वती को यह बताया गया, तो वे अत्यंत दुखी हुईं और अपने मन की बात सखियों से साझा की. उन्होंने कहा कि वे तो पहले ही शिव को पति के रूप में स्वीकार कर चुकी हैं इसलिए किसी और से विवाह नहीं करेंगी. यह सुनकर सखियों ने उनको चुपचाप ले जाकर एक गुफा में छुपा दिया. वहीं पार्वती ने भाद्रपद शुक्ल तृतीया को हस्त नक्षत्र में मिट्टी से शिवलिंग बनाकर शिव की आराधना की और जागरण किया. उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर शिव जी प्रकट हुए और उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया. तब से यह व्रत सनातन में प्रचलित हुआ और महिलाओं का कंठहार बना.

प्रेम यदि दैहिक है, तो निश्चित ही असफल होगा, परंतु आध्यात्मिक है, तो अमर रहेगा, सती और शिव का प्रेम इसका सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है. भावी पीढ़ी के लिए शिव शक्ति का आदर्श प्रेम और विवाह मार्गदर्शी है. हरतालिका व्रत उसका साक्षी है.

हरतालिका तीज में पूजा करते समय फुलेरा का बड़ा महत्व है. पूजा के दौरान भगवान शिव के ऊपर जलधारा की जगह फुलेरा बांधा जाता है. फुलेरा को पांच तरह के फूलों से बनाया जाता है. फुलेरा में बांधी जाने वाली 5 फूलों की मालाएं भगवान शंकर की पांच पुत्रियों (जया, विषहरा, शामिलबारी, देव और दोतली) का प्रतीक है.

हरतालिका तीज की पूजन विधि के अंतर्गत, सुहागिन महिलाएं प्रातः शीघ्र उठकर स्नान करें और नए वस्त्र पहनें तदुपरांत घर के मंदिर या पूजन स्थल में दीप प्रज्वलित करें. सभी देवी-देवताओं को धूप-दीप दिखाएं और व्रत का संकल्प लें. इसके बाद मां पार्वती, भगवान शिव और गणेश जी की विधि-विधान से पूजा करें.

प्रेम यदि दैहिक है तो निश्चित ही असफल होगा परंतु आध्यात्मिक भी है तो अमर रहेगा, सती और शिव का प्रेम इसका सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है. शिव-शक्ति ही अखिल ब्रह्मांड में प्रेम की शाश्वतता का प्रतीक हैं. सती और शिव का अमर प्रेम अर्धनारीश्वर होकर विवाह संस्कार के रुप में सफलीभूत होता है. भावी पीढ़ी के लिए शिव-शक्ति का आदर्श प्रेम और विवाह मार्गदर्शी है और हरतालिका व्रत उसका साक्षी है.

(लेखक, इतिहास के प्राध्यापक हैं.)

आज का इतिहास

1303 : अलाउद्दीन ख़िलजी ने चित्तौड़गढ़ पर क़ब्ज़ा किया.

1541 : तुर्की के सुल्तान सुलेमान ने बुडा और हंगरी को अपने कब्जे में लिया.

1910 : भारत रत्न मदर टेरेसा का जन्म.

1914 : बंगाल के क्रांतिकारियों ने कलकत्ता में ब्रिटिश बेड़े पर हमला कर 50 माउजर पिस्तौल और 46 हजार गोलियां लूटी.

1982 : नासा ने टेलीसेट-एफ का प्रक्षेपण किया.

1988 : म्यांमार की अहिंसावादी नेता आंग सान सू ची मोर्चा लेकर रंगून पहुंचीं.

2002 : दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग शहर में दस दिवसीय पृथ्वी सम्मेलन शुरू.

2007 : पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर अमेरिकी नेतृत्व वाली सेना ने 12 तालिबानियों को मार गिराया.

2015 : अमेरिका के वर्जीनिया में दो पत्रकारों की गोली मारकर हत्या.

अपने सभी कर्तव्यों को पूर्ण करना ही कर्म योग है

चिंतन

एक बार एक सात वर्ष का बालक रमन महर्षि के पास आया. उन्हें प्रणाम कर उसने अपनी जिज्ञासा उनके समक्ष रखी. वह बोला- क्या आप मुझे बता सकते है कि कर्म-योग क्या है? क्योंकि जब कभी भी मै यह प्रश्न अपने माता-पिता से पूछता हूं, तो वे कहते है कि अभी तुम्हे इस पर सोचने की जरूरत नही है. जब तुम बड़े हो जाओगे, तो तुम्हे अपना आप समझ आ जाएगी. बालक की बात सुन ऋषि बोले- मै तुम्हे इस प्रश्न का उतर दूंगा. पर अभी तुम यहां मेरे पास बैठ जाओ. बालक उनके पास जाकर बैठ गया.

कुछ समय बाद, वहां एक व्यक्ति डोसे लेकर आया. उसने डोसे महर्षि के समक्ष रख दिए. किंतु महर्षि किसी भी वस्तु को अकेले ग्रहण नही करते थे. इसलिए महात्मा ने डोसे का एक छोटा टुकड़ा अपने आगे रखा. फिर साथ बैठे बालक के पत्तल मे डोसा दे दिया. उसके बाद वहां मौजूद अन्य भक्तों में शेष डोसे बांटने का आदेश दिया. फिर उन्होने बालक से कहा-अब जब तक मै अंगुली उठाकर इशारा नही करता, तब तक तुम डोसा खाते रहोगे. हां,ध्यान रहे कि, मेरे इस संकेत से पहले तुम्हारा डोसा खत्म नही होना चाहिए. पर जैसे ही मै अंगुली उठाकर संकेत दूं, तो पत्तल पर डोसे का एक भाग भी शेष नही रहना चाहिए. उसी क्षण डोसा खत्म हो जाना चाहिए.महर्षि के इन वचनों को सुनते ही बालक ने पूरी एकाग्रता से महर्षि पर दृष्टि टिका दी. उसका मुख डोसे को चबा रहा था, किंतु उसकी नजरें एकटक महात्मा पर केन्द्रित थी. बालक ने शुरूआत मे बड़े-बड़े निवाले खाए. पर बाद मे, अधिक डोसा न बचने पर, उसने छोटे निवाले खाने शुरू कर दिए. तभी उसे अपेक्षित संकेत मिला. इशारा मिलते ही बालक ने बचा हुआ डोसा एक ही निवाले में मुख मे डाल दिया और निर्देशानुसार पत्तल पर कुछ शेष न रहा.

बच्चे की प्रतिक्रिया को देखकर महर्षि बोले- अभी-अभी जो तुमने किया, वही वास्तविक मे कर्म-योग है. महर्षि ने कहा- देखो! जब तुम डोसा खा रहे थे, तब तुम्हारा ध्यान केवल मुझ पर था. डोसे के निवाले मुख मे डालते हुए भी तुम हर क्षण मुझे ही देख रहे थे. ठीक इसी प्रकार संसार के सभी कार्य करते हुए भी अपने मन-मस्तिष्क को ईश्वर पर केन्द्रित रखना. मतलब कि ईश्वर मे स्थित होकर अपने सभी कर्तव्यो को पूर्ण करना. यही वास्तविक कर्म-योग है.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #ssc_protest
2. #CHANGE_SSC_VENDOR
3. #NO_Wrong_SSC_Question
4. #ToxicTheMovie
5. #GauMata
6. Desi Cow
7. पावन जयंती
8. Medvedev
9. दिल्ली मेट्रो
10. Gurugram

बहुरंग

नई फिल्म 'जुगनुमा' से दर्शकों को लुभाने को तैयार मनोज बाजपेयी

बॉलीवुड के बहुमुखी अभिनेता मनोज बाजपेयी अपनी दमदार एक्टिंग और गहन किरदारों के लिए पहचाने जाते हैं. पिछली बार वह फिल्म 'डिस्पैच' में नजर आए थे, हालांकि यह फिल्म दर्शकों पर खास असर छोड़ने में नाकाम रही. अब मनोज एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं. उनकी नई फिल्म का नाम है 'जुगनुमा', जिसका हाल ही में आधिकारिक ऐलान किया गया है.

इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं राम रेड्डी, जो अपनी अनूठी कहानी कहने की शैली और कलात्मक दृष्टिकोण के लिए जाने जाते हैं. दिलचस्प बात यह है कि 'जुगनुमा' को केवल हिंदी में ही नहीं बल्कि अंग्रेजी में भी रिलीज किया जाएगा और अंग्रेजी संस्करण का नाम रखा गया है 'द फैबल'. यह कदम साफ दिखाता है कि मेकर्स इस फिल्म को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों तक भी पहुंचाना चाहते हैं. फिल्म की ताकतवर कास्टिंग भी इसकी सबसे बड़ी खूबियों में से एक है. मनोज बाजपेयी के साथ दीपक डोबरियाल, प्रियंका बोस और तिलोतमा शोम जैसे उम्दा कलाकार इसमें अहम भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं. ये सभी कलाकार अपने-अपने काम से पहले ही साबित कर चुके हैं कि वे किरदारों को किस तरह वास्तविक और जीवंत बना देते हैं.

'जुगनुमा' की पहली झलक भी सामने आ चुकी है. इसमें मनोज बाजपेयी का इंटेंस और रहस्यमय लुक दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है. सोशल मीडिया पर उनके इस अवतार को काफी पसंद किया जा रहा है और फैंस अब फिल्म के ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. फिल्म के निर्माण में गुनीत मोंगा कपूर और अनुराग कश्यप भी जुड़े हैं, जो बतौर कार्यकारी निर्माता इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बने हैं. इनके नाम जुड़ने से फिल्म को एक अलग ही विश्वसनीयता और मजबूती मिल रही है, क्योंकि दोनों ही फिल्म जगत में अपनी अलग पहचान और साहसी प्रोजेक्ट्स के लिए जाने जाते हैं. फिल्म की रिलीज़ डेट का भी ऐलान कर दिया गया है. 'जुगनुमा' 12 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

मनोज बाजपेयी बने इंस्पेक्टर जेंडे' ट्रेलर ने बढ़ाई दर्शकों की उत्सुकता

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता मनोज बाजपेयी आने वाले महीनों में दर्शकों का कई दमदार फिल्मों के जरिए मनोरंजन करने वाले हैं. इन्हीं बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट्स में से एक है उनकी अगली फिल्म 'इंस्पेक्टर जेंडे', जिसका इंतजार दर्शक लंबे समय से कर रहे थे. अब आखिरकार इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है और इसके साथ ही दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है.

फिल्म के ट्रेलर में मनोज बाजपेयी एक सख्त और समझदार पुलिस अधिकारी के रूप में नजर आते हैं. उनकी गहरी आवाज़ और सधे हुए हावभाव उनके किरदार को और भी वास्तविक बनाते हैं. इस बार वह एक बेहद खतरनाक अपराधी की तलाश में हैं, जिसे ट्रेलर में जिम सर्भ निभाते दिखाई देते हैं. जिम का किरदार 'स्विमसूट किलर' नामक सीरियल किलर का है, जो कहानी को रहस्य और रोमांच से भर देता है. 'इंस्पेक्टर जेंडे' में न केवल मनोज और जिम की जोरदार टक्कर देखने को मिलेगी, बल्कि फिल्म में कई और शानदार कलाकार भी नजर आने वाले हैं. इनमें भालचंद्र कदम, सचिन खेडेकर, गिरिजा ओक और हरीश दुधाड़े जैसे नाम शामिल हैं, जो अपने-अपने किरदारों से कहानी को और मजबूती देंगे.

इस फिल्म का निर्देशन किया है चिन्मय डी मंडलेकर ने, जो अपने अनोखे अंदाज के लिए जाने जाते हैं. वहीं, फिल्म का निर्माण ओम राउत ने किया है, जिनकी गिनती आज के समय के सफल और दूरदर्शी निर्माताओं में होती है. सबसे खास बात यह है कि 'इंस्पेक्टर जेंडे' बड़े पर्दे पर नहीं बल्कि सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी. यह फिल्म 5 सितंबर 2025 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी.

स्टेज 4 कैंसर से जूझ रही हैं अभिनेत्री तनिष्ठा चटर्जी

कई कलाकार पहले भी कैंसर से अपनी जंग को हिम्मत के साथ सोशल मीडिया पर सामने ला चुके हैं. अब अभिनेत्री तनिष्ठा चटर्जी ने भी खुलकर अपनी बीमारी के बारे में बताया है. उन्होंने स्टेज 4 ओलिगो मेटास्टेटिक कैंसर से अपनी लड़ाई शेयर करते हुए एक तस्वीर पोस्ट की. उन्होंने बताया कि उनकी 70 साल की मां और 9 साल की बेटी पूरी तरह उन पर निर्भर हैं.

तनिष्ठा ने कैप्शन में लिखा, ₹पिछले आठ महीने बेहद कठिन रहे हैं. ऐसा लगता है मानो पिता को कैंसर की वजह से खोना ही काफी नहीं था कि अब खुद इस बीमारी से जूझना पड़ रहा है. आठ महीने पहले मुझे स्टेज 4 ओलिगो मेटास्टेटिक कैंसर का पता चला. लेकिन यह पोस्ट दर्द के लिए नहीं है, बल्कि प्यार और ताकत के बारे में है. इससे बुरा कुछ और नहीं हो सकता, एक 70 साल की मां और 9 साल की बेटी, दोनों मेरी जिम्मेदारी हैं.₹ तनिष्ठा ने अपनी पोस्ट में यह भी शेयर किया कि कैसे इस कठिन दौर में उन्हें लोगों का बेहिसाब प्यार और दया मिली है. उन्होंने लिखा, ₹जिंदगी के सबसे मुश्किल पलों में मुझे एक असाधारण प्रेम मिला है. ऐसा प्रेम, जो हर बाधा के बीच रास्ता बनाता है और कभी अकेला महसूस नहीं होने देता. यह मुझे मेरे अद्भुत दोस्तों और परिवार से मिला है. उनके अटूट सहयोग ने सबसे कठिन दिनों में भी मेरे चेहरे पर सच्ची मुस्कान ला दी.

तनिष्ठा चटर्जी की भावुक पोस्ट

अभिनेत्री तनिष्ठा चटर्जी ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक ग्रुप फोटो शेयर की, जिसमें उनके साथ दिव्या दत्ता, लारा दत्ता, शबाना आज़मी, विद्या बालन, तन्वी आज़मी और कोंकणा सेन शर्मा समेत कई कलाकार नज़र आए. इस तस्वीर के साथ उन्होंने अपने दोस्तों और परिवार का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, ₹इस दुनिया में, जो तेजी से एआई और रोबोट की ओर बढ़ रही है, मुझे बचा रही है सच्चे और भावुक लोगों की करुणा. उनके संदेश, उनकी मौजूदगी और उनकी इंसानियत ने मुझे फिर से जीने का हौसला दिया है. मैं आप सबका हमेशा आभारी रहूंगी.

शादी के 2 साल बाद परिणीति चोपड़ा ने किया प्रेग्नेंसी का खुलासा

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा पिछले लंबे समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में बने हुए थे. खासतौर पर परिणीति की प्रेग्नेंसी को लेकर सोशल मीडिया पर कई कयास लगाए जा रहे थे. हालांकि, दोनों की ओर से अब तक इस पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया था. लेकिन अब आखिरकार इस प्यारे कपल ने खुद अपने फैंस को खुशखबरी दे दी है. दरअसल, परिणीति और राघव ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक खूबसूरत पोस्ट शेयर कर इस राज़ से पर्दा उठाया. उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक केक की तस्वीर पोस्ट की है, जिस पर '1+1=3' लिखा हुआ नजर आ रहा है. इसके साथ ही उस केक पर बच्चे के नन्हें पैरों के निशान भी बने हुए हैं, जो इस खबर को और भी खास और इमोशनल बना देते हैं. यही नहीं, इस कपल ने इसके साथ एक प्यारा सा वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें परिणीति और राघव हाथों में हाथ थामे एक-दूसरे के साथ टहलते हुए नजर आ रहे हैं. इस वीडियो को देखकर साफ झलकता है कि दोनों अपनी जिंदगी के इस नए सफर को लेकर कितने उत्साहित और खुश हैं. पोस्ट के साथ दोनों ने एक दिल छू लेने वाला कैप्शन भी लिखा है, ₹हमारी छोटी-सी दुनिया आने वाली है. असीम आशीर्वाद से खुद को धन्य महसूस कर रहे हैं.₹ जैसे ही यह पोस्ट सामने आया, फैंस और सेलेब्रिटी दोस्तों ने परिणीति और राघव को शुभकामनाओं और बधाइयों की बौछार कर दी.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा. व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए. अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी. जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. शुभांक-1-3-5

वृष : अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें. यात्रा शुभ रहेगी. अपने काम पर पैनी नजर रखिए. विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा. अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे. आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी. शुभांक-2-4-6

मिथुन : अपने काम को प्राथमिकता से करें. बुरी संगति से बचें. आशानुकूल कार्य होने में संदेह है. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं. निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है. भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी. पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी. हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती है. शुभांक-4-7-9

कर्क : दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें. कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा. अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें. रुपये पैसों की सुविधा मिल पाएगी. कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे. शुभांक-2-4-5

सिंह : चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी. मान-सम्मान में वृद्धि होगी. यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे. यात्रा शुभ रहेगी. सुविधाओं में बाधा आएगी. शुभांक-4-5-6

कन्या : निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा. संतोषजनक सफलता मिलेगी. मेहमानों का आगमन होगा. पैतृक सम्पत्ति से लाभ. नैतिक दायरे में रहें. पुरानी गलती का पश्चाताप होगा. विद्यार्थियों को लाभ. वाहन चालन में सावधानी बरतें. आय के अच्छे योग बनेंगे. शुभांक-2-4-7

तुला : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. बुरी संगति से बचें. ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा. शुभांक-5-6-9

वृश्चिक : संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी. अपनों का सहयोग प्राप्त होगा. शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है. व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी. नौकरी में पदोन्नति की संभावना है. मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है. शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें. शुभांक-3-6-8

धनु : शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे. व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं. समय व्ययकारी सिद्घ होगा. वैचारिक उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी. स्वास्थ्य मध्यम रहेगा. अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें. शुभांक-3-5-7

मकर : मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा. व्यापार में वृद्घि व उत्तम लाभ मिलेगा. नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी. यश-प्रतिष्ठा में वृद्घि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है. व्यापार में वृद्घि होगी. नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा. मेहमानों का आगमन होगा. शुभांक-4-6-8

कुंभ : महत्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें. कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे. किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा. जल्दबाजी में कोई भूल संभव है. कार्य भार बढ़ेगा. जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है. सलाह उपयोगी सिद्घ होगी. शुभांक-2-6-9

मीन : प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे. कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे. आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी. स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी. ज्ञान-विज्ञान की वृद्घि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा. शुभांक-5-6-8

मिर्च को बचाएं कीट व रोग से

एकीकृत कीट प्रबंधन

थ्रिप्स

फूल लगने के समय प्रकोप बहुत भयंकर हो जाता हैं पत्तियां सिकुड़ जाती हैं तथा मुरझा कर मुड़ जाती हैं।

नियंत्रण

■ थायामिथोक्जाम 5 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से बीजोपचार करें। ■ नीम बीज अर्क 4 प्रतिशत का छिड़काव करें। ■ फिपरोनिल 5 प्रतिशत एस.सी.1.5 मि.ली./ लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

माहो

कोमल भागों से रस चूसकर पत्तियों एवं कोमल भागों पर मधुरस स्त्राव करते हैं, जिससे सूटी मोल्ड विकसित हो जाती है। परिणामस्वरूप फल काले पड़ जाते हैं। यह कीट मोजेक रोग का प्रसार करता है।

नियंत्रण

■ रस चूसने वाले कीटों की रोकथाम के लिये कीट के प्रकोप की प्रारंभिक अवस्था में नीम तेल 3 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करें।

■ प्रकोप अधिक होने पर डायमिथियेट 30 ई.सी. की 2 मिली. मात्रा को प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। ■ कीट के अत्यधिक प्रकोप की अवस्था में एसीफेट 1 ग्राम प्रति लीटर पानी या इमीडा क्लोप्रिड 18.5 एस.एल. की 5 मिली. मात्रा 15 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

सफेद मक्खी

इस कीट का वैज्ञानिक नाम बेमेसिया टेबेकाई है। इस कीट के शिशु एवं वयस्क पत्तियों की निचली सतह से रस चूसते हैं। यह कीट पर्ण कुंचन, रोग को एक पौधे से दूसरे पौधे में फैलाते हैं।

नियंत्रण

■ कीट की प्रारंभिक अवस्था में डायमिथियेट की 2 मिली मात्रा को प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

■ अधिक प्रकोप की अवस्था में थायोमिथोक्साम 25 डब्ल्यू.जी.की 5 ग्राम मात्रा प्रति 15 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

रोग प्रबंधन

एन्थ्रेक्नोज- मिर्च का यह अति व्यापक रोग है। यह रोग कोलेटोट्राइकम कैप्सीकी नामक फफूंदी से होता है। विकसित पौधों पर रोग के कारण शाखाओं का कोमल शीर्ष अग्र उत्तकक्षयी होकर सूख जाता है। बाद में सूखने की क्रिया नीचे की ओर बढ़ती है। इस अवस्था को शीर्षारम्भिक्षय कहते हैं। फलों पर यह रोग पकने की अवस्था में होता है। जब फल लाल होने लगते हैं उन पर छोटे काले ओर गोल धब्बे दिखाई पड़ते हैं ये धब्बे फल की लंबाई में बढ़ते हैं। बाद में इनका रंग धूसर हो जाता है। अंतिम अवस्था में फल काले होकर गिर जाते हैं।

प्रबंधन

■ स्वस्थ एवं प्रमाणित बीज बोना चाहिए। ■ फसल से समय-समय पर रोगी पौधे उखाड़ें रहे और फल अवशेष जला देना चाहिए। ■ बोने से पहले बीज को फफूंदनाशक दवा कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से उपचारित करें। ■ ब्लाइटॉक्स-50, डाइथेन एम-45, 0.25 प्रतिशत घोल का साप्ताहिक छिड़काव करें। ■ फसल चक्र अपनाना चाहिए।

फल गलन

यह रोग फाइटोफ्थोरा केपसिकी नामक फफूंद से होता है। इस रोग में फलों पर भूरे रंग के धब्बे बन जाते हैं एवं फल सड़ जाते हैं।

प्रबंधन

■ जल निकास का उचित प्रबंध करें। ■ उपयुक्त फसल -चक्र, खरपतवार का प्रबंध और पानी का अच्छा निकास इस रोग की रोकथाम के लिये आवश्यक है। ■ 0-10 दिन के अंतर पर बोर्डोमिश्रण (1 प्रतिशत) अथवा डाइथेन एम-45 या मेटालेक्सिल (0.25 प्रतिशत) का छिड़काव करना चाहिए।

चूर्णिल आसिता -

यह रोग एरीसाइफी साइको रेसिएरम नामक फफूंद से होता है। रोग के लक्षण सर्वप्रथम सामान्यतः पत्तियों की ऊपरी सतह एवं नए तनों पर सफेद चूर्णी धब्बे के रूप में दिखाई देते हैं। धब्बों पर उपस्थित चूर्ण टॅल्कम पाउडर से मिलता - जुलता है।

प्रबंधन

■ गंधक (0.2 प्रतिशत), कैराथन (0.1 प्रतिशत) या कैलिक्सिन (0.05 प्रतिशत का 10 दिन के अंतराल पर छिड़काव करना चाहिए।

टिकाऊ खेती में खरपतवार नियंत्रण का महत्व

देश की बढ़ती हुई जनसंख्या के साथ खाद्यान्नों की मांग को पूरा करना एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। गेहूं एवं धान खाद्यान्न की ऐसी फसलें हैं, जिनमें गरीबी और भुखमरी की समस्या से लड़ने की अद्भुत क्षमता है। सन् 2020 तक देश की जनसंख्या एक अरब पच्चीस करोड़ तक पहुंचने का आकलन है. ऐसे समय में धान व गेहूं के वर्तमान उत्पादन स्तर में बढ़ोत्तरी क्रमशः 112 एवं 82 मिलियन टन की आवश्यकता खाद्यान्न पूर्ति हेतु होगी। धान, गेहूं, जौ, मक्का, ज्वार, बाजरा हमारे देश की खरीफ की प्रमुख खाद्यान्न फसल हैं।

जिनसे खाद्यान्नों का उत्पादन लगभग 230 मिलियन टन तक पहुंच गया है। फिर भी लगभग 48 मिलियन टन खाद्यान्न, 8 मिलियन टन दलहन एवं 10 मिलियन टन तिलहन की वर्तमान उत्पादन स्तर से अतिरिक्त उत्पादन की आवश्यकता होगी, तभी 2020 तक आ गई जनसंख्या की मांग पूरी की जा सकेगी। अधिक पैदावार देने वाली खाद एवं सिंचाई का अधिक उपयोग करने में एवं उन्नत किस्मों के प्रचलन से लगभग पिछले 2 दशकों में अनाज वाली फसलों एवं दलहन एवं तिलहन की पैदावार में व्यापक वृद्धि हुई है। फिर भी इसकी औसत पैदावार इसकी क्षमता से काफी कम है। उत्पादन क्षमता में वृद्धि के लिये सुधरी खेती की सभी प्रायोगिक विधियों को अपनाना आवश्यक है और जब तक हम उन वैज्ञानिक तरीकों को नहीं अपनाते हैं, उपज में आपेक्षित वृद्धि संभव नहीं है। यह

सर्वविदित है कि उन्नत किस्मों से अधिक उपज प्राप्त करने के लिये अच्छे बीज, उचित खाद, पानी एवं फसल सुरक्षा की व्यवस्था होनी अति आवश्यक है। उन्नत किस्मों के बीजों को अधिक उर्वरक एवं पानी के साथ उगाने से फसल सुरक्षा की समस्याएं भी बढ़ती जा रही है। फसल सुरक्षा की समस्याओं में खरपतवारों के नियंत्रण की समस्या आजकल काफी जटिल पाई जा रही है। अत: अधिक पैदावार लेने के साथ ही साथ खरपतवारों का समय से कुशलता पूर्वक एवं आर्थिक दृष्टि को ध्यान में रखते हुए नियंत्रण के विभिन्न उपायों का प्रयोग करना बहुत ही जरूरी है।

देश की तेज गति से बढ़ती हुई जनसंख्या के भरण-पोषण के लिये प्रति इकाई क्षेत्र समय एवं साधन से अधिक से अधिक उत्पादन करना नितांत आवश्यक है। इसके लिये सघन कृषि प्रणाली अपनाने के साथ-साथ उत्तम किस्म का चुनाव, सही समय पर बुवाई, संतुलित मात्रा में पोषक तत्व देना, उचित समय पर सिंचाई करना, फसल को कीड़ों, बीमारियों एवं खरपतवारों से बचा कर रखना बहुत जरूरी है जिससे न केवल फसल की पैदावार बढ़ेगी, वरन उत्पादन कारकों की क्षमता भी बढ़ेगी तथा किसान की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

खरपतवारों से हानियां

■ खरपतवार जो उपलब्ध पोषक तत्वों, नमी, प्रकाश एवं स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं तथा फलस्वरूप फसल की पैदावार एवं गुणवत्ता में भारी कमी ला देते हैं।

■ खरपतवार फसल में लगने वाले रोगों के जीवाणुओं एवं कीट-व्याधियों को भी आश्रय देते हैं।

■ एक अनुमान के अनुसार खरपतवार विभिन्न फसलों की पैदावार में 33 प्रतिशत तक की कमी करने की क्षम्ता का ध्यान में रखकर कहा जा सकता है कि वर्तमान की संभावित उत्पादन स्तर में ही खाद्यान्न की 103 मिलियन टन, दलहन की 15 मिलियन टन एवं तिलहन की 10 मिलियन टन की कमी हो रही हैं।

प्रमुख खरपतवार

इन फसलों में प्रभावी खरपतवार नियंत्रण के लिये उसमें उगने वाले खरपतवारों की जानकारी होना अति आवश्यक है। खरीफ एवं रबी फसलों में उगने वाले खरपतवारों को मुख्यत: तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है।

खरपतवारों की रोकथाम कैसे करें

फसलों में खरपतवारों की रोकथाम निम्न तरीकों से की जा सकती है।

■ स्टेल सीड बेड (बुवाई के पहले खरपतवारों को नष्ट करना) फसलों की बुवाई से पहले खाली खेत की हल्की सिंचाई करने से अधिकांश खरपतवार उग आते हैं। जब ये 2-3 पत्ती के हो जाएं तो उन्हें शाकनाशी (ग्लायफोसेट अथवा पैराक्वाट का 0.50 प्रतिशत घोल) द्वारा अथवा यांत्रिक विधि से जुताई करके नष्ट किया जा सकता है जिसे मुख्य फसल में खरपतवारों की संख्या में काफी कमी आ जाती है।

शुद्ध एवं साफ बीज का प्रयोग

बुवाई के समय खरपतवार रहित एवं प्रमाणित बीज का प्रयोग करके खरपतवारों की संख्या पर काबू पाया जा सकता है। कुछ फसल के बीजों को बुवाई के पहले छन्ने से साफ करने पर खरपतवारों के बीज आकार में छोटे होने के कारण नीचे गिर जाते हैं। जैसे गेहूं में गेहूं के मामा का बीज।

किस्मों का चुनाव एवं बुवाई विधि

जहां पर खरपतवार की रोकथाम के साधनों में कमी हो वहां पर फसल की ऐसी प्रजातियों का चुनाव करना चाहिए जिनकी

प्रारंभिक बढ़वार खरपतवार की तुलना में अधिक हो। ऐसी प्रजातियां खरपतवारों से प्रतिस्पर्धा करके उन्हें नीचे दबा देती हैं। छिटकवां विधि के बजाय कतारों में बुवाई करने से खरपतवारों की संख्या में कमी पायी जाती है। तथा साथ ही साथ उनके नियंत्रण में भी आसानी रहती है।

जीरोटिलेज एवं फर्ब्स

धान-गेहूं फसल चक्र में धान की कटाई के तुरन्त बाद (बिना खेत की जुताई के) जीरो टिल मशीन से गेहूं की बुवाई करने पर 'फेलरिस माइनर' खरपतवार की संख्या में काफी कमी पाई गई है। इसके अतिरिक्त फर्ब्स मशीन द्वारा बनाई गई मेढ़ों पर गेहूं की बुवाई करने से भी फेलरिस माइनर की संख्या में काफी कमी आती है। ये विधियां हमारे देश के पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में काफी लोकप्रिय है।

उचित फसल चक्र अपनाकर

एक ही फसल को लगातार एक ही खेत में बोने से खरपतवारों की संख्या काफी अधिक हो जाती है। तथा उसके नियंत्रण में काफी परेशानी उठानी पड़ती है। अत: आवश्यक है कि एक फसल को बार-बार एक ही खेत में न बोया जाय तथा उचित फसल-चक्र अपनाया जाये। धान-गेहूं फसल चक्र में फेलरिस माइनर की संख्या में काफी बढ़ोत्तरी पाई गई है। अत: इस फसल चक्र में गन्ना, बरसीम या आलू की खेती से इस खरपतवार में काफी कमी पाई गई है।

यान्त्रिक विधि

खरपतवारों पर काबू पाने की यह सरल एवं प्रभावी विधि है। दलहनी एवं तिलहनी फसलों में खरपतवार नियंत्रण के लिये खरपतवारनाशक दवाईयों के बजाय निकाई-गुड़ाई की सिफारिश की जाती है। इन फसलों में 30-35 दिन बाद एक बार निराई-गुड़ाई करके खरपतवारों पर प्रभावी ढंग से नियंत्रण पाया जा सकता है। कतारों में बोई गई फसलों में हो चलाकर भी खरपतवारों का नियंत्रण किया जा सकता है। परन्तु यांत्रिक विधि से खरपतवार नियंत्रण में समय और मजदूर अधिक लगते हैं जिससे प्रति इकाई क्षेत्रफल में लागत अधिक आती है। समय पर मजदूर न मिलने खेतों में पानी भरने का अधिक नमी के कारण भी निकाई-गुड़ाई करने में परेशानी होती है।

खरपतवारनाशी रसायनों का प्रयोग

समय को देखते हुए खरपतवारों का नियंत्रण शाकनाशी रसायनों द्वारा करने से जहां एक ओर खरपतवारों का उचित समय पर नियंत्रण हो जाता है वहीं दूसरी ओर लागत एवं समय की भी बचत होती है। लेकिन खरपतवारनाशकों का उपयोग करते समय यह ध्यान रखना होगा कि उसकी उचित सान्द्रता को उचित विधि द्वारा उपयुक्त समय पर प्रयोग करें ताकि इनसे समुचित लाभ प्राप्त हो सके अन्यथा लाभ के बजाय हानि हो सकती है।

अन्तरवर्तीय फसलें उगाकर

कुछ फसलें जैसे मक्का जिनके कतारों के बीच की दूरी 60-90 सेंमी. तक होती है, खरपतवार आसानी से इन कतारों के बीच उगाकर फसल की पैदावार को कम कर देते हैं। इन कतारों के बीच यदि किसान भाई जल्दी बढ़ने वाली तथा कम समय की फसलें जैसे लोबिया, मूंग आदि को उगायें तो खरपतवारों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है तथा साथ ही साथ अतिरिक्त पैदावार भी मिल सकती है।

बीसीसीआई के सेक्रेटरी देवाजीत सैकिया बोले- आगे ऐसी किसी संस्था के साथ नहीं जुड़ेंगे, भविष्य में सोच-समझ कर दी जाएगी प्रायोजन की जिम्मेदारी,

बीसीसीआई ने ड्रीम-11 के साथ प्रायोजक करार टूटने की पुष्टि की

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और फैंटेसी स्पोर्ट्स कंपनी ड्रीम-11 के बीच स्पॉन्सरशिप को लेकर हुआ 358 करोड़ रुपये का करार समय से पहले ही खत्म हो गया है. यह करार 2023 में तीन साल की अवधि के लिए हुआ था, जिसके तहत टीम इंडिया की जर्सी पर ड्रीम-11 का लोगो दिखाई देता था, लेकिन हाल ही में पारित 'ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025' के कारण ड्रीम-11 ने अनुबंध से बाहर निकलने का फैसला किया.

बीसीसीआई ने की पुष्टि : अब बीसीसीआई और ड्रीम-11 के अलग होने की पुष्टि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने भी कर दी है. बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया ने कहा, 'ऑनलाइन गेमिंग प्रमोशन और रेगुलेशन बिल, 2025' के पारित होने के बाद, बीसीसीआई और ड्रीम 11 अपने संबंध समाप्त कर रहे हैं. बीसीसीआई यह सुनिश्चित करेगा कि भविष्य में वह ऐसे किसी भी संगठन के साथ कोई संबंध न रखें.'

ड्रीम-11 प्रतिनिधि बीसीसीआई दफ्तर पहुंचे : बीसीसीआई और ड्रीम-11 के रिश्ते में बड़ा मोड़ आ गया है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हाल ही में ड्रीम-11 के प्रतिनिधि भारतीय क्रिकेट बोर्ड के दफ्तर पहुंचे और सीईओ हेमांग अमीन को औपचारिक रूप से सूचित किया कि कंपनी अब टीम इंडिया की जर्सी पर प्रमुख स्पॉन्सर के तौर पर जारी नहीं रह पाएगी. इसका सीधा असर यह होगा कि आगामी एशिया कप में भारतीय टीम ड्रीम-11 के लोगो के बिना मैदान पर उतरेगी. बीसीसीआई अब जल्द ही नए स्पॉन्सर के लिए टेंडर जारी कर सकता है.

ड्रीम-11 ने ली बाइजूस की जगह : ड्रीम-11 ने 2023 में बीसीसीआई का लीड स्पॉन्सर बनने का अधिकार हासिल किया था, जब उसने बाइजूस की जगह ली थी. इस स्पॉन्सरशिप डील की कीमत लगभग 358 करोड़ रुपये तय की गई थी, लेकिन ताजा परिस्थितियों में कंपनी को करार से पीछे हटना पड़ा है. यह फैसला सिर्फ भारतीय क्रिकेट बोर्ड को प्रभावित नहीं करेगा, बल्कि खेल जगत के कई हिस्सों पर इसका असर देखने को मिलेगा. ड्रीम-11 लंबे समय से वैश्विक स्तर पर क्रिकेट और अन्य खेलों में प्रायोजन करता रहा है.

आइए जानते हैं, इस करार के टूटने से क्या प्रभाव पड़ सकते हैं

किस पर क्या असर?

- बीसीसीआई को अब अचानक नए स्पॉन्सर की तलाश करनी होगी, जबकि एशिया कप बेहद नजदीक है.
- खिलाड़ियों की जर्सी पर फिलहाल कोई प्रमुख लोगो नहीं होगा, जो ब्रांड वैल्यू और राजस्व दोनों को प्रभावित करेगा.
- 2020 में भी ऐसा हुआ था जब वीवो के हटने पर ड्रीम-11 ने आईपीएल का टाइटल स्पॉन्सरशिप संभाला था, अब वही ड्रीम-11 बोर्ड को मुश्किल में छोड़कर जा रहा है.
- ड्रीम-11 की मौजूदगी सिर्फ भारतीय क्रिकेट तक सीमित नहीं थी. यह कंपनी आईपीएल की कई फ्रेंचाइजियों और कई स्टार खिलाड़ियों की स्पॉन्सर रही है.
- कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में ड्रीम ऑफिशियल फैंटेसी पार्टनर है, वहीं न्यूजीलैंड की घरेलू लीग 'सुपर स्मैश' का यह टाइटल स्पॉन्सर भी है.
- इन छोटे टूर्नामेंट्स को आईपीएल जैसा मजबूत वित्तीय सहारा नहीं मिलता, इसलिए ड्रीम-11 का हटना उनके लिए भी आर्थिक संकट खड़ा कर सकता है.

कंपनी के ब्रांड एंबेसडर्स भी तगड़े : आईपीएल की कई फ्रेंचाइजियों से लेकर अलग-अलग क्रिकेटरों तक, ड्रीम-11 की पैठ खेल के कारोबार में बेहद गहरी रही है. कंपनी के ब्रांड एंबेसडर्स की लिस्ट भी उतनी ही दमदार है, जिसमें महेंद्र सिंह धौनी, रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या, ऋषभ पंत और जसप्रीत बुमराह जैसे बड़े नाम शामिल हैं. यही नहीं, 2020 में जब भारत-चीन तनाव के चलते वीवो ने आईपीएल टाइटल स्पॉन्सरशिप छोड़ी थी, तब कुछ समय के लिए ड्रीम-11 ने ही टाइटल स्पॉन्सर बनने की जिम्मेदारी उठाई थी. कुल मिलाकर, ड्रीम-11 का अचानक बाहर होना भारतीय क्रिकेट के लिए नया स्पॉन्सर ढूंढने की चुनौती है, जबकि वैश्विक स्तर पर कई लीगों और खिलाड़ियों पर भी इसके असर की गूंज सुनाई दे सकती है.

2023 में हुआ था बीसीसीआई और ड्रीम11 का करार : 2023 में ड्रीम11 और बीसीसीआई के बीच 3 साल का करार 358 करोड़ रुपये में हुआ था. इसके बाद भारतीय सीनियर पुरुष टीम, महिला और अंडर-19 टीम की जर्सी पर आप सामने इस कंपनी की ब्रांडिंग देखते थे. ये कॉन्ट्रैक्ट 2026 तक था, लेकिन नए कानून के आने के बाद इस करार को समय से पहले खत्म किया जा रहा है.

क्या एशिया कप में बिना टाइटल स्पांसर के खेलेगी टीम इंडिया : अब सबसे बड़ा सवाल ये हैं कि क्या एशिया कप में भारतीय क्रिकेट टीम बिना टाइटल स्पांसर के खेलेगी, या इससे पहले बीसीसीआई कोई कोई शार्ट टर्म करार करेगी. क्योंकि बीसीसीआई जल्दबाजी में कोई लंबी अवधि के लिए करार नहीं करना चाहेगी. एशिया कप का आयोजन 9 सितंबर से शुरू हो रहा है, भारत का पहला मैच 10 सितंबर को यूएई के साथ है. इसके बाद भारत का अगला मैच 14 सितंबर को पाकिस्तान के साथ है. ग्रुप स्टेज में भारत का आखिरी मैच 19 सितंबर को ओमान के साथ होगा.

अब मनी गेमिंग चलाने वालों और विज्ञापन करने वालों की खैर नहीं : लोकसभा में कानून आने के बाद ही ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों ने अपने मनी गेमिंग के कारोबार को बंद कर दिया था. अब इस तरह के मनी गेमिंग चलाने वालों पर सख्त एक्शन होगा, इसमें 3 साल की जेल और 1 करोड़ रुपये का प्रावधान है. इस प्लेटफॉर्म एक विज्ञापन करने या बढ़ावा देने वालों को भी 2 साल की जेल या 50 लाख रुपए का जुर्माना हो सकता है.

अब सोशल गेम्स को बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि प्लेयर्स जिम्मेदारी और सुरक्षित तरीके से खेले. अब ई स्पोर्ट्स को खेल के तौर पर कानूनी मान्यता मिलेगी, जो अभी तक नहीं थी.

वनडे अंतरराष्ट्रीय मैचों में 12 दोहरे शतक में से सात भारतीयों के नाम

वनडे क्रिकेट में ग्लेन मैक्सवेल के नाम डबल सेंचुरी का अनूठा रिकॉर्ड

शुभम संदेश डेस्क

वनडे क्रिकेट के इतिहास में दोहरा शतक लगाना किसी बल्लेबाज के करियर का सबसे बड़ा मुकाम माना जाता है. अब तक इस फॉर्मेट में कुल 12 बार बल्लेबाजों ने डबल सेंचुरी बनाई है, और इसमें से सात बार भारतीय खिलाड़ियों ने ऐसा किया है. यह टीम इंडिया की बल्लेबाजी ताकत का बड़ा सबूत है. हालांकि, ग्लेन मैक्सवेल दोहरे शतक का भी अनूठा रिकॉर्ड अपने नाम रखते हैं. आज ही के दिन 2012 में मैक्सवेल ने अपना पहला वनडे खेला था और 13 साल बाद वह दोहरे शतक के मामले में एक बेहतरीन रिकॉर्ड के मालिक हैं.

सचिन ने लगाया था पहला दोहरा शतक : इस ऐतिहासिक सिलसिले की शुरुआत 2010 में सचिन तेंदुलकर ने की थी, जब उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 200 रन बनाकर वनडे में पहला दोहरा शतक जड़ा. इसके बाद भारतीय बल्लेबाजों का दबदबा लगातार बढ़ता गया. वीरेंद्र सहवाग ने 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 219 रनों की तूफानी पारी खेली, जबकि रोहित शर्मा ने तो इतिहास ही बदल दिया. रोहित के नाम तीन-तीन दोहरे शतक हैं, जिनमें 2014 में श्रीलंका के खिलाफ खेली गई 264 रनों की पारी अब तक का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है.

हिटमैन के नाम तीन दोहरे शतक : इसके अलावा हिटमैन ने 2013 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 209 रन और 2017 में श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 208 रन बनाए थे. भारतीय बैटिंग के नए सितारे भी इस लिस्ट में शामिल हुए. ईशान किशन ने 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ 210 रन ठोके, जबकि शुभमन गिल ने 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 208 रनों की धमाकेदार पारी खेलकर डबल सेंचुरी क्लब में एंट्री की.

गेल और गुप्टिल भी लिस्ट में शामिल : अगर विदेशी खिलाड़ियों की बात करें तो वेस्टइंडीज के क्रिस गेल (215 रन बनाम जिम्बाब्वे) और न्यूजीलैंड के मार्टिन गुप्टिल (237* बनाम वेस्टइंडीज) ने भी इस क्लब में जगह बनाई. पाकिस्तान के फखर जमां ने 2018 में 210* रन बनाए और हाल ही में श्रीलंका के पाथुम निसंका ने 2024 में अफगानिस्तान के खिलाफ 210* रन बनाकर इस खास रिकॉर्ड के क्लब में शामिल हुए.

मैक्सवेल का अनूठा रिकॉर्ड : हालांकि, इन सबके बीच ग्लेन मैक्सवेल का नाम सबसे अलग और खास है. ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ने 2012 में अपना वनडे डेब्यू किया था और 11 साल बाद, 2023 में उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ 201* रनों की नाबाद पारी खेलकर ऐसा कमाल कर दिया जो किसी ने नहीं किया था. मैक्सवेल वनडे इतिहास के अब तक के इकलौते बल्लेबाज हैं, जिन्होंने सफल चेज में दोहरा शतक जमाया. यह पारी उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी और मानसिक मजबूती दोनों की मिसाल बन गई. 2025 में भी मैक्सवेल का यह रिकॉर्ड कायम है.

भारतीय बल्लेबाजी है खास : आज जब भी वनडे के सबसे यादगार व्यक्तिगत प्रदर्शनों की चर्चा होती है, भारतीय बल्लेबाजों के सात दोहरे शतक और ग्लेन मैक्सवेल का यह अनोखा कारनामा हमेशा सुर्खियों में रहता है. यह साबित करता है कि क्रिकेट सिर्फ रन बनाने का खेल नहीं, बल्कि दबाव की घड़ी में टीम को जीत दिलाने का जज्बा भी है.

वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले बल्लेबाज

खिलाड़ी	रन	स्ट्राइक रेट	विरोधी टीम	साल
सचिन तेंदुलकर	200*	136.05	दक्षिण अफ्रीका	2010
वीरेंद्र सहवाग	219	146.97	वेस्टइंडीज़	2011
रोहित शर्मा	209	132.27	ऑस्ट्रेलिया	2013
रोहित शर्मा	264	152.60	श्रीलंका	2014
क्रिस गेल	215	146.25	जिम्बाब्वे	2015
मार्टिन गुप्टिल	237*	145.39	वेस्टइंडीज़	2015
रोहित शर्मा	208*	135.94	श्रीलंका	2017
फखर जमां	210*	134.61	जिम्बाब्वे	2018
ईशान किशन	210	160.30	बांग्लादेश	2022
शुभमन गिल	208	139.59	न्यूज़ीलैंड	2023
ग्लेन मैक्सवेल	201*	157.03	अफगानिस्तान	2023
पाथुम निस्संका	210*	151.07	अफगानिस्तान	2024

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर ने एक साथ तोड़ा शेन वॉर्न और ब्रैड हॉग का रिकॉर्ड

एजेंसियां। जोहानिसबर्ग

साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 3 मैचों की वनडे सीरीज में 2-1 से हराया, लेकिन रविवार को खेले गए आखिरी वनडे में ऑस्ट्रेलिया टीम पूरी तरह हावी नजर आई. पहले ट्रेविस हेड, मिचेल मार्श और कैमरून ग्रीन ने शतक जड़ा, फिर गेंदबाजी में कूपर कोनोली ने ऐतिहासिक स्पेल डाला. कोनोली ने 5 विकेट चटकाए, जो वनडे में ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर द्वारा बेस्ट गेंदबाजी है. उन्होंने ब्रैड हॉग का रिकॉर्ड तोड़ने के साथ 38 साल पुराना एक बड़ा रिकॉर्ड भी तोड़ा. ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 431 रन बनाए थे. ट्रेविस हेड (142), मिचेल मार्श (100) और कैमरून ग्रीन (118) ने शानदार शतकीय पारी खेली. जवाब में साउथ अफ्रीका की टीम 155 रनों पर ढेर हो गई, सबसे ज्यादा विकेट ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर कपूर कोनोली ने लिए.

कूपर कोनोली का ऐतिहासिक स्पेल, तोड़ा ब्रैड हॉग का रिकॉर्ड

कूपर कोनोली ने 6 ओवरों में 22 रन देकर 5 विकेट लिए. उन्होंने टोनी डी जोरजी, डेवाल्ड ब्रेविस, विलेम मुल्डर, कोर्बिन बॉश और केशव महाराज को आउट किया. ये ऑस्ट्रेलिया के लिए स्पिनर द्वारा वनडे में सर्वश्रेष्ठ स्पेल है. उन्होंने ब्रैड हॉग का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2005 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 32 रन देकर 5 विकेट लिए थे. इसके बाद लिस्ट में शेन वार्न हैं, जिन्होंने 1996 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 33 रन देकर 5 विकेट लिए थे.

ऑस्ट्रेलिया के लिए वनडे में स्पिनर द्वारा सर्वश्रेष्ठ स्पेल

- 5/22 (6) - कूपर कोनोली बनाम साउथ अफ्रीका- 2005
- 5/32 (10) - ब्रैड हॉग बनाम वेस्टइंडीज- 2005
- 5/33 (9.3) - शेन वार्न बनाम वेस्टइंडीज- 1996
- 5/35 (7.5) - माइकल क्लार्क बनाम श्रीलंका- 2004
- 5/35 (9) - एडम ज़म्पा बनाम न्यूजीलैंड- 2022

5 विकेट हॉल लेने वाले सबसे छोटी उम्र वाले ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज

कूपर कोनोली वनडे क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के लिए 5 विकेट लेने वाले सबसे कम उम्र के गेंदबाज बन गए हैं. पहले ये रिकॉर्ड क्रेग मैकडरमॉट के नाम था, जिन्होंने 1987 में पाकिस्तान के खिलाफ 5 विकेट लिए थे. उस समय क्रेग की उम्र 22 साल 204 दिन थी. जबकि कोनोली ने रविवार को जब 5 विकेट लिए तो उनकी उम्र 22 साल 2 दिन थी. उन्होंने 22 अगस्त को ही अपना 22वां जन्मदिन मनाया था. देखें ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे कम उम्र में 5 विकेट लेने वाले टॉप 3 गेंदबाज.

- 22 साल, 2 दिन - कूपर कोनोली बनाम दक्षिण अफ्रीका (2025)
- 22 साल, 204 दिन - क्रेग मैकडरमॉट बनाम पाकिस्तान (1987)
- 22 साल, 211 दिन - मिचेल स्टार्क बनाम पाकिस्तान (2012)
- साउथ अफ्रीका ने 2-1 से जीती सीरीज

साउथ अफ्रीका ने सीरीज के शुरूआती दोनों वनडे जीतकर सीरीज पहले ही अपने नाम कर ली थी. आखिरी मैच ऑस्ट्रेलिया के लिए आत्मसम्मान की लड़ाई वाला था, जिसे जीतने में मिचेल मार्श एंड टीम सफल रही. ट्रेविस हेड को तीसरे वनडे का सर्वश्रेष्ठ प्लेयर चुना गया, जिन्होंने 103 गेंदों में 5 छक्के और 17 चौकों की मदद से 142 रन बनाए. केशव महाराज को सीरीज का सर्वश्रेष्ठ प्लेयर चुना गया.

गांगुली बने साउथ अफ्रीकी टी-20 टीम के हेड कोच

एजेंसियां। नयी दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली ने क्रिकेट की दुनिया में एक नई शुरुआत कर दी है. लंबे इंतजार के बाद वह अब कोचिंग के रोल में कदम रख चुके हैं. हाल ही में उन्होंने भारतीय टीम को कोच करने की इच्छा के बारे में बताया था. अब दक्षिण अफ्रीका की टी20 लीग एसए20 के आगामी सीजन के लिए गांगुली को प्रिटोरिया कैपिटल्स का हेड कोच नियुक्त किया गया है.

पहली बार किसी टीम के हेड कोच बने : यह गांगुली के करियर का पहला मौका है जब वह किसी प्रोफेशनल फ्रेंचाइजी टीम के साथ फुल टाइम हेड कोच की भूमिका निभाएंगे. प्रिटोरिया कैपिटल्स ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस बड़े फैसले का ऐलान किया और उन्हें 'कोलकाता का प्रिंस' कहते हुए टीम में स्वागत किया. उन्होंने लिखा, ?हम सौरव गांगुली का अपनी टीम के नए हेड कोच के रूप में ऐलान करते हुए खुशी हो रही हैं.

गांगुली से पहले ट्रॉट थे हेड कोच : इससे पहले इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज जोनाथन ट्रॉट ने प्रिटोरिया कैपिटल्स की जिम्मेदारी संभाली थी. गांगुली की यह नियुक्ति ट्रॉट के पद छोड़ने के एक दिन बाद हुई है. ट्रॉट के पिछले सीजन बतौर कोच रहते हुए टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा था. ऐसे में अब उम्मीदें गांगुली से बंधी हैं कि वह टीम को नई दिशा देंगे.

कप्तान से प्रशासक और अब कोच : सौरव गांगुली का क्रिकेट करियर भी काफी शानदार रहा है. कप्तानी के दौर में उन्होंने भारतीय टीम को नई पहचान दी. बीसीसीआई अध्यक्ष रहते हुए भी कई बड़े फैसलों से भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया. हाल ही में वह आईपीएल और WPL में दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक की भूमिका निभा रहे थे. अब बतौर हेड कोच उनकी यह नई पारी खास मायने रखती है.

टीम के सामने बड़ी चुनौती : SA20 का अगला सीजन 26 दिसंबर 2025 से 25 जनवरी 2026 तक खेला जाएगा. प्रिटोरिया कैपिटल्स ने पहले सीजन में फाइनल तक का सफर तय किया था.

शाकिब ने पूरे किए 500 टी20 विकेट, फाल्कन्स की शानदार जीत

एंटिगुआ । कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल 2025) में एंटिगुआ एंड बारबुडा फाल्कन्स ने रविवार रात अपने घरेलू चरण का अंत सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स को हराकर किया और अंकतालिका में शीर्ष पर अपनी जगह बरकरार रखी. इस मुकाबले में बांग्लादेश के दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए महज दो ओवर में 11 रन देकर 3 विकेट झटके और अपने 500 टी20 विकेट पूरे किए. बल्लेबाज़ी में करीमा गोर ने नाबाद 52 रन बनाकर टीम को 7 विकेट से जीत दिलाई. पैट्रियट्स ने शुरुआत में सतर्क बल्लेबाज़ी की. आंद्रे फ्लेचर ने कुछ अच्छे शॉट लगाए लेकिन जायडन सील्स ने उन्हें चलता कर दिया. इसी बीच इविन लुइस चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए.

वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगानेवाले बल्लेबाज

इतिहास रचने से सिर्फ 8 छक्के दूर हैं रोहित शर्मा

एजेंसियां। नयी दिल्ली

वनडे इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड पूर्व पाकिस्तानी धाकड़ ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी के नाम है. अफरीदी के नाम ये रिकॉर्ड पिछले 10 साल से है. लेकिन जल्द ही ये रिकॉर्ड भारतीय वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा के नाम हो सकता है. उम्मीद है कि रोहित अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में खेलते हुए दिखेंगे. इस दौरान वो सिर्फ 8 छक्के लगाकर इतिहास रच सकते हैं. वनडे में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज

शाहिद अफरीदी : पूर्व पाकिस्तानी ऑलराउंडर इस लिस्ट में पहले स्थान पर हैं. अफरीदी ने पाकिस्तान के लिए 398 वनडे मैच खेले हैं. इस दौरान अफरीदी ने 351 छक्के जड़े हैं. वो 350 का आंकड़ा छूने वाले पहले और अभी तक इकलौते खिलाड़ी हैं. अफरीदी के नाम ये रिकॉर्ड 10 साल से कायम है. अफरीदी ने आखिरी बार साल 2015 में वनडे खेला था.

रोहित शर्मा : भारतीय बल्लेबाज रोहित शर्मा इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं. रोहित ने अब तक भारत के लिए 273 वनडे मैच खेले हैं. इस दौरान उनके बल्ले से 344 छक्के निकले हैं. रोहित सिर्फ 8 छक्के लगाते ही, अफरीदी को पीछे छोड़कर, वनडे क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं.

क्रिस गेल : वेस्टइंडीज के धाकड़ बल्लेबाज क्रिस गेल तीसरे स्थान पर हैं. गेल ने कुल 301 वनडे मैच खेले हैं. इस दौरान गेल ने 331 छक्के जड़े हैं.

सनथ जयसूर्या : श्रीलंका के महान बल्लेबाज सनथ जयसूर्या का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है. जयसूर्या ने श्रीलंका के लिए 445 वनडे मैच खेले हैं. इस दौरान उन्होंने 270 छक्के लगाए हैं.

एमएस धौनी : भारत के महान कप्तानों में से एक एमएस धौनी भी वनडे में छक्के लगाने के मामले में बहुत दिग्गज खिलाड़ियों से आगे रहे हैं. धौनी ने कुल 350 वनडे मैच खेले हैं. इस दौरान उनके बल्ले से 229 छक्के निकले हैं.

क्रिकेट

भारतीय दिग्गज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के लिए के लिए डिविलियर्स ने की भविष्यवाणी

नहीं लगता बुमराह एशिया कप के सभी मैच खेल पाएंगे

एजेंसियां। नयी दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने आगामी एशिया कप के लिए भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की टी20 टीम में वापसी की सराहना की, लेकिन साथ ही कहा कि उन्हें नहीं लगता कि यह अनुभवी तेज गेंदबाज सभी मैचों में खेलेगा. बुमराह ने टी20 विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की थी और इसके बाद से वह अब पहली बार भारत के लिए खेल के सबसे छोटे प्रारूप में खेलते दिखेंगे.

अगले महीने होना है एशिया कप : भारत ने हाल ही में नौ सितंबर से यूएई में होने वाले एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का एलान किया था जिसमें बुमराह को भी जगह मिली थी.

भारत इस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर से करेगा. भारतीय टीम सूर्यकुमार यादव की कप्तानी और उपकप्तान शुभमन गिल की अगुआई में खिताब बचाने के इरादे से उतरेगा. अपने यू-ट्यूब चैनल पर बात करते हुए डिविलियर्स ने कहा कि बुमराह को फिट और खेलने के लिए तैयार रहते देखना बहुत अच्छा है. डिविलियर्स ने बुमराह के कार्यभार को अच्छी तरह से प्रबंधित करने के लिए चयनकर्ताओं की भी सराहना की, क्योंकि वह हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर पांच टेस्ट में से दो में नहीं खेले थे. डिविलियर्स ने कहा, मुझे नहीं लगता कि बुमराह सभी मैच खेलेंगे. मैंने रिपोर्ट्स देखी हैं कि उन्हें सिर्फ उन मैचों के लिए चुना जाएगा जो महत्वपूर्ण हैं और मुझे चयनकर्ताओं की सक्रियता की बात पसंद आई. आपको अपने सीनियर और सबसे प्रभावशाली खिलाड़ियों को इसी तरह मैनेज करना चाहिए.

डिविलियर्स ने यह भी कहा कि ऐसा नहीं है कि बुमराह अपनी पसंद से मैच खेल रहे हैं, क्योंकि ऐसे माहौल में जहां बहुत अधिक क्रिकेट होता है, इसका खिलाड़ियों पर वर्षों तक बुरा असर पड़ता है. उन्होंने कहा, कुछ चयनकर्ता इसे समझते हैं और कुछ नहीं. एक बार जब आप इन खिलाड़ियों को मैनेज करना शुरू कर देते हैं तो आप उनसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवा सकते हैं और मुझे यह अच्छा लगा कि उन्होंने बुमराह के साथ ऐसा करना शुरू कर दिया है.

भारत के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले पांचवें गेंदबाज हैं बुमराह : बुमराह भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले पांचवें गेंदबाज हैं. उन्होंने 70 मैचों में 17.74 की औसत से 89 विकेट लिए हैं. मुंबई इंडियंस के साथ उनका आईपीएल सीजन शानदार रहा, जहां उन्होंने 12 मैचों में 17.55 की औसत से 18 विकेट लिए.

महिला विश्व कप के लिए पाकिस्तान टीम का ऐलान

सिर्फ 585 रन बनानेवाली को बनाया कप्तान

एजेंसियां। इस्लामाबाद

महिला विश्व कप का आयोजन इस बार भारत और श्रीलंका में किया जा रहा है. जिसकी मेजबानी पूरी तरह से भारत के पास है. टीम इंडिया ने कुछ ही दिन पहले अपने इस महिला वनडे विश्व कप के लिए अपने स्क्वाड का ऐलान किया था. इसी बीच भारत के सबसे बड़े दुश्मन में से एक पाकिस्तान ने भी अपने महिला टीम का ऐलान कर दिया है. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने 25 अगस्त को अपने स्क्वाड का ऐलान किया है. टीम में कुल 15 खिलाड़ियों को मौका मिला है. पाकिस्तान की महिला टीम ने वनडे वर्ल्ड कप के लिए जो टीम का ऐलान किया है, उसकी कप्तानी फातिमा सना के हाथों में है. फातिमा सना की कप्तानी में पिछले कुछ सालों से पाकिस्तान की टीम ने कुछ खास कमाल नहीं किया है, फिर भी वह लगातार टीम की कप्तानी कर रही हैं. बतौर कप्तान तो उनका प्रदर्शन बेहद खराब रहा ही है, इसके अलावा वह बतौर खिलाड़ी भी कुथ खास कमाल नहीं कर सकी हैं. फातिमा सना, जो एक बॉलिंग ऑलराउंडर हैं. उनके नाम वनडे क्रिकेट में 63 विकेट और 585 रन दर्ज हैं.

इस दिन होगा टीम इंडिया से मुकाबला : पाकिस्तान की महिला टीम वनडे विश्व कप के लीग स्टेज के दौरान कुल 7 मुकाबले खेलेगी. उनकी पहला मैच बांग्लादेश के खिलाफ 2 अक्टूबर को खेला जाएगा. पाकिस्तान को इस दौरान भारतीय महिला टीम के खिलाफ भी मुकाबला खेलना है. भारत से उनका यह मैच 05 अक्टूबर को होगा. इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका और श्रीलंका के खिलाफ भी उन्हें मैच खेलना है.

ब्रीफ न्यूज

जमुने नदी में डूबे युवक का शव 30 घंटे बाद बरामद

गया। बिहार के गया जी जिले में रविवार को जमुने नदी में पैर फिसलने से एक युवक डूब गया, जिसकी तलाश के 30 घंटे बाद एसडीआरएफ टीम ने शव बरामद किया. मृतक की पहचान परैया प्रखंड के झीकटिया गांव निवासी ऋतु राज के रूप में की गई है, जो बोरिंग मिस्त्री का काम करता था. सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची चंदौती थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया. मृतक के शव मिलने की खबर पर परिजनों और ग्रामीणों ने गया-टिकारी मुख्य सड़क मार्ग को जाम कर मुआवजा की मांग की. पुलिस ने उन्हें समझा-बुझाकर सड़क जाम हटवाया. एसडीआरएफ की टीम ने सोमवार दोपहर 12 बजे नदी से शव को निकाला.

हाजीपुर: नवजात गायब परिवार ने किया हंगामा

वैशाली। जिले के हाजीपुर सदर अस्पताल में नवजात बच्चे के गायब होने का मामला सामने आया है. शनिवार की देर रात बिदुपुर थाना क्षेत्र निवासी पंकज राय की पत्नी मनीषा कुमारी ने 7 महीने के समय पर अपने बच्चे को जन्म दिया. डॉक्टर की सलाह पर नवजात बच्चे को पिको वार्ड में इलाज के लिए भर्ती कराया गया. परिवार ने रविवार और सोमवार की दरमियानी रात बच्चे को देखने जब वार्ड में पहुंचा तो डॉक्टर ने बताया कि बच्चा ठीक है. लेकिन सोमवार सुबह जब परिवार ने पुनः बच्चे को देखने का प्रयास किया, तो डॉक्टर ने कहा कि बच्चा मृत हो चुका है. इस पर परिवार ने संदेह जताते हुए कहा कि यह उनका बच्चा नहीं है. उन्होंने बताया कि जन्म के समय बच्चा लगभग 1 किलो था, जबकि वार्ड में दिखाया गया बच्चा 1 किलो 200 ग्राम का था. परिवार के हंगामा करने पर नगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी. पुलिस ने अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और भर्ती रजिस्टर की भी जांच की, जिसमें नवजात बच्चे का नाम दर्ज नहीं पाया गया. स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी अस्पताल पहुंचकर मामले की जांच में जुट गए हैं. परिवार ने अस्पताल प्रशासन पर नवजात बच्चे को गायब करने का आरोप लगाया है.

बीपी मंडल को दी श्रद्धांजलि

सीएम ने परियोजनाओं का किया शिलान्यास

संवाददाता ।पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक दिन (रविवार) के स्वास्थ्य लाभ के बाद सोमवार सुबह से सक्रिय हैं. मुख्यमंत्री एक के बाद एक कई कार्यक्रमों में शामिल हुए. मुख्यमंत्री ने कई योजनाओं का शिलान्यास किया, तो वहीं बीपी मंडल की जयंती समारोह में भी शामिल हुए. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार को सबसे पहले बीपी मंडल की जयंती पर आयोजित राजकीय समारोह में शामिल होने के लिए देश रत्न मार्ग एवं सर्कुलर पथ चौराहा स्थित उनकी प्रतिमा के पास पहुंचे और बीपी मंडल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें याद किया.

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी मुख्यमंत्री के साथ मौजूद थे. बीपी मंडल को नमन करते के बाद मुख्यमंत्री पटेल गोलंबर से इको पार्क के पश्चिमी छोर तक तथा इको पार्क के पूर्वी छोर से अटल पथ तक भूमिगत नाला और चार लेन सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया. 196.80 करोड़ की लागत से इसका निर्माण होना है. बिहार सरकार के कई मंत्री इस कार्यक्रम में शामिल हुए. इस कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री 328.52 करोड़ की लागत से पटना शहरी क्षेत्र में विद्युत संरचनाओं के आधुनिकीकरण और बिजली तारों को चरणबद्ध तरीके से भूमिगत करने की परियोजना का कार्य आरंभ किया. पटना के डाक बंगला पर इसके लिए विशेष रूप से कार्यक्रम का आयोजन किया गया था.

ऊर्जा मंत्री विजेंद्र यादव सहित कई अन्य मंत्री इस कार्यक्रम में भी मौजूद रहे. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना साइंस कॉलेज के न्यूटन हॉस्टल के पास आयोजित कार्यक्रम में भी शामिल हुए, जिसमें कई योजनाओं का शिलान्यास भी किया.

इसके बाद जेपी गंगा पथ के पास मुख्यमंत्री शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल हुए. यहां से उन्होंने 387.40 करोड़ की लागत से दीघा से गांधी मैदान तक की कई योजनाओं का शिलान्यास किया है. इसी तरह करोड़ों रुपये की कई योजनाओं का तोहफा पटना को दिया है. उल्लेखनीय है कि रविवार को मुख्यमंत्री को कई कार्यक्रम में शामिल होना था, तैयारी भी हो गई थी. लेकिन अचानक कार्यक्रम रद्द कर दिया गया. मुख्यमंत्री कार्यालय ने अपरिहार्य कारणों से कार्यक्रम रद्द होने की बात कही. हालांकि, चर्चा यह होने लगी कि मुख्यमंत्री अस्वस्थ हो गए हैं और इसी कारण कार्यक्रम रद्द हुआ है. लेकिन आज सुबह से ही मुख्यमंत्री व्यस्त दिख रहे हैं.

सीवान: नशेड़ी ने युवक पर चाकू से जानलेवा हमला किया, पटना रेफर

सीवान । जिले में नशे की गिरफ्त में आए युवाओं की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं. रविवार देर रात नगर थाना क्षेत्र के पंचमंदिरा मोड़ पर एक 25 वर्षीय युवक पर नशे में धुत स्माइकर ने चाकू से हमला कर दिया. जानकारी के अनुसार, पंचमंदिरा शांति नगर निवासी स्व. शंकर साह के पुत्र राजू कुमार गुप्ता घर से टहलने निकले थे. इसी दौरान सड़क पर मौजूद एक नशेड़ी युवक ने उनके मोबाइल और पैसे छीनने की कोशिश की. विरोध करने पर आरोपी ने चाकू से कई वार किए, जिसमें राजू के शरीर में तीन जगह गंभीर चोटें आईं. घटना की आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन आरोपी भागने में सफल रहा. घायल राजू को तुरंत सीवान सदर अस्पताल लाया गया. गंभीर हालत देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया. राजू स्थानीय दुकानों में मजदूरी करते हैं. नगर थाना पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर घायल का बयान दर्ज किया. थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी की पहचान हो चुकी है और उसे पकड़ने के लिए छापेमारी जारी है. स्थानीय लोग नशे की लत और उससे जुड़ी वारदातों में बढ़ोतरी को चिंता का विषय मानते हुए, सख्त कार्रवाई और नशा मुक्ति अभियान की मांग कर रहे हैं.

धावा पुल पर बस-ट्रक के बीच भीषण भिड़ंत

चालक की मौत, 15 यात्री घायल

संवाददाता ।रोहतास

रोहतास जिले के बिक्रमगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत धावा पुल के पास सोमवार की सुबह बस और ट्रक की आमने-सामने टक्कर में गंभीर रूप से घायल बस चालक चंदन कुमार बैठा की इलाज के दौरान मौत हो गई. हादसे में बस सवार लगभग 15 यात्री भी घायल हुए हैं, जिनका इलाज बिक्रमगंज स्थित सरकारी अस्पताल में चल रहा है. जानकारी के अनुसार, भोले शंकर नाम की पटना-सासाराम चलने वाली बस सोमवार की सुबह सासाराम लौट रही थी. तभी विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक से बस की जोरदार भिड़ंत हो गई. टक्कर के बाद अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया.

गंभीर घायल बस चालक चंदन कुमार को प्राथमिक उपचार के बाद सासाराम सदर अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. सड़क हादसे की सूचना मिलते ही बिक्रमगंज थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची. पुलिस ने दोनों वाहनों को जप्त कर लिया और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा. मृतक का शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया.

प्रारंभिक जांच में हादसे की संभावना नींद लगने के कारण बताई जा रही है. सूचना के अनुसार, मृतक बस चालक का एक भाई भी दो वर्ष पूर्व बस दुर्घटना में मारा गया था.

कटिहार में फर्जीवाड़े की पोल खुली

एक नाम और एक ही रजिस्ट्रेशन, दो मदरसे

संवाददाता ।कटिहार

कटिहार के बिनोदपुर प्रखंड से जुड़े एक चौंकाने वाले मामले में सामने आया है कि एक ही मदरसे के नाम, रजिस्ट्रेशन नंबर और एफिलिएशन नंबर का इस्तेमाल कर पड़ोसी धान के खेत में अवैध तरीके से दूसरा मदरसा बनाया गया और उसे सरकारी वेरिफिकेशन के बाद मदरसा बोर्ड को रिपोर्ट किया गया. जानकारी के अनुसार, अख्तरूल इस्लाम दानीपुर मदरसा 1984 में स्थानीय लोगों के सहयोग से स्थापित किया गया था और 1987 में मदरसा बोर्ड में इसका रजिस्ट्रेशन हुआ.

इस मदरसे को लेकर पहले भी पटना उच्च न्यायालय में अलाउद्दीन बिस्मिल बनाम बिहार सरकार का मामला दर्ज था, जिसके तहत मदरसे का निरीक्षण होना था.

इसी दौरान पड़ोसी चापी गांव के कुछ लोगों ने साजिश कर धान के खेत में टीना डालकर फर्जी मदरसा बनवाया. उन्होंने पुराने मदरसे का नाम, रजिस्ट्रेशन और एफिलिएशन नंबर इस्तेमाल कर सरकारी वेरिफिकेशन करवा लिया. इस फर्जी वेरिफिकेशन रिपोर्ट को मदरसा बोर्ड को भेजा गया. दानीपुर में मौजूद असली मदरसा संचालक और स्थानीय प्रतिनिधि जिला अधिकारी से न्याय की मांग कर चुके हैं. स्थानीय लोगों ने इस कदम को गंभीर बताते हुए कहा कि यह पूरा मामला मदरसे की छवि को धूमिल करने की कोशिश है.

पटना सहित जहानाबाद-गयाजी नालंदा और नवादा में बाढ़ जैसे हालात

संवाददाता ।पटना

बिहार में लगातार हो रही बारिश की वजह से पटना सहित नालंदा, जहानाबाद और गया जी जिले में बाढ़ जैसे हालात उत्पन्न हो गए हैं. पटना के दीघा घाट, गांधी घाट और मोकामा के हाथीदह घाट पर गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है और खतरे के निशान से एक से तीन मीटर ही नीचे है. पटना जिलाधिकारी डॉ त्यागराजन एसएम के निर्देश पर जल संसाधन विभाग के अभियंता व अंचलाधिकारी ने निरीक्षण किया. दनियावां के जीवनचक, चकराजा के पास महतमाईन नदी के जमींदारी बांध का मरम्मत कार्य किया जा रहा है. फतुहा में क्षतिग्रस्त बांध की मरम्मती कराई जा रही है.

पटना से सटे धनरुआ प्रखंड में पांच नदियां उफान पर हैं. इससे 16 सौ एकड़ में लगी धान की फसल को नुकसान हुआ है. फल्गु नदी में उफान आने से धनरुआ प्रखंड से होकर बहने वाली कररुआ, भूतही और महताइन नदी में बाढ़ आ गई. इससे अरमल से चकरमल के बीच में छह जगहों पर कररुआ और भुतही नदी का पानी दर्जनों गांवों में घुस गया है. आतापुर के पास तटबंध टूट गया, जिससे गांव में पानी जाने लगा. इसके बाद सीओ ने तटबंध की मरम्मति का कार्य शुरू कराया. बाढ़ का पानी बहरामपुर, विजयपुरा, पेड़ा और छाती पंचायत के अमरपुरा, सिमहारी, पिपरामा, नसरतपुर, रसलपुर सहित करीब दो दर्जन गांवों में घुस गया है. किसानों ने बताया कि धान की रोपनी दूसरी बार की थी, जिसे भारी नुकसान हुआ है.

पटना में किसानों ने सड़कों पर उतर किया प्रदर्शन

संवाददाता ।पटना

संयुक्त किसान मोर्चा अपनी मांगों को लेकर सोमवार को प्रदर्शन कर रहा है. प्रदर्शन का नेतृत्व बक्सर के सांसद और किसान नेता सुधाकर सिंह कर रहे हैं. इनका कहना है कि ये लोग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास का घेराव करेंगे, लेकिन किसान बुद्धा पार्क से पटना जंक्शन होते हुए प्रदर्शनकारी जैसे ही डाकबंगला चौराहा पहुंचे, इससे पहले ही पुलिस ने उनको रोकने के लिए बैरिकेटिंग लगा दी.

प्रदर्शनकारी बैरिकेटिंग को तोड़ते हुए आगे बढने की कोशिश करने लगे, तब पुलिस को मजबूरन बल का प्रयोग करना पड़ा. फिलहाल प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं. पुलिस ने पटना जंक्शन से डाकबंगला की तरह से आने और उस तरफ जाने के रास्ते को ब्लॉक कर दिया है. फिलहाल डाकबंगला चौराहा पर भारी संख्या में पुलिस की तैनाती की गई है. प्रदर्शनकारियों का कहना है कि बिहार सरकार जबरन उनकी जमीन का अधिग्रहण कर रही है, लेकिन मुआवजा 2014 की दर पर दिया जा रहा है. उनकी मांग है कि मुआवजा मौजूदा बाजार दर के अनुसार मिलना चाहिए. प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि बिहार सरकार उनके साथ अन्याय कर रही है. प्रदर्शनकारियों का कहना है कि किसानों की जमीन सरकार अधिग्रहण करे लेकिन मुआवजा आज की तारीख के अनुसार भुगतान करे, लेकिन सरकार ऐसा नहीं कर रही है.

कारोबार

आरबीआई से स्टेक सेल की मंजूरी के बाद 5% भागा शेयर

नयी दिल्ली। प्राइवेट सेक्टर बैंक यस बैंक के शेयर सोमवार को शुरुआती कारोबार में 5 फीसदी से ज्यादा उछल गए. कंपनी के शेयरों में यह तेजी आरबीआई से मिली मंजूरी के बाद आई है. केंद्रीय बैंक ने जापान की निवेश कंपनी सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉर्पोरेशन को यस बैंक में 24.99 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी दे दी है. यह मंजूरी 22 अगस्त, 2025 को जारी एक सर्कुलर के जरिए दी गई और यह एक साल तक वैध रहेगी. यस बैंक ने यह जानकारी स्टॉक एक्सचेंज को दी. इसमें बताया गया कि एसएमबीसी को इस सौदे के बाद बैंक का प्रमोटर नहीं माना जाएगा. सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉर्पोरेशन ने 20 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के उद्देश्य से मई में 13,483 करोड़ रुपये में भारतीय स्टेट बैंक से 13.19 प्रतिशत समेत सात अन्य बैंकों से 6.81 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का प्रस्ताव रखा था. वहीं, जून 2025 तक घरेलू बैंकों के पास सामूहिक रूप से यस बैंक की 33.7 प्रतिशत हिस्सेदारी थी. 23.96 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ एसबीआई सबसे बड़ा एकल शेयरधारक बना रहा.

प्रिंटिंग और पैकेजिंग उद्योग को 5 फीसदी जीएसटी स्लैब में लाने की सरकार से अपील

एजेंसी।नई दिल्ली

देशभर में 2.5 लाख से अधिक प्रिंटिंग और पैकेजिंग उद्यमों का प्रतिनिधित्व करने वाले अखिल भारतीय मुद्रक और पैकेजर महासंघ (एआईएफपीपी) ने शनिवार को अहम वर्चुअल बैठक का आयोजन किया. बैठक का केंद्रबिंदु था-सरकार द्वारा प्रस्तावित वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में सुधार, जिसका उद्देश्य मौजूदा बहु-स्तरीय संरचना को सरल बनाकर दो-स्लैब प्रणाली (5% और 18%) लागू करना है. बैठक में 96 से अधिक उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया. सभी ने एक स्वर में सरकार से आग्रह किया कि प्रिंटिंग और पैकेजिंग उद्योग को 5 प्रतिशत के जीएसटी स्लैब में शामिल किया जाए, ताकि क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता, रोजगार सृजन और निर्यात क्षमता को मजबूती मिल सके. जीएसटी कानून विशेषज्ञ एन.के. थमन ने बैठक में कहा, "प्रिंटिंग और पैकेजिंग भारत की आर्थिक संरचना का अभिन्न हिस्सा है. यदि इस क्षेत्र को 18% के स्लैब में रखा गया, तो इससे नवाचार में रुकावट, लागत में वृद्धि और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में गिरावट आ सकती है. चार्टर्ड अकाउंटेंट उदय धोटे, जो एक प्रिंट उद्यमी भी हैं, उन्होंने कहा, उच्च टैक्स दरों से छोटे व्यवसायों पर बोझ बढ़ेगा, जिससे जरूरी पैकेजिंग उत्पादों की लागत में इजाफा होगा और इसका सीधा असर उपभोक्ताओं पर पड़ेगा.

उद्योग का आर्थिक योगदान और संभावनाएं : भारत का प्रिंटिंग और पैकेजिंग उद्योग वर्ष 2025 तक 150 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने की राह पर है. पैकेजिंग खंड अकेले साल 2025 में 101 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर सकता है और साल 2030 तक यह 10.73% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ 170 अरब डॉलर तक पहुँचेगा. यह क्षेत्र देश के 2.5 मिलियन से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार देता है और अप्रत्यक्ष रूप से कागज, स्याही और लॉजिस्टिक्स जैसे सहयोगी क्षेत्रों को भी प्रोत्साहन देता है.

मौजूदा जीएसटी ढांचा और प्रस्तावित प्रभाव वर्तमान में: कार्डबोर्ड, बॉक्स और कागज जैसे उत्पादों पर 12% जीएसटी लागू है (हाल में 18% से घटाया गया). स्टेशनरी जैसे उत्पाद (लिफाफे, डायरी, रजिस्टर आदि) 18% स्लैब में आते हैं. आवश्यक मुद्रित सामग्री जैसे किताबें 0% या 5% की रियायती दर पर करयोग्य हैं. प्रस्तावित ढांचे में 12% वाले अधिकांश उत्पादों को 5% में शामिल किया जा सकता है, लेकिन चिंता यह है कि कई सेवाएं 18% स्लैब में स्थानांतरित हो जाएंगी, जिससे उत्पादन लागत में 6% तक की बढ़ोतरी हो सकती है.

आगे की रणनीति : एआईएफपीपी इस संदर्भ में जीएसटी परिषद् और वित्त मंत्रालय को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपेगा. महासंघ का मानना है कि सरकार से सहयोगात्मक नीति मिलने पर यह क्षेत्र न केवल स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देगा, बल्कि निर्यात में भी बड़ा योगदान देगा. चेयरमैन अरविंद मार्डीकर ने भी इस अपील का समर्थन किया. उन्होंने कहा, पूरे उद्योग को 5% स्लैब में लाना, न केवल उत्पादन लागत कम करेगा, बल्कि अंतिम उपयोगकर्ताओं और निर्यातकों दोनों को लाभ पहुंचेगा. उन्होंने इस मुद्दे को जीएसटी परिषद् के सामने रखने का भी आश्वासन दिया.

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से सोमवार को मजबूती के संकेत मिल रहे हैं. अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान जोरदार उछाल के साथ बंद हुए थे. हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स सोमवार को मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आया है. यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी का रुख बना रहा. इसी तरह एशियाई बाजारों में भी चौतरफा खरीदारी हो रही है. अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने शुक्रवार को अपने संबोधन में अगले महीने से ब्याज दरों में कटौती शुरू होने का संकेत दिया था. पॉवेल के इस संकेत की वजह से अमेरिका समेत दुनिया भर के तमाम स्टॉक एक्सचेंज में उत्साह का माहौल बन गया. अमेरिकी बाजार में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए. एस एंड पी 500 इंडेक्स 96.74 अंक यानी 1.52 प्रतिशत की जबरदस्त तेजी के साथ 6,466.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ. इसी तरह नैस्डेक ने 396.22 अंक यानी 1.88 प्रतिशत की मजबूती के साथ 21,496.53 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया.

फ्लिपकार्ट त्योहारी सीजन के दौरान 2.2 लाख से अधिक लोगों को देगा रोजगार

एजेंसी ।नई दिल्ली

ई-कॉमर्स क्षेत्र की दिग्गज फ्लिपकार्ट ने त्योहारी सीजन के तहत अपने कार्यबल में विस्तार किया है. फ्लिपकार्ट ने इसके तहत 2.2 लाख से ज्यादा लोगों को अल्पकालिक रोजगार देने का ऐलान किया है. इसमें महिलाओं की नियुक्ति में 10 फीसदी की वृद्धि और दिव्यांग व्यक्तियों के लिए रोजगार के अधिक अवसर पैदा करना और ध्यान देना शामिल है. कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि वह अपने 'द बिग बिलियन डेज' सेल के लिए आपूर्ति श्रृंखला, लॉजिस्टिक्स और अंतिम छोर तक डिलीवरी क्षेत्र को मजूबत कर रही है. इसके लिए कंपनी ने 2.2 लाख से अधिक अल्पकालिक रोजगार के अवसर सृजित करेगी. इसमें पिकर, पैकर, सॉर्टर और डिलीवरी एक्जीक्यूटिव की भूमिकाएं शामिल है. कंपनी ने कहा, ''त्योहारों से पहले फ्लिपकार्ट 28 राज्यों में रोजगार के अवसर दे रहा है और बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रहा है. इसके साथ ही 2.2 लाख से अधिक रोजगार के अवसरों के सृजन, अंतिम छोर तक पहुंच और छोटे एवं मझोले शहरों में भर्तियों के साथ फ्लिपकार्ट का लक्ष्य आगामी त्योहारों में बड़े पैमाने पर विस्तार करना है. इसके अलावा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट छोटे एवं मझोले शहरों में 650 नए त्योहारी आपूर्ति केंद्र भी खोलेगी. फ्लिपकार्ट ने कहा कि कंपनी अपने बहुप्रतीक्षित शॉपिंग फेस्टिवल, 'द बिग बिलियन डेज' की तैयारी में जुटा है.

सर्राफा | घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में मामूली गिरावट दर्ज की गई

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की बढ़ी चमक

एजेंसी ।नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने के भाव में मामूली गिरावट दर्ज की गई है. सोने की कीमत में 100 रुपये से लेकर 110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी आई है. इसके विपरीत चांदी सोमवार को 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम महंगा हो गया है. कीमत में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,01,560 रुपये से लेकर 1,01,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार किया है. इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 93,100 रुपये से लेकर 93,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिका है. वहीं चांदी के भाव में तेजी आने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,21,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिका है.

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,01,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 93,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,01,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,01,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,01,560 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 93,100 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिका है. कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,01,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार किया है. लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,01,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 93,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर बिका है. पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 93,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिका है. जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,01,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट आई है. इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,01,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 93,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

आईटी स्टॉक्स में खरीदारी से बाजार में मजबूती

सेंसेक्स 370 अंक ऊपर, निफ्टी 24950 के पार

एजेंसी ।नयी दिल्ली

वैश्विक बाजारों में जोरदार तेजी के बीच भारतीय शेयर बाजार हफ्ते के पहले ट्रेडिंग सेशन यानी सोमवार को मजबूती के साथ ओपन हुए. अमेरिकी फेडरल रिजर्व (फेड) के सितंबर में ब्याज दर कटौती की उम्मीदों के चलते वैश्विक बाजारों में तेजी का घरेलू बाजार पर पॉजिटिव असर पड़ा. साथ ही आईटी स्टॉक्स में खरीदारी से बाजार को सपोर्ट मिला. तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स करीब 200 अंक उछलकर 81,501 पर खुला. आईटी शेयरों में खरीदारी से इंडेक्स में बढ़त देखने को मिली रही है. दोपहर 12:46 बजे यह 395.50 अंक या 0.49 फीसदी की बढ़त लेकर 81,702.35 पर था. इसी तरह, नैशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 भी मजबूती के साथ 24,949 पर खुला. दोपहर 12:47 बजे यह 117.10 अंक या 0.47 फीसदी की बढ़त के साथ 24,987.20 पर कारोबार कर रहा था. सेंसेक्स की कंपनियों में इन्फोसिस के शेयर में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली.

यह 1.5 फीसदी से ज्यादा चढ़ गया. टीसीएस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, टाटा स्टील, अल्ट्रा सीमेंट और एशियन पेंट्स बढ़त में थे. दूसरी तरफ, भारती एयरटेल 1 फीसदी से ज्यादा गिर गया. ईसीआईसीआई बैंक, सन फार्मा, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, मारुति और हिंदुस्तान यूनिलीवर गिरावट में कारोबार कर रहे थे इस बीच, ब्रोडर मार्केट्स में निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में क्रमशः 0.37 प्रतिशत और 0.35 प्रतिशत की वृद्धि हुई. सेक्टोरल मोर्चे पर निफ्टी आईटी इंडेक्स सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला सेक्टरल इंडेक्स रहा. इसे 1.8 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई. इसके अलावा शुरुआती कारोबार में निफ्टी रियल्टी इंडेक्स में 0.8 प्रतिशत और निफ्टी मेटल इंडेक्स में 0.5 प्रतिशत की तेजी आई.

न्यूज अपडेट

महिलाओं को बचाने गए अमेरिकी युवक पर चाकू से हमला, आरोपी फरार

बर्लिन। जर्मनी के ड्रेसडेन शहर से एक बड़ी खबर सामने आ रही है. जहां एक 21 वर्षीय अमेरिकी युवक को उस समय चाकू से हमला किया गया, जब वह ट्रेन में दो महिलाओं को परेशान कर रहे दो लोगों को रोकने की कोशिश कर रहा था. यह घटना 24 अगस्त को हुई, जिसकी पुष्टि जर्मन पुलिस ने की है. मीडिया रिपोर्ट की माने तो ये घटना तब की है जब अमेरिकी युवक ने देखा कि दो लोग महिला यात्रियों को परेशान कर रहे हैं. इसके बाद उसने हस्तक्षेप किया, तो उन दोनों में से एक ने चाकू से उसके चेहरे पर कई वार किए. इसके बाद आरोपी भाग गए. पुलिस ने इनमें से एक आरोपी को पकड़ लिया है, जो 21 साल का सीरियाई नागरिक है.

4 फलस्तीनी इस्राइली गोलीबारी में ढेर

गाजा पट्टी । गाजा पट्टी एक बार फिर खून से लाल हो गई जब रविवार को इस्राइली सेना ने गाजा सिटी के दक्षिण में स्थित नेत्जारिम कॉरिडोर क्षेत्र में भीड़ पर गोलीबारी कर दी. अस्पताल और चश्मदीदों के अनुसार, इस हमले में चार फलस्तीनी मारे गए जो खाने का सामान लेने जा रहे थे. यह इलाका अक्सर लोगों के लिए खाद्य वितरण केंद्र तक पहुंचने का मार्ग होता है. इस घटना के बाद स्थानीय अस्पताल अल-अवदा और गवाहों ने कहा कि सेना ने बिना किसी भेदभाव के भीड़ पर गोलियां चलाईं. गाजा सिटी बीते 22 महीनों से जारी युद्ध की वजह से अकाल झेल रही है. इस्राइल के रक्षा मंत्री ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में पूरा शहर नष्ट हो सकता है. इस बीच, गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि भूख और कुपोषण से रविवार को आठ और लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक बच्चा भी शामिल है.

भारत के नेतृत्व में बिग कैट एलायंस से जुड़ा नेपाल

नयी दिल्ली। नेपाल बड़ी बिल्लियों की सात प्रजातियों के संरक्षण के लिए वैश्विक पहल इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस (आईबीसीए) का आधिकारिक तौर पर सदस्य बन गया है. आईबीसीए भारत की पहल वाला गठबंधन है, जिसमें बड़ी बिल्लियों की प्रजातियों के संरक्षण में रुचि रखने वाले 90 देश शामिल हैं. आईबीसीए ने शनिवार को कहा, नेपाल ने मसौदा समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए हैं. इसके साथ ही वह आईबीसीए से जुड़ गया है. नेपाल में हिम तेंदुए, बाघ व सामान्य तेंदुए पाए जाते हैं. उसके आईबीसीए में शामिल होने से इस प्रजाति के अन्य जीवों के संरक्षण में वैश्विक सहयोग मजबूत होगा. आईबीसीए ने साझा पारिस्थितिकी सुरक्षा की दिशा में उठाए गए इस अहम कदम के लिए नेपाल सरकार को बधाई दी.

गाजा में अस्पताल पर हमले में कई पत्रकारों की मौत

नयी दिल्ली। दक्षिणी गाजा के नासर अस्पताल पर हुए इस्राइली हमले में सोमवार को कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई. इनमें चार पत्रकार भी शामिल हैं. इन हमलों में मरने वालों में एक समाचार एजेंसी की फ्रीलांसर पत्रकार मरियम डग्गा भी थीं, जो गाजा युद्ध शुरू होने के बाद से एपी और अन्य मीडिया संस्थानों के लिए रिपोर्टिंग कर रही थीं. मरियम डग्गा हाल ही में नासर अस्पताल के डॉक्टरों की उस जद्दोजहद पर रिपोर्ट कर रही थीं, जहां स्वस्थ बच्चों को भूख और कुपोषण के कारण मौत से जूझते देखा गया. वहीं अल-जजीरा ने पुष्टि की है कि उनके भी एक पत्रकार मोहम्मद सलाम भी इस हमले में मारे गए हैं.

वेनेजुएला में 13 राजनीतिक बंदियों को रिहा किया गया

नयी दिल्ली। वेनेजुएला में विपक्षी नेताओं और सामाजिक संगठनों ने रविवार को बताया कि राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार द्वारा पिछले साल के विवादित चुनावों के बाद किए गए दमन के तहत गिरफ्तार किए गए 13 लोगों को रिहा किया गया है. हालांकि सरकार की ओर से इन रिहाइयों की तुरंत पुष्टि नहीं की गई, लेकिन विपक्षी नेता हेनरिक कैप्रिलेस ने सोशल मीडिया पर इस कदम का स्वागत किया और इसे "जेल में बंद लोगों के लिए एक आगे बढ़ने वाला कदम" बताया. उन्होंने बताया कि 8 लोगों को पूरी तरह रिहा किया गया, जबकि 5 को घर में नजरबंद किया गया है. कैप्रिलेस ने एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, "आज कई परिवार अपने अपनों से फिर मिल पाए हैं.

लंदन में भारतीय रेस्तरां में लगाई आग, पांच झुलसे

लंदन। लंदन में स्थित एक भारतीय रेस्तरां में आगजनी की घटना सामने आई है. इस घटना में रेस्तरां में खाना खा रहे पांच लोग घायल हुए हैं, जिनमें से दो की हालत गंभीर है. घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि संदिग्धों ने पहले ग्राहकों की मौजूदगी में रेस्तरां के भीतर ज्वलनशील पदार्थ छिड़का और जब तक कोई कुछ समझ पाता, संदिग्ध आरोपियों ने आग लगा दी. जिससे रेस्तरां पलक झपकते ही आग की लपटों में घिर गया. मेट्रोपोलिटन पुलिस ने बताया कि लंदन के इलफोर्ड इलाके में इंडियन एरोमा नामक एक भारतीय रेस्तरां हैं. शुक्रवार की रात इसमें आगजनी की गई. इस घटना में रेस्तरां में मौजूद तीन महिलाएं और दो पुरुष आग की चपेट में आकर जख्मी हो गए.

मतदाता सूची से जुड़ी गलत सूचना फैलाने के आरोप में हुआ था केस

चुनाव विशेषज्ञ संजय कुमार को 'सुप्रीम' राहत

एजेंसी । नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को चुनाव विशेषज्ञ संजय कुमार को सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए महाराष्ट्र की मतदाता सूची से जुड़ी गलत जानकारी फैलाने के आरोप में चुनाव आयोग की ओर से दर्ज कराई गई दो एफआईआर के सिलसिले में गिरफ्तारी से सुरक्षा प्रदान की. मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा और वकील सुमीर सोढ़ी की इस दलील पर गौर किया कि चुनाव विशेषज्ञ की ओर से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के बावजूद एफआईआर दर्ज की गई हैं. मुख्य न्यायाधीश ने कहा, 'नोटिस जारी करें. इस बीच कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी.'

शीर्ष अदालत का दरवाजा क्यों खटखटाया?

सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज (सीएसडीएस) में लोकनीति के सह-निदेशक संजय कुमार ने महाराष्ट्र में अपने खिलाफ दर्ज दो एफआईआर को रद्द करने की मांग करते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है. एफआईआर में उन पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए महाराष्ट्र की मतदाता सूची से जुड़ी गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया गया है. याचिका में आरोप लगाया गया है कि ये एफआईआर कानून का दुरुपयोग हैं. यह एक शिक्षाविद को कम से कम एक वास्तविक गलती के लिए परेशान करने का प्रयास हैं.

सरकार को गाइडलाइन बनाने का 'सुप्रीम' आदेश

दिव्यांगों का मजाक उड़ाने पर अल्लाहबादिया व समय मांगें माफी'

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कॉमेडियन्स और यूट्यूबर्स को सख्त निर्देश देते हुए दिव्यांगों पर आपत्तिजनक कंटेंट ना बनाने की हिदायत दी है. कोर्ट ने कहा है कि अगर ऐसा कोई कंटेंट बनाया गया है तो तुरंत इसके लिए माफी मांगी जाए. स्टैंडअप कॉमेडियन समय रैना के मामले से जोड़ते हुए कोर्ट ने कहा है कि अगर ऐसा कभी भी हुआ तो यूट्यूबर्स और इन्फलुएंसर्स के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. क्या है पूरा मामला, चलिए आपको प्वाइंटर्स में बताते हैं एससी ने क्या कुछ कहा.

समय रैना पर क्या हैं आरोप?
कॉमेडियन समय रैना पर आरोप है कि उन्होंने अपने दो वीडियोज में रीढ़ की हड्डी की गंभीर बीमारी 'स्पाइनल मस्क्युलर एट्रोफी' से पीड़ित मरीजों पर असंवेदनशील टिप्पणियां कीं और नेत्रहीन और भेंगापन झेल रहे लोगों का भी मजाक उड़ाया. एक फाउंडेशन ने इस पर शिकायत दर्ज कराई और अदालत से अपील की कि दिव्यांगों के लिए विशेष सुरक्षा प्रावधान बनाए जाएं. संस्था ने कहा कि यह कुछ वीडियोज ही नहीं, बल्कि एक बड़ी प्रवृत्ति है, जिसमें दिव्यांगों को हंसी-मजाक का विषय बना दिया जाता है.

दिव्यांगों पर तंज महंगा पड़ेगा

सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि दिव्यांगों का अपमान करने वाले इन्फ्लुएंसर्स पर आर्थिक दंड भी लगाया जाएगा. कोर्ट ने टिप्पणी की कि आज के दौर में जब अभिव्यक्ति का माध्यम व्यावसायिक लाभ से जुड़ा है, तो जिम्मेदारी भी उतनी ही अधिक बढ़ जाती है.

इन्फ्लुएंसर्स को हलफनामा देना होगा सुप्रीम कोर्ट ने इन्फ्लुएंसर्स से कहा कि वो हलफनामा दाखिल करें, जिसमें यह बताया जाए कि वो अपने प्लेटफॉर्म का उपयोग दिव्यांगजनों के अधिकारों के बारे में जागरूकता फैलाने में कैसे करेंगे. साथ ही कोर्ट ने साफ किया कि फिलहाल इन्फ्लुएंसर्स को हर सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से मौजूद होने की जरूरत नहीं है, बशर्ते वो दिए गए निर्देशों का पालन करें.

फिजी में 100 बेड का सुपर स्पेशलिटी अस्पताल स्थापित करेगा भारत

नई दिल्ली। भारत फिजी की राजधानी सुवा में 100-बेड के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का निर्माण करेगा. इसके अलावा डायलिसिस यूनिट्स, समुद्री एम्बुलेंस और जन औषधि केंद्र भी स्थापित करेगा ताकि सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवा हर घर तक पहुंच सके. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां हैदराबाद हाउस में फिजी के प्रधानमंत्री सिटिवेनी राबुका के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी. इसके पहले, प्रधानमंत्री मोदी और फिजी के प्रधानमंत्री राबुका के बीच यहां द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने पर विस्तृत चर्चा हुई तथा विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग से जुड़े समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया. प्रधानमंत्री राबुका रविवार से भारत के तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं.प्रधानमंत्री मोदी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत और फिजी के बीच आत्मीयता और सांस्कृतिक जुड़ाव का एक लंबा इतिहास रहा है. उन्होंने स्मरण कराया कि 2014 में 33 वर्ष बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने फिजी की धरती पर कदम रखा था और उन्हें इस बात का गर्व है कि यह सौभाग्य उन्हें प्राप्त हुआ. उन्होंने कहा कि उसी समय भारत-प्रशांत द्वीप समूह सहयोग मंच (फिपिक) की शुरुआत की गई थी, जिसने भारत-फिजी संबंधों के साथ पूरे पैसिफिक क्षेत्र के साथ जुड़ाव को नई ताकत दी.प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री राबुका की यह यात्रा द्विपक्षीय रिश्तों में एक नया अध्याय जोड़ रही है.

डायमंड हार्बर सीट पर जीत को चुनौती

अभिषेक बनर्जी ने हाईकोर्ट में दाखिल किया प्रत्युत्तर हलफनामा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के डायमंड हार्बर लोकसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक प्रत्युत्तर हलफनामा (काउंटर एफिडेविट) दाखिल किया. यह हलफनामा 2024 लोकसभा चुनाव में उनकी भारी जीत को चुनौती देने वाली चुनाव याचिका के जवाब में दायर किया गया है. अब इस मामले की अगली सुनवाई 4 सितंबर को होगी.

अभिषेक बनर्जी सोमवार सुबह करीब 11 बजे उच्च न्यायालय पहुंचे और लगभग 15 मिनट तक वहां मौजूद रहे. इस दौरान उन्होंने कुछ आवश्यक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए और अपने हलफनामे को दाखिल किया. अदालत परिसर में मौजूद तृणमूल कांग्रेस के कई वकीलों ने उनका स्वागत किया और उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं. गौरतलब है कि, भाजपा उम्मीदवार अभिजीत दास (बॉबी) ने 2024 लोकसभा चुनाव परिणामों को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी. याचिका में आरोप लगाया गया है कि डायमंड हार्बर सीट पर व्यापक चुनावी अनियमितताएं हुईं और चुनाव परिणाम वैध नहीं हैं. अभिषेक बनर्जी ने इस चुनाव में रिकॉर्ड 7 लाख 10 हजार 930 वोटों से जीत दर्ज की थी.

न्यूज अपडेट

दक्षिण के अभिनेता दिनेश मंगलुरु का निधन, इंडस्ट्री में शोक की लहर

मुंबई। एक बेहद दुखद खबर सामने आई है. कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री के लोकप्रिय अभिनेता दिनेश मंगलुरु का निधन हो गया है. 55 वर्षीय अभिनेता ने उडुपी जिले के कुंदापुरा स्थित अपने घर पर अंतिम सांस ली. बताया जा रहा है कि वह पिछले कुछ समय से गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे.

उनके निधन की खबर से पूरी फिल्म इंडस्ट्री और फैंस शोक में डूब गए हैं. कन्नड़ सिनेमा के निर्देशक केएम चैतन्य ने इसकी पुष्टि की है. उन्होंने बतायाकि बीती रात अभिनेता दिनेश मंगलुरु का उनके कुंदापुरा आवास पर निधन हुआ. इससे दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री शोक में है. दिनेश मंगलुरु को बड़े पर्दे पर 'केजीएफ' में बॉम्बे डॉन के दमदार किरदार से खास पहचान मिली थी. इसके बाद वह कन्नड़ सिनेमा के चर्चित चेहरों में शामिल हो गए. अपने लंबे करियर में दिनेश ने कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया. उनकी उल्लेखनीय फिल्मों में 'उलिगेडावारु कंदंठे', 'राणा विक्रमा', 'अंबारी', 'सवारी', 'इंथी निन्ना प्रीतिया', 'आ दिनागलु', 'स्लम बाला', 'दुर्गा', 'स्माइल', 'अतिथि', 'प्रेमा', 'नागमंडला' और 'शुभम' शामिल हैं.

फिजी के प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से की मुलाकात

नई दिल्ली। भारत दौरे पर आए फिजी के प्रधानमंत्री सिटिवेनी लिगाममादा राबुका ने सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से राष्ट्रपति भवन में शिष्टाचार भेंट की. राष्ट्रपति मुर्मु ने प्रधानमंत्री राबुका और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए अगस्त 2024 में अपने फिजी दौरे को याद किया. उन्होंने कहा कि पारंपरिक स्वागत और भारतीय मूल के समुदाय से संवाद अविस्मरणीय रहे. राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और फिजी के बीच गहरे संबंधों में गिरमिटिया समुदाय की भूमिका अहम रही है, जिसने फिजी की बहुसांस्कृतिक पहचान को मजबूत किया. उन्होंने स्वास्थ्य, क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण और जलवायु लचीलापन जैसे क्षेत्रों में फिजी के सामाजिक-आर्थिक विकास में भारत की भागीदारी को रेखांकित किया।उन्होंने फिजी में सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल की स्थापना हेतु हुए समझौते का स्वागत करते हुए इसे स्वास्थ्य सहयोग में मील का पत्थर बताया.

ईडी की छापेमारी में भी टीएमसी विधायक ने फेंका मोबाइल, भागने पर अधिकारियों ने दौड़कर पकड़ा

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में शिक्षक नियुक्ति घोटाले की जांच कर रही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार की सुबह तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक जीवनकृष्ण साहा के घर पर छापेमारी की है. इस दौरान साहा ने एजेंसी से बचने की कोशिश की और घर के पीछे भागते हुए अपना मोबाइल फोन झाड़ियों के बीच नाले में फेंक दिया. बाद में इडी अधिकारियों ने नाले से उस मोबाइल को बरामद कर लिया, लेकिन विधायक ने उसका पासवर्ड बताने से इनकार कर दिया है.

सूत्रों के अनुसार, ईडी अधिकारियों ने साहा से उनके पिछले 90 दिनों के कॉल डिटेल रिकॉर्ड को लेकर पूछताछ की, लेकिन उनके जवाबों में कई विरोधाभास मिले. इस कारण एजेंसी ने उनसे लगातार पूछताछ जारी रखी है. बताया गया है कि उन्होंने कम से कम दो मोबाइल फोन का पासवर्ड साझा करने से मना कर दिया है.

सुबह जब ईडी की टीम साहा के मुर्शिदाबाद में अंदि गांव स्थित घर पहुंची, तो विधायक वहीं मौजूद थे. अधिकारियों को देखते ही वे घर के पिछले दरवाजे से भागने लगे. हालांकि, केंद्रीय बलों के जवानों ने उन्हें पकड़कर वापस घर के अंदर लाया. इसी दौरान उन्होंने फोन झाड़ियों में फेंक दिया, जो बाद में नाले से बरामद हुआ. अब उसकी तकनीकी जांच की जा रही है कि उसमें क्या अहम जानकारी मौजूद थी.

यूपी के बुलंदशहर में सड़क हादसे में नौ की मौत

- मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए की मदद का किया ऐलान

एजेंसी। बुलंदशहर

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में हुए सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या नौ हो गई है. हादसे में 30 लोग घायल हुए हैं, जिनमें दस को अलीगढ़ के लिए रेफर किया गया है. इनमें से दो की हालत गंभीर होने पर आईसीयू में हैं. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर संवेदना व्यक्त करते हुए मृतकों के परिवार को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये के आर्थिक सहयोग देने का ऐलान किया है. वरिष्ठ पुलिस

अधीक्षक (एसएसपी) दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि एनएच 34 पर अलीगढ़ बार्डर के पास रनिया थाना क्षेत्र में देररात सवा दो बजे के आसपास एक सड़क दुर्घटना हुई है. कासगंज के सोरो थाना क्षेत्र के रफातपुर गांव से एक ट्रैक्टर ट्रॉली को डबल डेकर बनाकर 61 लोग राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में जहारपीर के दर्शन करने जा रहे थे. तभी पीछे से एक कैंटर ने टक्कर मार देने से ट्रैक्टर ट्रॉली पलट गई. उन्होंने बताया कि सूचना पाकर मौके पर कई थानों की फोर्स, पीआरवी और एम्बुलेंस पहुंची और घायलों को रनिया, खुर्जा और कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है. यहां पर आठ लोगों की मौत हो गई. अन्य घायलों को जिला अस्पताल और 10 लोगों को अलीगढ़ के मेडिकल कॉलेज में रेफर किया गया. अन्य लोगों का इलाज कैलाश अस्पताल में चल रहा था. इलाज के दौरान एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई. उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में नौ लोगों की मौत हो गई. अलीगढ़ और कैलाश अस्पताल से 20 घायलों को उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया हैं. 10 लोगों को इलाज के लिए अलीगढ़ भेजा गया है. इनमें से दो आईसीयू में भर्ती हैं. शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है.

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का लखनऊ में हुआ भव्य स्वागत, शुक्ला ने छात्रों का बढ़ाया उत्साह, कहा-

मैं उतना टैलेंटेड नहीं हूं जितना आप लोग हो

एजेंसी। लखनऊ

लखनऊ, 25 अगस्त (हि.स.). एक्सिओम मिशन 4 के मिशन पायलट के रूप में इंटरनेशनल स्पेस सेंटर पर तिरंगा फहराने वाले ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का सोमवार को लखनऊ पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया. एयरपोर्ट से लेकर गोमतीनगर विस्तार में स्थित सिटी मांटेसरी स्कूल (सीएमएस) तक रोड शो निकाला गया.

चौधरी चरण सिंह अन्तरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने उनका स्वागत किया. एयरपोर्ट पर उनके स्वागत के लिए बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे और उनके समर्थक मौजूद रहे. एयरपोर्ट के बाहर सड़क की दोनों ओर छात्र छात्राएं हाथों में तिरंगा लिये शुभांशु के स्वागत में खड़े थे. बारिश के बावजूद छात्रों के उत्साह में कोई कमी नहीं थी.

गोमतीनगर विस्तार स्थित सीएमएस में शुभांशु ने छात्रों में जोश भरते हुए कहा कि आज मेरे लिए बहुत डिफरेंट फीलिंग है. आप सबने जो कुछ किया उसके लिए आभार. उन्होंने कहा कि मैं उतना टैलेंटेड नहीं हूं, जितना आप लोग हो. आप लोग भी भविष्य में बहुत तरक्की करोगे. शुभांशु ने कहा कि मैं पिछले एक साल से काम कर रहा था. सही समय पर सही अपॉर्च्युनिटी मिली. किसी ने नहीं पूछा की स्टेशन पर क्या किया. सबने पूछा आप एस्ट्रोनॉट कैसे बने. मैं बहुत खुश हूं, मुझे बहुत सप्राइज मिले. लखनऊ मेरा घर है यहां आकर बहुत खुशी मिली.

हिमाचल में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

नौ जिलों में शिक्षण संस्थान बंद कांगड़ा के कई इलाके जलमग्न

एजेंसी। शिमला

हिमाचल प्रदेश में मॉनसून की भारी बारिश ने हाहाकार मचा दिया है. नदियां-नाले उफान पर हैं और जगह-जगह भूस्खलन से सड़कें बंद पड़ी हैं. लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त है. भारी वर्षा के चलते बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए आज प्रदेश के 8 जिलों कांगड़ा, चंबा, ऊना, मंडी, कुल्लू, सोलन, बिलासपुर और हमीरपुर में सभी शिक्षण संस्थानों और आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश घोषित किया गया है. इसके अलावा जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति के लाहौल और

उदयपुर उपमंडलों में भी आज सभी शिक्षण संस्थान बंद रखे गए हैं. मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों के लिए आज भी भारी वर्षा का ओरेंज अलर्ट जारी किया है. ऐसे में प्रशासन ने लोगों को एहतियात बरतने, भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने और नदियों-नालों के किनारे न जाने की सख्त हिदायत दी है.कांगड़ा जिला में हालात सबसे ज्यादा बिगड़े हुए हैं. लगातार बारिश से इंदौरा इलाका जलमग्न हो गया है.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार**).
आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.